हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com भोपाल, शनिवार 11 जुलाई 2026

15 से 20 जुलाई के बीच ट्रायल के बाद हो सकता है संचालन

भोपाल पहुंची 10 ई-बसें, 15-20 जुलाई तक ट्रायल, 10 रूटों पर दौड़ेंगी, डिपो तैयार

1 1.5 रुपए प्रति किमी की दर से किराया, 5 किमी के सफर पर देना होंगे 7 रुपए 50 पैसे, उच्च स्तरीय कमेटी लेगी अंतिम निर्णय

2 पहले चरण में भोपाल को मिलेंगी 65 बसें, राजधानी में होगा 100 बसों का संचालन 2 रुपए प्रति किमी का प्रस्ताव

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

लंबे इंतजार के बाद आखिरकार राजधानी में ई-बसों ने आमद दे दी है। संत नगर में तैयार डिपो में पीएम-ई-बस सेवा के तहत 10 बसें पहुंच चुकी हैं। जिनका संचालन 15 से 20 जुलाई के बीच ट्रायल के बाद किया जाएगा। पहले चरण में शहर को 65 बसें मिलेंगी, जबकि 100 बसें मंजूर की गई हैं, जो चरणबद्ध रूप से भोपाल पहुंचेंगी। सरकार की उच्च स्तरीय कमेटी ने 1.5 रुपए प्रति किमी की दर से किराया राशि तय की है, लेकिन इसे 2 रुपए प्रति किमी करने का प्रस्ताव है। इसका निर्णय कमेटी लेगी।

नगर निगम में परिवहन विभाग के महापौर परिषद के सदस्य मनोज राठौर ने बताया कि बसों के संचालन के लिए पांच रूट पहले तय किए गए थे। उन्हीं रुटों पर बसों का संचालन होगा। हालांकि इन्हें बढ़ाकर दस रूट तय किए गए हैं। अभी तकनीकी रूप से जांच-पड़ताल के बाद इन्हें सड़कों पर उतारने की तैयारी होगी। प्रदेश सरकार की उच्च स्तरीय कमेटी जल्द ही रूट और किराया सूची जारी करेगी।

पर्यावरण अनुकूल और अत्याधुनिक सुविधाओं वाली एसी इलेक्ट्रिक बसों के चलने से शहर के लोगों को परिहवन की अत्याधुनिक सौगात मिल जाएगी। इस संबंध में जानकारी के लिए महापौर मालती राय, निगम आयुक्त संस्क्रति जैन और बीसीएलएल की सीईओ अंजू अरुण कुमार से मोबाइल पर संपर्क किया, लेकिन कॉल अटैंड नहीं हुए।

बसों के संचालन की जिम्मा ग्रीन सेल मोबिलिटी प्राइवेट लिमिटेड को

बसों के संचालन का जिम्मा ग्रीन सेल मोबिलिटी प्राइवेट लिमिटेड द्वारा किया जाएगा। ऑपरेटर ड्राइवर, कंडक्टर और मेंटेनेंस स्टाफ उपलब्ध कराएगा, जबकि टिकटिंग की व्यवस्था डिजिटल प्लेटफॉर्म 'चलो ऐप' के माध्यम से होगी। 25-सीटर वातानुकूलित ई-बसों का संचालन, रूट, संभावित किराया और यात्रियों को मिलने वाली सुविधाएं। ई-बसों का संचालन ग्रॉस कॉस्ट कॉन्ट्रैक्ट मॉडल पर होगा।

इस तरह तय होगा किराया

कंपनी को संचालन के लिए 58.14 रुपए प्रति किलोमीटर का भुगतान मिलेगा। इसमें 22 रुपए प्रति किमी केंद्र सरकार सब्सिडी देगी, जबकि 36.14 रुपए प्रति किमी राज्य सरकार वहन करेगी। प्रत्येक बस के लिए रोजाना न्यूनतम 180 किलोमीटर चलना अनिवार्य होगा।

शहर के लिए कॉम्प्रिहेंसिव मोबिलिटी प्लान तैयार

प्रदेश सरकार ने शहर के लिए कॉम्प्रिहेंसिव मोबिलिटी प्लान तैयार किया है, ताकि आगामी 20 सालों की शहरी आबादी की परिवहन जरूरतों को पूरा किया जा सके।

एक नजर में

- शहर में चलेंगी 100 ई-बसें
- 20-20 बसों की खेप में आएंगी
- 15 जुलाई के बाद ट्रायल रन
- 15 अगस्त के बाद शुरू हो सकती है सेवा
- 180 किमी तक चलेगी एक चार्ज में।
- 80 हजार यात्रियों को रोज मिलेगा फायदा
- 10 रूट से होगी शुरुआत।
- 26 रूट पर चलाने की योजना।

यह होंगे 10 रूट

- सीहोर से रातापानी - 68.5 किमी
- फंदा से मंडीदीप - 65.3 किमी
- बिलखिरिया से सीहोर - 61.5 किमी
- परवलिया सड़क से औबेदुल्लागंज - 56.8 किमी
- सीहोर से कटारा बायपास - 53.7 किमी
- अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय (आरआरएल कैंप) से बरखेड़ा - 50.6 किमी
- सूखी सेवनिया से भोजपुर - 49 किमी
- अचारपुरा औद्योगिक क्षेत्र से बिलकिसगंज - 41.8 किमी
- कोच फैक्ट्री से औबेदुल्लागंज - 41.8 किमी
- अचारपुरा औद्योगिक क्षेत्र से बीडीए कालोनी - 32 किमी

10 रूटों पर होगा 100 ई-बसों का संचालन

शहर में ई-बस सेवा 15 से 20 जुलाई के बाद शुरू होने की संभावना है। यहां 10 रूटों पर 100 बसें चलेंगी। सबसे लंबा रूट सीहोर से रातापानी (68.5 किमी) होगा, जबकि सबसे छोटा रूट अचारपुरा इंडस्ट्रियल एरिया से बीडीए कॉलोनी (32 किमी) तक रहेगा। सीहोर, फंदा, चिरायु अस्पताल, बैरागढ़, कलेक्ट्रेट, हमीदिया अस्पताल, रोशनपुरा, वल्लभ भवन, बोर्ड ऑफिस, चूना भट्टी, मंदाकिनी चौराहा, बीमा कुंज और कजलीखेड़ा से होकर गुजरेगा। जबकि अचारपुरा इंडस्ट्रियल एरिया, लांबाखेड़ा, करोंद, आरिफ नगर, संगम टॉकीज, रेलवे स्टेशन, सुभाष नगर, वल्लभ भवन, बोर्ड ऑफिस, आरकेएमपी स्टेशन और बीडीए कॉलोनी तक छोटा रूट होगा।

नीमच पहुंचे महामंडलेश्वर स्वामी कैलाशानंद

वक्फ बोर्ड की मॉनिटरिंग पर सरकार का फैसला स्वागत योग्य

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

देश में इस समय वक़्फ़ बोर्ड के अधिकारों और धार्मिक स्थलों के प्रबंधन को लेकर चल रही राष्ट्रव्यापी बहस के बीच, सनातन धर्म के शीर्ष संतों में शुमार और निरंजनी अखाड़ा दक्षिण काली पीठ (हरिद्वार) के पीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी कैलाशानंद गिरि महाराज शुक्रवार को नीमच पहुंचे।

यहां एयरपोर्ट पर चर्चा में उन्होंने वक़्फ़ बोर्ड की मॉनिटरिंग के सरकारी फैसले की सराहना करते हुए कहा कि धार्मिक संपत्तियों और संस्थाओं में केवल योग्य व पारदर्शी लोगों को ही जगह मिलनी चाहिए। इसके साथ ही, उन्होंने वक़्फ़ बोर्ड के कामकाज और उसकी संपत्तियों की निगरानी को लेकर देश भर में

चल रहे नीतिगत बदलावों का समर्थन करते हुए आचार्य महामंडलेश्वर ने डॉ. मोहन यादव सरकार सहित शासन स्तर पर हो रहे प्रयासों को बधाई दी।

आज ताज हॉल में विशाल धर्मसभा: शनिवार को देश के वर्तमान परिदृश्य, राष्ट्र उत्थान, सामाजिक समरसता और विश्व शांति के उद्देश्य को लेकर एक विशाल धर्मसभा का आयोजन किया जा रहा है।

अयोध्या के बाद बगलामुखी मंदिर दान विवाद पर जताई चिंता

हाल ही में अयोध्या और उसके बाद मध्य प्रदेश के सुप्रसिद्ध सिद्धपीठ मां बगलामुखी मंदिर (नलखेड़ा) में दान में मिली चांदी, आभूषणों और नकदी में कथित अनियमितताओं के आरोपों पर महामंडलेश्वर ने गहरी चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा, मां बगलामुखी मंदिर और देश के ऐसे अन्य मठ-मंदिर के प्रबंधन में कोई भी कमी या वित्तीय अनियमितता सामने आती है, तो वहां प्रशासन को अत्यधिक सावधानी बरतनी चाहिए। वहीं सरकारों और केंद्र सरकार को तुरंत और कड़ा संज्ञान लेना चाहिए, क्योंकि यह सीधे तौर पर जनमानस की भावनाओं से जुड़ा विषय है। स्वामी कैलाशानंद गिरि जी महाराज शुक्रवार को विशेष चार्टर विमान से नीमच पहुंचे, जहां जनप्रतिनिधियों, समाजसेवियों और हजारों की संख्या में मौजूद श्रद्धालुओं ने उनका भव्य स्वागत किया।

एक करोड़ से तीन और सड़कों का निर्माण कार्य होगाः रामेश्वर

हरिभूमि न्यूज ⏭ संतनगर

विधायक रामेश्वर शर्मा ने कहा कि शहर के विकास में कोई कमी नहीं आने दी जाएगी और उन्होंने सड़क निर्माण के लिए विधायक निधि से 50 लाख देने की घोषणा की। विधायक शर्मा शुक्रवार को झूलेलाल मंदिर में आधुनिक बाथरूम निर्माण कार्य के भूमिपूजन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा मैं छोटी मोटी घोषणा नहीं करता इसलिए एमआईसी मेंबर राजेश हिंगोरानी यहां के विकास के लिए 50 लाख दे रहे हैं तो में भी उतनी ही राशि दे रहा हूं। नगर निगम परिषद के अध्यक्ष किशन सिंह सूर्यवंशी ने कहा, वे विकास के मामले में कोई समझौता नहीं करेंगे और हर संभव विकास कार्य में सहयोग करेंगे उन्होंने झूलेलाल मंदिर में सोलर पेनल लगाने की घोषणा भी की। एमआईसी मेंबर राजेश हिंगोरानी ने बताया कि उन्होंने नगर निगम परिषद के अध्यक्ष से शौचालय निर्माण के लिए 5 लाख मांगे थे, लेकिन उन्होंने 10 लाख दे दिए। उन्होंने कहा कि अब यहां की तीन सड़कों आरा मशीन व पुरानी सब्जी मंडी और तीन सड़कों को निर्माण कार्य किया जाएगा।

सुभाष नगर डिपो में खड़ीं 10 मेट्रो ट्रेनें, एक ट्रैक पर दो ट्रेनें चलाने की तैयारी

भोपाल मेट्रोः 15 जुलाई तक आएगी सीएमआरएस की रिपोर्ट

एक के बजाए अब शहर में चार मेट्रो दौड़ेंगी यात्रियों के डेटा का हो रहा एनालिसिस

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

भोपाल मेट्रो के प्रायोरिटी कॉरिडोर में अब जल्द ही एक मेट्रो के बजाए चार मेट्रो चलती नजर आएंगी। मेट्रो के दोनों ट्रेक पर चार मेट्रो ट्रेनें चलेंगी जबकि बीते सात माह से एक ही ट्रेक पर एक मेट्रो अप-डाउन कर रही है। जबकि दूसरे ट्रेक पर सिंग्नलिंग का काम हाल ही में पूरा हुआ है, जिसकी सीएमआरएस ने विजिट की है। इसकी रिपोर्ट 15 जुलाई तक आएगी। इसके बाद मेट्रो प्रशासन नया शेडयूल जारी करेगा। मेट्रो संचालन शुरू होने के सात माह के यात्रियों के डाटा का बारीकी से एनालिसिस किया जा रहा है, ताकि यात्रियों की जरूरत के हिसाब से नया शेड्यूल तैयार किया जा सके। मेट्रो प्रबंधन फिलहाल सीएमआरएस टीम की ओके-टू-रन रिपोर्ट का इंतजार कर रहा है।

सुभाष नगर मेट्रो डिपो में खड़ी 10 ट्रेनें

मेट्रो में रोज यात्रा करने वाले यात्रियों की संख्या औसत 100 से 150 के बीच है। इसी मुख्य वजह ट्रेनों का लंबा अंतराल बताया जा रहा है। अभी सुभाष नगर से एम्स के बीच 75 मिनट की फ्रीक्वेंसी पर सिर्फ एक ट्रेन चलाई जा रही है। इतना लंबा इंतजार होने के कारण लोग मेट्रो में सफर करने से बच रहे हैं। जबकि सुभाष नगर डिपो में 10 मेट्रो ट्रेनें खडी हैं।

दो प्रस्तावित स्टेशनों को हटाने को मंजूरी

मप्र मेट्रो के बचेंगे 112 करोड़, शहर में अब 29 नहीं 27 स्टेशन होंगे

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मप्र मेट्रो ने शहर में तैयार हो रहे ब्लू और ऑरेंज लाइन के तहत बनने वाले स्टेशनों की संख्या कम कर दी है। वैल्यू इंजीनियरिंग के तहत दो प्रस्तावित स्टेशनों को हटाया जाएगा। यह निर्माण आवास एवं शहरी कार्य मंत्रालय के तय मानकों के अनुरूप नहीं थे। लिहाजा अब शहर में 29 के बजाए 27 स्टेशन होंगे। दो स्टेशनों के कम होने से मप्र मेट्रो को करीब 112 करोड रुपए की बचत होगी। जबकि प्रोजेक्ट में ऑरेंज लाइन पर 16 स्टेशन तथा ब्लू लाइन पर 13 स्टेशन शामिल थे। मध्य प्रदेश मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड के एमडी एस कृष्ण चैतन्य ने बताया कि परियोजना के क्रियान्वयन के दौरान वैल्यू इंजीनियरिंग, लागत अनुकूलन तथा विस्तृत तकनीकी एवं वित्तीय व्यवहार्यता के आधार पर परियोजना का पुनर्मूल्यांकन किया गया।

भोपाल
शनिवार, 11 जुलाई 2026
आषाढ़ मास कृष्ण पक्ष-12
वर्ष : 13, अंक : 100
पृष्ठ : 14 मूल्य : 4.00 **

मौसम
अधि. 32
न्यून. 26

haribhoomi.com

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

सीएम के साथ मंत्री इंदर सिंह परमार

दूसरे राज्यों का भी करेंगे अध्ययन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अतिथि विद्वानों के कल्याण के लिए बनी उच्च स्तरीय समिति देश के दूसरे राज्यों में लागू व्यवस्थाओं का भी अध्ययन करेगी और मध्यप्रदेश में सबसे बेहतर मॉडल वाली व्यवस्था लागू की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि बेहतर स्कूल शिक्षा के लिए राज्य में सांदीपनि विद्यालय शुरू किए जा रहे हैं। पहले राज्य के सकल पंजीयन दर और राष्ट्रीय दर में बड़ा अंतर था, परंतु आज प्रदेश का सकल पंजीयन दर (जीईआर) राष्ट्रीय औसत से भी बेहतर हो गई है। स्कूल शिक्षा में भी मध्यप्रदेश की ड्रॉप आउट दर शून्य पर आ गई है।

अटकाने-लटकाने-भटकाने का समय गया

मुख्यमंत्री ने अतिथि विद्वानों के हित में अग्रणी भारतीय मजदूर संघ की सराहना करते हुए कहा कि इस संघ ने हमेशा सच्चाई और अच्छाई के लिए अपनी महती भूमिका निभाई है। हमने भारतीय मजदूर संघ के बैनर तले समिति गठित की है। अटकाने-लटकाने-भटकाने का समय गया। अंग्रेज गए और कांग्रेस छोड़ गए। कांग्रेस केवल काम अटकाती थी। आज समय आगे बढ़ने का है।

राजधानी के रविंद्र भवन में प्रदेश स्तरीय अतिथि विद्वान सम्मेलन

अतिथि विद्वानों की मांगों पर विचार के लिए समिति गठित, अनुशंसाएं आना शेष

सीएम ने कहा

पुजारी हैं अतिथि विद्वान, उनके हित में आवश्यक संभव कदम उठाए जाएंगे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

हमारे महाविद्यालयों में शिक्षा देने वाले अतिथि विद्वान युवा पीढ़ी का भविष्य संवारने वाले पावन मंदिर के पुजारी हैं, जो अनेक युवाओं के जीवन को नई दिशा प्रदान करते हैं। अतिथि विद्वानों के परिश्रम का सम्मान करते हुए राज्य सरकार कई महत्वपूर्ण निर्णय ले रही है। अतिथि विद्वानों की सभी मांगों पर विचार करने के लिए सरकार ने एक उच्च स्तरीय समिति गठित की है। इस समिति की अनुशंसाएं आना अभी शेष है। समिति की अनुशंसाएं प्राप्त होते ही सरकार उच्च शिक्षा एवं तकनीकी शिक्षा विभाग में सेवाएं दे रहे अतिथि विद्वानों के हित में आवश्यक संभव ▶▶ शेष पेज 4 पर

अंग्रेज गए और कांग्रेस छोड़ गए कांग्रेस केवल काम अटकाती थी आज समय आगे बढ़ने का है

13 आकस्मिक और 3 ऐच्छिक अवकाश देने की व्यवस्था

मुख्यमंत्री ने कहा सरकार ने अतिथि विद्वानों के लिए 13 आकस्मिक और 3 ऐच्छिक अवकाश देने की व्यवस्था की है। इसके साथ ही महिला अतिथि विद्वानों के लिए प्रसूति अवकाश भी सुनिश्चित किया गया है। अतिथि विद्वानों को उनके घर के पास ही कॉलेज चुनने की सुविधा भी दी गई थी। साथ ही मप्र लोक सेवा आयोग की सहायक प्राध्यापक भर्ती परीक्षा में अतिथि विद्वानों के लिए 25 प्रतिशत पद आरक्षित करते हुए इन्हें आयु सीमा में 10 वर्ष की छूट भी दी गई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि वर्ष 2022 में 117 और वर्ष 2024 में 48 अतिथि विद्वान सहायक प्राध्यापक के शासकीय नियमित पद पर नियुक्ति प्राप्त कर चुके हैं।

ninh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155
airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

चेक बाउंस केस में राजपाल यादव को 3 महीने की जेल

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने चेक बाउंस के एक मामले में बॉलीवुड अभिनेता राजपाल यादव को तीन महीने की कारावास की सजा सुनाई है। न्यायमूर्ति स्वर्णा कांता शर्मा की अदालत ने याचिका पर फैसला दिया। बकाया राशि चुकाने के अवसर दिए गए लेकिन उन्होंने भुगतान नहीं किया।

नाना पटवारी ने माना- तीन साल पहले करता था नशा

इंदौर। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी के भाई नाना पटवारी ने पुलिस की कार्रवाई को राजनैतिक प्रतिशोध और सत्ता का दुरुपयोग बताया। नाना पटवारी ने स्वीकार किया कि वे तीन वर्ष पहले तक नशा करते थे, लेकिन अब वे पूरी तरह ठीक हैं। मेरी गलती सिर्फ इतनी है कि मैं जीतू का भाई हूं।

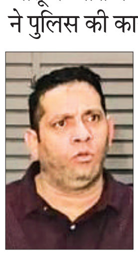

टिकट बुकिंग के दौरान अब कैप्चा होगा खत्म

नई दिल्ली। आईआरसीटीसी की नई वेबसाइट का 'बीटा' वर्जन लॉन्च करने जा रहा है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने घोषणा की है कि नई वेबसाइट लगभग तैयार है और इसे रेलवे के नए पीआरएस के साथ जोड़ा जा रहा है। इसमें कैप्चा खत्म होगा। जिससे टिकट बुकिंग पहले से ज्यादा तेज, आसान और तकनीकी दिक्कतों से मुक्त हो जाएगी।

भाजपा ने फिर चौंकाया

नरोत्तम शुरू कर चुके थे प्रचार

नरोत्तम मिश्रा का पत्ता कटा, दतिया से आशुतोष तिवारी को भाजपा का टिकट

दतिया में तूफान... इस्तीफों की झड़ी बाजार बंद कराए, हाईवे जाम किया

नरोत्तम का टिकट क्या कटा, दतिया उबल उठा। अब बड़ा सवाल है कि नरोत्तम का होगा क्या? क्या उन्हें संगठन में लिया जाएगा, क्या वे मानेंगे या फिर कोई दूसरा रास्ता अख्तियार करेंगे?

आशुतोष तिवारी

नरोत्तम मिश्रा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल/ दतिया

मौजूदा भाजपा नेतृत्व चौंकाने वाले निर्णय के लिए जाना जाता है। दतिया में भी ऐसा ही हो गया। अपने टिकट को लेकर आश्वस्त चल रहे पूर्व गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा का पत्ता कट गया और संघ से जुड़े पूर्व संभागीय संगठन मंत्री आशुतोष तिवारी भाजपा के उम्मीदवार घोषित कर दिए गए। उधर, दिल्ली हाईकोर्ट ने कांग्रेस के पूर्व विधायक राजेंद्र भारती की याचिका खारिज कर दी और इधर भाजपा नेतृत्व ने प्रत्याशी के नाम का ऐलान कर दिया। नरोत्तम ने दतिया में प्रत्याशी की घोषणा से पहले ही अपना प्रचार अभियान प्रारंभ कर दिया था। सभाओं में वे जनता से पूर्व की गलतियों के लिए ▶▶ शेष पेज 4 पर

आशुतोष तिवारी संघ की पसंद, पार्टी में पूर्व संभागीय संगठन मंत्री रह चुके

सड़क पर नरोत्तम के समर्थक

▶▶ नरोत्तम समर्थक 'आशुतोष तिवारी वापस जाओ' का नारा लगाते रहे

▶▶ दतिया में छह थानों का पुलिस बल तैनात किया गया

▶▶ राजेंद्र भारती की याचिका खारिज होने के बाद भाजपा ने किया ऐलान

महिलाएं सड़क पर लेटीं, 8 किलोमीटर लंबा जाम लगा रहा

टिकट कटने के बाद पार्टी के भीतर बगावत शुरू हो गई है। दतिया से लेकर ग्वालियर के डबरा तक समर्थक और कार्यकर्ता सड़कों पर उतर आए हैं। पार्टी के इस फैसले से नाराज भाजपा जिलाध्यक्ष रघुवीर सिंह समेत कई प्रमुख पदाधिकारियों ▶▶ शेष पेज 4 पर

कांग्रेस से अवधेश नायक हो सकते प्रत्याशी

कांग्रेस ने अब तक प्रत्याशी घोषित नहीं किया है, लेकिन भाजपा से कांग्रेस में आए पूर्व विधायक अवधेश नायक का नाम सबसे ऊपर बताया जा रहा है। कांग्रेस ने 2023 में उनको प्रत्याशी घोषित कर दिया था लेकिन बाद में उनका टिकट काट कर राजेंद्र भारती को दे दिया गया था। अन्य प्रमुख दावेदारों में राजेंद्र भारती की पत्नी ▶▶ शेष पेज 4 पर

सुप्रीम कोर्ट में एक शख्स ने किया भारी हंगामा

जजों के सामने फेंके कागज सीजेआई को कहे 'अपशब्द'

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

कोर्ट ने खारिज की याचिका दिखाई सहानुभूति

सुप्रीम कोर्ट में शुक्रवार को उस समय भारी हंगामा हुआ, जब खुद अपना केस लड़ रहे एक याचिकाकर्ता, प्रबल प्रताप ने कोर्टरूम में जजों के सामने कागज हवा में फेंक दिए और अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया। यह घटना सुबह करीब 11 बजे जस्टिस के.वी. विश्वनाथन और जस्टिस आलोक अराधे की बेंच के सामने हुई।

याचिकाकर्ता ने जजों को न्यायिक सेवक संबोधित करते हुए आक्रामक लहजे में कहा कि मिस्टर न्यायिक ▶▶ शेष पेज 4 पर

पूर्व आईएएस नियाज खान का विवादित बयान

मुस्लिमों को दी तुर्की जैसा पहनावा अपनाने की सलाह

लोकतंत्र और राजनीति पर भी उठाए सवाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मप्र कैडर के पूर्व आईएएस अधिकारी और लेखक नियाज खान अपने एक सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर चर्चा में आ गए हैं। उन्होंने एक्स पर दावा किया कि भारत में मॉब लिंचिंग की घटनाओं से बचने के लिए, मुस्लिमों को अपनी पारंपरिक पहचान बदलकर तुर्की के मुसलमानों जैसा पहनावा अपनाना चाहिए, ताकि भीड़ उन्हें आसानी से पहचान न सके। नियाज खान ने लिखा कि देश में मॉब लिंचिंग के ज्यादातर मामलों में पीड़ित कुर्ता, पायजामा, दाढ़ी और टोपी में नजर आते हैं, जिससे उनकी पहचान उजागर हो जाती है। सुरक्षा के लिहाज से उन्हें अपना ▶▶ शेष पेज 4 पर

प्रदेश में बारिश का सिस्टम कमजोर

वापस आया लो प्रेशर सिस्टम बारिश थमने से बढ़ेगा तापमान

गर्मी और उमस लोगों को करेगी परेशान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

पिछले पांच दिनों से हो रही अच्छी बारिश के बाद मानसून का लो प्रेशर सिस्टम वापस लौट गया है, जिसकी वजह से प्रदेश में बारिश का सिस्टम कमजोर हो गया है। हालांकि शुक्रवार को सीधी में 13 मिलीमीटर और सतना में 7 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई, जबकि ग्वालियर समेत कुछ जिलों में बूंदाबांदी हुई। अब अगले तीन दिनों के दौरान दिन और रात के तापमान में बढ़ोतरी होने का अनुमान लगाया ▶▶ शेष पेज 4 पर

सिंगरौली में नाबालिग से बर्बरता

भैंस चोरी के शक में 14 साल के बच्चे की पीट-पीटकर हत्या

तीन आरोपियों के खिलाफ हत्या का केस दर्ज तीनों फरार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सिंगरौली

यहां भैंस चोरी के शक में तीन दबंगों द्वारा 14 वर्षीय बच्चे विनोद सिंह की लाठी-डंडों से बेरहमी से पिटाई का मामला सामने आया है। इलाज के दौरान अस्पताल में बच्चे की मौत हो गई। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद पुलिस ने शुक्रवार को तीन आरोपियों के खिलाफ हत्या का केस दर्ज किया है। घटना करकोसा गांव की है, जहां आसमान सिंह नामक व्यक्ति की भैंस 6 जुलाई को चोरी हुई ▶▶ शेष पेज 4 पर

बिस्तर पर रेंगता मिला जहरीला करैत

बिस्तर पर सो रहे एक ही परिवार के तीन लोगों को सांप ने काटा

6 साल की मासूम की मौत माता-पिता की हालत गंभीर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ अनूपपुर

जिले के भेड़वाटोला गांव में गुरुवार-शुक्रवार की दरमियानी रात एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई, जहां जहरीले करैत सांप के काटने से 6 वर्षीय मासूम बच्ची की मौत हो गई, जबकि उसके माता-पिता अस्पताल में जिंदगी की जंग लड़ रहे हैं। घटना रात करीब ढाई बजे की है, जब भानु प्रताप सिंह अपनी पत्नी रेखा सिंह और बेटी माधवी सिंह के साथ बिस्तर पर ▶▶ शेष पेज 4 पर

आगर मालवा में पकड़ाया रिश्वतखोर बाबू

27 लाख के भुगतान के एवज में 50 हजार की घूस लेते गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ आगर मालवा

लंबित ग्रेच्युटी, बीमा आदि की राशि के एवज में मांगे थे रुपए

लोकायुक्त उज्जैन की टीम ने शुक्रवार को आगर मालवा जिले के खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग में बड़ी कार्रवाई की है। टीम ने जिला आपूर्ति अधिकारी कार्यालय में पदस्थ सहायक ग्रेड-3 और प्रभारी लेखापाल मनीष कुमार पंड्या को 50 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया। आरोपी ने एक सेवानिवृत्त अधिकारी के करीब 27 लाख रुपए के लंबित फंड्स (ग्रेच्युटी, बीमा और अवकाश नकदीकरण) को जारी करने के एवज में डेढ़ लाख रुपए की घूस मांगी थी। जावरा (रतलाम) निवासी विजय कुमार बोरसिया ने इस संबंध ▶▶ शेष पेज 4 पर

भोपाल कलेक्टोरेट में हंगामा...'औकात' तक पहुंची बात

एक-दूसरे की तरफ अंगुली उठाकर बात करने से बढ़ा विवाद

दिशा बैठक में मास्टर प्लान पर भिड़े कांग्रेस विधायक और जनपद अध्यक्ष

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

कलेक्टोरेट में शुक्रवार को आयोजित दिशा समिति की बैठक उस समय भारी हंगामे की भेंट चढ़ गई, जब भोपाल के मास्टर प्लान को लेकर जनप्रतिनिधि आपस में ही भिड़ गए। बैठक में कांग्रेस विधायक आरिफ मसूद और आतिफ अकील की फंदा जनपद पंचायत अध्यक्ष प्रमोद सिंह राजपूत के साथ तीखी बहस हो गई। दोनों पक्षों के बीच एक-दूसरे की तरफ अंगुली उठाकर बात करने से विवाद इतना बढ़ा कि जनपद अध्यक्ष ने विधायकों को औकात में रहकर बात करने तक की नसीहत दे डाली। विवाद तब शुरू हुआ जब विधायक ▶▶ शेष पेज 4 पर

10 मिनट तक बहसबाजी

दोनों नेताओं के बीच करीब 10 मिनट तक हाई-वोल्टेज ड्रामा चला। मसूद ने जनपद अध्यक्ष को शांत रहने की हिदायत देते हुए कहा कि वे उनका तरीका ठीक नहीं है और वे केवल सांसद का सम्मान करते हुए यहां बैठे हैं। ▶▶ पढ़ें पेज 03 भी

चढ़ावा प्रबंधन और सुरक्षा व्यवस्था को पारदर्शी बनाने के लिए ट्रस्ट का बड़ा फैसला

राम मंदिर में पहली बार सीईओ पद, 2500 कर्मचारियों की होगी उन पर जिम्मेदारी, 22 जुलाई को होगी घोषणा

एजेंसी ▶▶ अयोध्या

श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने राम मंदिर के प्रशासनिक ढांचे में एक बड़ा बदलाव करने का निर्णय लिया है। मंदिर के संचालन को अधिक पेशेवर, पारदर्शी और जवाबदेह बनाने के लिए पहली बार मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) का पद सृजित किया जा रहा है। आगामी 22 जुलाई को होने वाली बैठक में नए सीईओ के नाम की घोषणा की जा सकती है, जिसके चयन के लिए तीन सदस्यीय समिति का गठन पहले ही किया जा चुका है। नवनियुक्त सीईओ को मंदिर के प्रशासन और वित्तीय प्रबंधन को लेकर व्यापक अधिकार सौंपे जाएंगे।

▶▶ *तीन सदस्यीय समिति करेगी सीईओ का चयन*

सीईओ को ये मिलेंगी जिम्मेदारी

1. **चढ़ावा और वित्तीय प्रबंधन**
वित्तीय विशेषज्ञों और चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीए) की मदद से एक आधुनिक अकाउंटिंग सिस्टम लागू किया जाएगा।
2. **2500 कर्मचारियों की निगरानी**
परिसर की सुरक्षा, सफाई और दर्शन व्यवस्था में तैनात करीब 2500 कर्मचारियों की ड्यूटी, उनके बीच समन्वय और प्रशासनिक कार्यों की कमान सीधे सीईओ के हाथों में होगी। ▶▶ शेष पेज 4 पर

23 कर्मचारियों का सामूहिक इस्तीफा

नई दिल्ली। राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में आगामी 13 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट में अहम सुनवाई होगी। चीफ जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बेंच तीन अलग-अलग याचिकाओं पर सुनवाई करेगी, जिनमें मामले की जांच सीबीआई को सौंपने या एसआईटी गठन की मांग की गई है। साथ ही, मंदिर दान प्रबंधन की समीक्षा के लिए एक एक्सपर्ट कमेटी बनाने की भी अपील की गई ▶▶ शेष पेज 4 पर

भीषण गर्मी से बचाने भोपाल का 'हीट एक्शन प्लान', 5 करोड़ की परियोजना पर हुआ करार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

जलवायु परिवर्तन और लगातार बढ़ती गर्मी से शहर को सुरक्षित बनाने की दिशा में भोपाल ने बड़ा कदम उठाया है। नगर निगम भोपाल और नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ अर्बन अफेयर्स (एनआईयूए) के बीच शुक्रवार को अर्बन हीट आइलैंड प्रभाव को कम करने के लिए समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। नगर निगम आयुक्त संस्कृति जैन और एनआईयूए की निदेशक डॉ. डेबोलिना कुंडू ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए।

यह परियोजना केंद्र सरकार के आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय की अमृत 2.0 सुधार योजना के तहत देश के 12 चयनित शहरों में लागू की जा रही है। परियोजना के तहत भोपाल नगर निगम को 5 करोड़ रुपए का अनुदान मिलेगा। 15 माह में पूरी होने वाली इस योजना के तहत सैटेलाइट डेटा और आधुनिक तकनीक से शहर के उन इलाकों की पहचान की जाएगी, जहां सामान्य से अधिक तापमान दर्ज होता है। इन हीट हॉटस्पॉट क्षेत्रों में विशेष इंतजाम किए जाएंगे।

नगर निगम और नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ अर्बन अफेयर्स के बीच एमओयू ,15 माह में तैयार होगा हीट रेजिलिएंट सिटी मॉडल

फाइल फोटो

संवेदनशील बस्तियों में होंगे खास इंतजाम

योजना में आर्थिक रूप से कमजोर और संवेदनशील बस्तियों के लोगों को लू से बचाने के लिए विशेष प्रबंध, इमारतों पर कूल रूफ तकनीक, हरित क्षेत्र बढ़ाने, छायादार सार्वजनिक स्थान विकसित करने और जल स्त्रोतों के संरक्षण जैसे कार्य शामिल हैं। साथ ही नागरिकों को गर्मी से बचाव के उपायों के प्रति जागरूक करने के लिए अभियान भी चलाया जाएगा।

एक नोडल अधिकारी होगा नियुक्त

नगर निगम इस परियोजना के लिए एक नोडल अधिकारी नियुक्त करेगा जो सर्वे, योजना के क्रियान्वयन और निगरानी की जिम्मेदारी संभालेंगे। परियोजना के अंतर्गत भोपाल के लिए दीर्घकालिक हीट रेजिलिएंट सिटी फ्रेमवर्क भी तैयार किया जाएगा। निगम का मानना है कि यह पहल शहर को भविष्य की भीषण गर्मी के लिए बेहतर ढंग से तैयार करेगी और पर्यावरण-अनुकूल शहरी विकास का मॉडल स्थापित करेगी।

खबर संक्षेप

प्रदेश अध्यक्ष, क्षेत्रीय संगठन महामंत्री से मिले दतिया प्रत्याशी तिवारी

भोपाल। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल एवं क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल से दतिया विधानसभा उपचुनाव के पार्टी प्रत्याशी आशुतोष तिवारी ने भोपाल में सौजन्य मुलाकात की। प्रदेश अध्यक्ष खण्डेलवाल एवं क्षेत्रीय संगठन महामंत्री जामवाल ने उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दी। इस दौरान भाजपा प्रदेश कार्यालय मंत्री श्याम महाजन एवं भारतीय जनता युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष श्याम टेलर उपस्थित रहे।

जांच से बचने राजनीतिक प्रतिशोध का झूठा नैरेटिव गढ़ रही कांग्रेस : हेमंत

भोपाल। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल ने कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी के बयान पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि आपराधिक जांच से बचने के लिए राजनीतिक प्रतिशोध का झूठा नैरेटिव गढ़ना कांग्रेस की पुरानी राजनीति रही है। जीतू पटवारी का बयान तथ्यों से परे, भ्रामक तथा राजनीतिक लाभ लेने का एक असफल प्रयास है। जिस व्यक्ति के समर्थन में कांग्रेस खड़ी है, उसके विरुद्ध पूर्व से ही कई आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं। खण्डेलवाल ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार प्रदेश में जीरो टॉलरेंस की नीति पर कार्य कर रही है। अपराधी कोई भी हो, उसे बख्शा नहीं जाएगा।

निगम-मंडलों में बिना देरी मिले शासन की सुविधाओं का लाभ

भोपाल। मप्र निगम मंडल अधिकारी कर्मचारी महासंघ के प्रांताध्यक्ष अजय श्रीवास्तव नीलू ने मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव से निगम मंडलों में शासन द्वारा जारी किए गए आदेशों में सुविधाओं का सीधा लाभ बिना देरी से देने की मांग की है। श्रीवास्तव ने बताया कि निगम मंडलों में कई वर्षों तक इंतजार करना पड़ता है। वेतनमान, महंगाई भत्ता, पदोन्नति, नियमित वेतन आदि अति आवश्यक हक के वंचित रहना पड़ता है। श्रीवास्तव ने मुख्यमंत्री से अविलंब शासन के समान सुविधाएं देने के निर्देश जारी करवाने मांग की है। अध्यक्ष-उपाध्यक्ष अन्य पदों पर राजनीतिक नियुक्तियां की गई है। उनके अध्यक्ष, उपाध्यक्ष अन्य पदाधिकारी को खास तौर से वाहनों के उपयोग में मितव्ययिता बरतने आदेश अविलंब जारी होना चाहिए। महासंघ के पदाधिकारी संयोजक अनिल बाजपेई, कार्यकारी अध्यक्ष अरुण वर्मा हेमंत कपूर, महामंत्री गजेंद्र सिंह कोठारी, बलवंत सिंह रघुवंशी, श्याम सुंदर शर्मा, शाहवर खान, शकील अकबर आदि ने मुख्यमंत्री से इस मांग पहल कर प्रदेश स्तर पर कड़े आदेश प्रसारित करने की मांग की है।

निर्देश के बाद विभागों में पदोन्नति की रफ्तार बढ़ी, अधिकांश विभाग सूची जारी करने में जुटे

विभागीय पदोन्नति को लेकर उल्टी गिनती शुरू, 13 के पहले सभी पदोन्नति निबटाएं

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मप्र में पदोन्नति को लेकर विभागों की तैयारी अब अंतिम दौर में है। 13 जुलाई को हाईकोर्ट में इस मुद्दे को लेकर सुनवाई है। ज्यादातर विभागों की कोशिश है कि इससे पहले पदोन्नति की पूरी सूची जारी कर दी जाए। हालांकि कुछ विभाग ऐसे भी हैं, जिनकी नजर में इस तारीख के कोई मायने नहीं है। यदि हाई कोर्ट से कुछ निर्णय हुआ तो पदोन्नति रुक जाएगी, नहीं हुआ तो पदोन्नति कर दी जाएगी।

एक दिन पहले खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग ने पिछले 10 वर्षों से रुके पड़े थोक बंद पदोन्नति की सूची जारी की है। इस अनुसार संयुक्त संचालक शशांक मिश्र को पदोन्नति के बाद अपर संचालक बनाया गया है। इन दोनों अधिकारियों की पदस्थापना यथावत रहेगी। उप संचालक श्रीमती ज्योति शाह नरवरिया को स्थानापन्न रूप से संयुक्त संचालक के पद पर पदोन्नत किया गया है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि उपरोक्त समस्त पदोन्नतियां सुप्रीम कोर्ट के समक्ष लंबित विशेष अनुमति याचिका तथा उच्च न्यायालय की ओर से भविष्य में पारित किए जाने वाले आदेशों के अध्याधीन होगी।

खास बातें

- हाईकोर्ट से निर्णय हुआ तो पदोन्नति रुक जाएगी, वरना पदोन्नति कर दी जाएगी
- दोनों अधिकारियों की पदस्थापना रहेगी यथावत

फाइल फोटो।

लोक निर्माण विभाग में तेजी से काम शुरू

लोक निर्माण विभाग में सहायक यंत्री से कार्यपालन यंत्री व अधीक्षण यंत्री के पद पर पदोन्नति की फाइल विभागीय मंत्री के पास अनुमोदन के लिए भेजी गई है। मंत्री के अनुमोदन के बाद सूची जारी कर दी जाएगी। हालांकि जो इंजीनियर काफी जुगाड़ के बाद अभी हाल में ही कार्यपालन यंत्री व अधीक्षण यंत्री बने हैं, उनकी पदस्थापना को लेकर उहापोह की स्थिति पैदा हो गई है। चूंकि पदोन्नति के बाद ऐसे इंजीनियर उस जगह पर पदस्थ होंगे या अन्यत्र भेजे जाएंगे। इय पर मंथन शुरू हुआ है। जबकि आबकारी व वाणिज्यिक कर में संचालनालय स्तर पर अभी फाइल ही नहीं आई है। पहले मंत्रालय फाइल आने के बाद उसे लोक सेवा आयोग भी भेजा जाएगा। ऐसे में उहापोह की स्थिति मची हुई है।

सहायक संचालक से उपसंचालक पर पदोन्नत

जारी आदेश के अनुसार प्रभारी जिला आपूर्ति नियंत्रक भोपाल चंद्रभान सिंह जादौन को पदोन्नति के बाद जिला आपूर्ति नियंत्रक भोपाल बनाया गया है। मीना मालाकार को प्रभारी उप संचालक से उप संचालक, मोहनलाल मारू को प्रभारी जिला आपूर्ति नियंत्रक इंदौर को भी जिला आपूर्ति नियंत्रक इंदौर, ज्योति जैन सिंघाई को प्रभारी उप संचालक से उप संचालक बनाया गया है। इसी तरह पदोन्नति के बाद रश्मि साहू को जिला आपूर्ति नियंत्रक नर्मदापुरम, ज्योति बघेल को उप संचालक तथा शालू वर्मा को जिला आपूर्ति नियंत्रक उज्जैन में पदस्थ किया गया है।

राज्य स्तरीय युवा पुरस्कारों की होगी घोषणा

सीएम आज माय यूथ-माय प्राइड कॉन्क्लेव-26 का करेंगे शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 11 जुलाई को इंदौर के ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में आयोजित यूथ-माय प्राइड कॉन्क्लेव-2026 का शुभारंभ करेंगे। प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से लगभग 5 हजार युवाओं की सहभागिता वाले इस महाआयोजन का उद्देश्य युवा शक्ति को प्रदेश के विकास की मुख्यधारा से जोड़ना, उनके विचारों को नीति निर्माण में शामिल करना तथा विभिन्न क्षेत्रों में युवाओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना है।

कॉन्क्लेव में शिक्षा, खेल, उद्यमिता, कृषि, स्वास्थ्य, सूचना प्रौद्योगिकी, कौशल विकास, संस्कृति, पर्यावरण तथा सामाजिक विकास सहित 10 प्रमुख क्षेत्रों के युवा सहभागिता करेंगे। कॉन्क्लेव की विशेषता क्रांति और ज्ञान के संगम का प्रतीक दो प्रेरक रैलियां होंगी। अमर शहीद चन्द्रशेखर आज़ाद की जन्मस्थली चन्द्रशेखर आज़ाद नगर (भाबरा) से प्रारंभ हुई आज़ाद युवा बाइक रैली तथा आदि शंकराचार्य की दीक्षा भूमि ओंकारेश्वर से प्रारंभ हुई शंकर संकल्प साइकिल यात्रा ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर पहुंचकर एक साथ अपने गंतव्य पर पहुंचेगी। मुख्यमंत्री दोनों रैलियों के प्रतिभागियों का स्वागत एवं सम्मान करेंगे।

सीएम का फाइल फोटो।

युवा स्वयं अपने-अपने क्षेत्रों से जुड़े सुझाव देंगे

कॉन्क्लेव में युवाओं को विभिन्न विषयगत समूहों में विभाजित कर कार्यशालाओं का आयोजन किया जाएगा। इन कार्यशालाओं में युवा स्वयं अपने-अपने क्षेत्रों से जुड़े सुझावों, नवाचारों और भावी कार्ययोजनाओं पर विचार-विमर्श कर क्रियान्वयन योग्य संकल्प तैयार करेंगे। कार्यशालाओं में शिक्षा एवं कौशल विकास, खेल एवं स्वास्थ्य, एमएसएमई एवं स्टार्ट-अप, कृषि-उद्यानिकी एवं पर्यावरण तथा जन अभियान, संस्कृति एवं पर्यटन जैसे विषयों पर व्यापक चर्चा होगी। प्रत्येक समूह की ओर से तैयार किए गए संकल्पों की प्रस्तुति मुख्य मंच से की जाएगी। कॉन्क्लेव में प्राप्त सभी सुझावों एवं संकल्पों का समेकन कर 'मध्यप्रदेश युवा संकल्प-2026' दस्तावेज तैयार किया जाएगा।

सामाजिक उत्तरदायित्व तथा राष्ट्र निर्माण का संकल्प लेंगे

युवा सामूहिक रूप से प्रदेश के विकास, नवाचार, सामाजिक उत्तरदायित्व तथा राष्ट्र निर्माण का संकल्प लेंगे। यह संकल्प दस्तावेज मुख्यमंत्री को सौंपा जाएगा तथा आगे आवश्यक कार्रवाई के लिए संबंधित विभागों को प्रेषित किया जाएगा। कॉन्क्लेव में इंदौर की पारंपरिक खान-पान संस्कृति पर आधारित फूड स्ट्रीट का संचालन स्थानीय युवा उद्यमियों एवं स्व-सहायता समूहों द्वारा किया जाएगा। वहीं स्थानीय युवा बैंड एवं लोक-फ्यूजन कलाकारों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियां इस आयोजन का आकर्षण का केंद्र रहेंगी।

चार नई राज्य स्तरीय युवा पुरस्कार श्रेणियों की घोषणा करेंगे

मुख्यमंत्री प्रदेश के युवाओं को प्रोत्साहित करने चार नई राज्य स्तरीय युवा पुरस्कार श्रेणियों की घोषणा भी करेंगे। इनमें मुख्यमंत्री युवा शिखर सम्मान, मुख्यमंत्री युवा नवाचार पुरस्कार, मुख्यमंत्री युवा समाज सेवा पुरस्कार तथा मुख्यमंत्री युवा कला-क्रीड़ा गौरव पुरस्कार शामिल हैं। इनके माध्यम से उत्कृष्ट कार्य करने वाले युवाओं को सम्मानित एवं प्रोत्साहित किया जाएगा। यूथ-माय प्राइड कॉन्क्लेव-2026 युवा शक्ति, नवाचार, और सांस्कृतिक चेतना का ऐसा साझा मंच बनेगा, जहां युवाओं के विचार प्रदेश के विकास के संकल्प में परिवर्तित होंगे।

सभी टाइगर रिजर्व में सतर्कता के निर्देश

कान्हा में सीडीवी रोकथाम के प्रयासों की एचसी ने की सराहना

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

जबलपुर हाईकोर्ट ने कान्हा टाइगर रिजर्व में कैनाइन डिस्टेंपर वायरस (सीडीवी) की रोकथाम के लिए पार्क प्रबंधन द्वारा उठाए गए कदमों की सराहना की है।

अदालत ने उम्मीद जताई कि राज्य सरकार और संबंधित विभाग सभी टाइगर रिजर्व में लगातार निगरानी रखेंगे तथा जहां भी जरूरत होगी, वहां समय पर टीकाकरण अभियान चलाकर बाघों सहित बिल्ली प्रजाति के वन्यजीवों को इस तरह की स्वास्थ्य आपदाओं से सुरक्षित रखा जाएगा। शुक्रवार को हुई सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से पेश अधिवक्ता ने हाईकोर्ट को बताया कि कान्हा टाइगर रिजर्व में वायरस के प्रसार को रोकने के लिए व्यापक स्तर पर कार्रवाई की गई है।

इसके तहत रिजर्व और आसपास के क्षेत्रों में लगभग ढाई हजार (करीब 2500) कुत्तों का टीकाकरण किया गया है, ताकि संक्रमण वन्यजीवों तक न पहुंचे। इसके अलावा बीमारी की रोकथाम के लिए अन्य आवश्यक एहतियाती कदम भी उठाए गए हैं।

एमपी टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव 3.0 में जीसीसी क्षेत्र के विशेषज्ञ करेंगे मंथन

ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स के लिए मध्यप्रदेश बन रहा प्रमुख निवेश का महत्वपूर्ण केन्द्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मप्र कुशल मानव संसाधन, प्रतिस्पर्धी संचालन लागत, उत्कृष्ट अधोसंरचना और उद्योग-अनुकूल नीतियों के कारण प्रदेश वैश्विक कंपनियों को आकर्षित कर रहा है। इसी उद्देश्य से विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग की ओर से मप्र स्टेट इलेक्ट्रॉनिक्स डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन के माध्यम से 13 जुलाई को भोपाल में आयोजित होने वाले एमपी टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव 3.0 में जीसीसी राउंडटेबल का आयोजन किया जाएगा। चूंकि मप्र में ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स के लिए देश के उभरते हुए निवेश गंतव्यों में तेजी से अपनी पहचान बना रहा है। भारत का अगला जीसीसी विकास गंतव्यः मप्र में प्रतिभा, लागत एवं नवाचार का लाभ विषय पर आयोजित राउंडटेबल में देश-विदेश की अग्रणी प्रौद्योगिकी कंपनियां, जीसीसी संचालक, उद्योग विशेषज्ञ, नीति-निर्माता और शिक्षाविद शामिल होगें। इसमें भारत में जीसीसी क्षेत्र के विस्तार, निवेश की संभावनाओं, प्रतिभा विकास और नवाचार आधारित विकास पर विचार-विमर्श होगा।

स्टाम्प-पंजीयन शुल्क की प्रतिपूर्ति जैसी सुविधाएं

मप्र की जीसीसी नीति-2025 वैश्विक कंपनियों को राज्य में जीसीसी स्थापित करने और विस्तार देने के लिए व्यापक प्रोत्साहन उपलब्ध कराती है। नीति के तहत परियोजना लागत का 40 प्रतिशत तक पूंजीगत अनुदान, रोजगार सृजन आधारित प्रोत्साहन, किराया सहायता, अनुसंधान एवं विकास प्रोत्साहन जैसी सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं।

मप्र राज्य वित्त आयोग ने राजस्व विभाग के अधिकारियों के साथ की समीक्षा

अध्यक्ष पवैया की अध्यक्षता में हुई उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक

पंचायती राज संस्थाएं व नगरीय निकायों को वित्तीय रूप से स्वाबलंबी बनाने पर चर्चा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राज्य वित्त आयोग ने शुक्रवार को मंत्रालय में राजस्व विभाग, की समीक्षा बैठक ली। प्रदेश में पंचायती राज संस्थाओं एवं नगरीय निकायों को वित्तीय रूप से स्वाबलंबी बनाने एवं स्वयं के आय के स्त्रोत सृजित करने में राजस्व विभाग की भूमिका के संबंध में राजस्व विभाग के साथ समीक्षा की।

अध्यक्ष जयभान सिंह पवैया की अध्यक्षता में हुई उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक में स्थानीय निकायों की वित्तीय स्थिति, राजस्व स्त्रोतों और बजटीय प्रबंधन को लेकर मंथन हुआ। आयोग के अध्यक्ष पवैया ने इस बात पर विशेष जोर दिया कि ग्राम पंचायतों और शहरी निकायों की दीर्घकालिक वित्तीय सुदृढ़ता के लिए एक ठोस रोडमैप तैयार किए जाने में उनकी भूमिका को बढ़ाने की संभावनाओं पर विचार किया जाय।

समीक्षा बैठक का आयोजन।

वित्तीय रूप से आत्मनिर्भर बनाना होगा

आयोग की ओर से यह स्पष्ट किया गया कि स्थानीय निकायों की केवल अनुदानों पर निर्भरता को कम कर उन्हें वित्तीय रूप से आत्मनिर्भर बनाना होगा। इसके लिए कर संग्रहण क्षमता को सुदृढ़ करने, वित्त आयोग के अनटाइड अनुदानों के प्रभावी एवं परिणामोन्मुख उपयोग और बेहतर वित्तीय प्रबंधन के लिए संबंधित विभाग से व्यावहारिक सुझाव प्राप्त किए गए हैं।

37 परिवीक्षाधीन उप-जिलाध्यक्षों से की मुलाकात

पुलिस महानिदेशक मकवाना बोले- ईमानदारी और जनसेवा ही अधिकारियों की सबसे बड़ी पहचान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) कैलाश मकवाना ने शुक्रवार को पुलिस मुख्यालय में राज्य प्रशासनिक सेवा के 37 परिवीक्षाधीन उप-जिलाध्यक्षों से सौजन्य भेंट की। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को निष्पक्षता, ईमानदारी, पारदर्शिता और जनसेवा को प्रशासनिक जीवन का मूल मंत्र बताते हुए कहा कि यही किसी अधिकारी की सबसे बड़ी पहचान और पूंजी होती है। उन्होंने प्रशासन और पुलिस के बीच बेहतर समन्वय को सुशासन की आधारशिला बताया।

ये सभी प्रशिक्षु अधिकारी आरसीवीपी नरोन्हा प्रशासन एवं प्रबंधकीय अकादमी, भोपाल में 30 मार्च से 17 जुलाई तक परिचयात्मक प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। मुलाकात के दौरान डीजीपी ने अधिकारियों से कहा कि वे अपने दायित्वों का निर्वहन संवेदनशीलता और जनकेंद्रित दृष्टिकोण के साथ करें, ताकि आमजन का शासन-प्रशासन पर विश्वास और मजबूत हो।

राज्य प्रशासनिक सेवा के परिवीक्षाधीन उप-जिलाध्यक्षों को संबोधित करते मप्र डीजीपी कैलाश मकवाना।

नवाचार अपनाने का किया आव्हान

डीजीपी मकवाणा ने कहा कि किसी अधिकारी की सकारात्मक छवि वर्षों की मेहनत, सत्यनिष्ठा और निष्पक्ष कार्यशैली से बनती है। इसलिए अधिकारियों को भ्रष्टाचार, पद के अहंकार और भौतिकवादी सोच से दूर रहकर हमेशा जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी चाहिए। उन्होंने अपने प्रशासनिक अनुभव साझा करते हुए कहा कि कई बार चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में टीमवर्क, सकारात्मक नेतृत्व और बेहतर समन्वय से असंभव दिखने वाले कार्य भी सफलतापूर्वक पूरे किए जा सकते हैं। उन्होंने अधिकारियों से परिवर्तन का नेतृत्व करने और नवाचार अपनाने का भी आह्वान किया।

अपराध रोकने में जनभागीदारी के माध्यम से मिले सकारात्मक परिणाम

बैठक में डीजीपी ने मध्यप्रदेश पुलिस की कार्यप्रणाली, कानून-व्यवस्था प्रबंधन, सामुदायिक पुलिसिंग, साइबर अपराधों की रोकथाम, महिला एवं बाल सुरक्षा तथा तकनीक आधारित पुलिसिंग की प्रमुख पहलों की जानकारी दी। उन्होंने हाल ही में संपन्न "सेफ क्लिक 2.0" साइबर जागरूकता अभियान की सफलता का उल्लेख करते हुए कहा कि जनभागीदारी के माध्यम से साइबर अपराधों की रोकथाम में सकारात्मक परिणाम मिले हैं। उन्होंने 15 जुलाई से शुरू होने वाले राज्यव्यापी "नशे से दूरी है जरूरी 2.0" अभियान की रूपरेखा भी साझा की। उन्होंने कहा कि इस अभियान का उद्देश्य विशेष रूप से युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना और इसे जनआंदोलन का स्वरूप देना है। इसके लिए प्रशासन, पुलिस, शिक्षण संस्थानों, सामाजिक संगठनों और आम नागरिकों की सक्रिय भागीदारी जरूरी होगी।

राष्ट्रीय रक्षा यूनिवर्सिटी के सहयोग से जेल विभाग की ऐतिहासिक पहल

विभिन्न जेलों के 30 अधिकारी एवं कर्मचारी ले रहे हैं सात दिवसीय प्रशिक्षण

बंदियों के मानसिक स्वास्थ्य प्रबंधन के लिए मप्र में विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम हुए प्रारंभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मप्र जेल विभाग ने बंदियों के समग्र स्वास्थ्य संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए मानसिक स्वास्थ्य प्रबंधन का विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रारंभ किया है।

महानिदेशक जेल डॉ. वरुण कपूर की देखरेख में राष्ट्रीय रक्षा यूनिवर्सिटी (आरआरयू), गांधीनगर, गुजरात के सहयोग से आयोजित यह सात दिवसीय प्रशिक्षण भोपाल स्थित क्षेत्रीय जेल प्रबंधन एवं शोध संस्थान में संचालित किया जा रहा है। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य जेलों में निरुद्ध बंदियों के मानसिक स्वास्थ्य की पहचान, संरक्षण, परामर्श एवं प्राथमिक उपचार की व्यवस्था को अधिक प्रभावी और व्यवस्थित बनाना है। डॉ. कपूर ने कहा कि बंदियों के स्वास्थ्य की सुरक्षा जेल विभाग की सर्वोच्च जिम्मेदारी है। अब तक विभाग की ओर से शारीरिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में अनेक प्रभावी प्रयास किए जाते रहे हैं, वहीं मानसिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी अब वैज्ञानिक एवं संस्थागत व्यवस्था विकसित की जा रही है।

मानसिक स्वास्थ्य प्रबंधन के क्षेत्र में पहल

डॉ. कपूर ने कहा कि मानसिक स्वास्थ्य प्रबंधन के क्षेत्र में यह पहल जेल प्रशासन के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर सिद्ध होगी। विभाग आगामी चरणों में विभिन्न जेलों में साइको सोशल काउंसिलिंग सेंटर स्थापित करने, राष्ट्रीय रक्षा यूनिवर्सिटी के सहयोग से मास्टर ट्रेनर कार्यक्रम संचालित कर रहा है। इसमें डीआईजी मंशाराम पटेल, केंद्रीय जेल अधीक्षक मानेन्द्र सिंह परिहार, प्रशासकीय अधिकारी दिनेश कुमार इमले तथा राष्ट्रीय रक्षा यूनिवर्सिटी के विशेषज्ञ प्रशिक्षक गीतेश सिंह एवं राकेश सिंह उपस्थित रहे।

हरिभूमि

भोपाल भूमि फ्रंट पेज

भोपाल, शनिवार 11 जुलाई 2026

7 औबेदुल्लागंज वन विभाग ने 7 हेक्टेयर वन भूमि कराई...

8 अवधपुरी, वेदवती कॉलोनी, ग्राम टांडा में ...

मास्टर प्लान के अहम मुद्दे पर हंगामे की भेंट चढ़ी दिशा की बैठक

स्मार्ट सिटी परियोजना में कई विभागों के बीच समन्वय का अभाव: आलोक

मसूद और अकील बैठक छोड़कर निकले, सांसद ने खत्म की बैठक

मास्टर प्लान सहित अन्य विकास के मुद्दों पर चर्चा ही नहीं हो पाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

शुक्रवार को दिशा की बैठक में मास्टर प्लान लागू नहीं होने के मुद्दे पर जमकर हंगामा हुआ। कांग्रेस विधायक आरिफ मसूद और विधायक आतिफ अकील की फंदा जनपद अध्यक्ष प्रमोद राजपूत से तीखी बहस हो गई।

तीखी बहस के बीच मसूद और आतिफ बैठक छोड़कर चले गए। जिसके बाद सांसद आलोक शर्मा ने थोड़ी देर बाद जिला विकास एवं समन्वय समिति की बैठक खत्म कर दी। जिसकी वजह से मास्टर प्लान सहित अन्य विकास के मुद्दों पर बैठक में चर्चा ही नहीं हो पाई।

भाजपा विधायक सबनानी बोले, स्मार्ट सिटी ने कर दिया शहर का नाश

बैठक को छोड़कर जाते हुए विधायक मसूद और अकील।

बैठक में स्मार्ट सिटी परियोजना को लेकर भाजपा विधायक भगवानदास सबनानी ने अफसरों को घेरते हुए कहा कि स्मार्ट सिटी ने शहर का नाश कर दिया। बड़ी-बड़ी इमारतें बना दीं, लेकिन उनमें मूलभूत सुविधाएं नहीं हैं। लिफ्ट में लोग फंस चुके हैं, कम्युनिटी हॉल तक नहीं बनाया गया और दशहरा मैदान का भी सत्यानाश कर दिया गया। उन्होंने सुझाव दिया कि स्मार्ट सिटी के बड़े व्यावसायिक प्लॉट छोटे किए जाएं, क्योंकि बड़े प्लॉट नहीं बिक रहे हैं। इससे खरीदार बढ़ेंगे और स्मार्ट सिटी की आय भी बढ़ेगी। सबनानी की बात का समर्थन करते हुए मसूद ने कहा कि अधिकारियों को इनका जल्द समाधान करना चाहिए।

कलेक्टर ने कहा- अलग से करेंगे समाधान

सबनानी की बात पर स्मार्ट सिटी बोर्ड के चेयरमैन और कलेक्टर प्रियंक मिश्रा ने कहा कि सभी समस्याओं की अलग से समीक्षा कर समाधान कराया जाएगा। वहीं महापौर मालती राय ने कहा कि स्मार्ट सिटी की स्ट्रीट लाइटों की समस्या समय पर दूर नहीं हो पाती, जिससे लोगों को परेशानी होती है। इधर सांसद ने भी जनप्रतिनिधियों की बात का समर्थन करते हुए कहा कि स्मार्ट सिटी परियोजना में कई विभागों के बीच समन्वय का अभाव है। इससे टकराव की स्थिति बन रही है। उन्होंने पूरे प्रोजेक्ट के लिए एक नोडल एजेंसी बनाने का सुझाव दिया।

सांसद शर्मा ने भी कही मास्टर प्लान लागू करने की बात

सांसद ने भोपाल के विकास के लिए मास्टर प्लान को जल्द लागू करने की बात कही। उन्होंने बताया कि वह इस मुद्दे पर जल्द मुख्यमंत्री से मुलाकात कर मास्टर प्लान लागू कराने की मांग करेंगे। बैठक में भोजपाल वेटलैंड प्राधिकरण बनाने का प्रस्ताव भी पास किया गया।

प्लॉट नीलामी में खरीदार नहीं आने के बाद एसडीएम का एक्शन

रेरा की 89 लाख रुपए रिकवरी पर एक्शन राशि नहीं देने पर बिल्डर को भेजा जेल

नोटिस के बाद भी बिल्डर ने यह राशि जमा नहीं कराई

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राजधानी में आम लोगों को प्लॉट और मकान नहीं देने वाले बिल्डरों पर सख्ती शुरु कर दी गई है। जिसके तहत पहली बार कोलार एसडीएम पीसी पांडे ने सर्वेश बिल्डर्स के संचालक विवेक मिश्रा को करीब 89 लाख रुपए की वसूली के मामले में पंद्रह दिन के लिए जेल भेजा है।

रियल एस्टेट रेगुलेटरी अथॉरिटी (रेरा) में प्लॉट और मकान के खरीदार राकेश सोनी, आशीष ठाकुर और गौरव खरे ने केस दर्ज कराया था, जिस पर रेरा ने आदेश देते हुए सर्वेश बिल्डर्स एंड डेवलपर्स के विवेक मिश्रा से 88 लाख 97 हजार 668 रुपए की वसूली के आदेश जारी किए गए। जिस पर कोलार तहसीलदार यशवर्धन सिंह ने सुनवाई के दौरान बिल्डर का एक प्लॉट कुर्क किया, लेकिन कोई खरीदार नहीं आए, जिसके बाद शुक्रवार को एसडीएम ने मिश्रा को पंद्रह दिन के लिए जेल भेज दिया है।

नीलामी में नहीं आए बिल्डर के प्लॉट के खरीदार

तहसीलदार ने आरआरसी के तहत वसूली शुरू की। जिसके बाद बिल्डर के प्लॉट को कुर्क कर अक्टूबर 2025 में नीलाम किया गया, लेकिन नीलामी में कोई भी खरीदार नहीं आया। जिसके बाद मामला कोलार एसडीएम पीसी पांडे को ट्रांसफर किया गया। नोटिस के बाद भी बिल्डर ने यह राशि जमा नहीं कराई। जिसके बाद पुलिस ने उसे एसडीएम कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे भेज भेजा गया है।

तीसरी बार में वारंट तामील

एसडीएम ने वसूली को लेकर कोर्ट से बिल्डर के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया था, लेकिन दो बार वारंट तामील नहीं किया गया। पुलिस ने बताया कि वह घर पर उपलब्ध नहीं था। जिसके बाद तीसरी बार वारंट तामील कर उसे पेश किया गया।

बिट्टन मार्केट के वॉल्व में लीकेज, दो घंटे सड़क पर बहा पानी

भोपाल। शहर के बिट्टन मार्केट के पास शुक्रवार को सुबह करीब 10 बजे पानी के वॉल्व में अचानक लीकेज हो गया और बड़ी मात्रा में पानी का बहाव शुरू हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि एक घंटे से ज्यादा समय तक पानी बहने से रोड पर पानी भर गया। सूचना मिलने पर मौके पर निगम अमला पहुंचा और पानी की सप्लाई बंद करवाई गई। उसके बाद फाल्ट सुधारने का काम शुरू हुआ। बताया जा रहा है कि वॉल्व में तकनीकी खराबी के कारण पानी के प्रेशर से लीकेज हुआ, जिसे देर शाम तक सुधार लिया गया था। अधिकारियों के अनुसार इससे किसी तरह का जल प्रदाय बाधित नहीं हुआ।

यातायात पुलिस व परिवहन विभाग नहीं कर रहा कार्रवाई

मासूमों की जान से खिलवाड़: स्कूल वैन, बसों की नहीं हो रही जांच, बच्चों को ठूंसकर भर रहे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

शहर समेत मप्र में आए दिन स्कूल वाहनों को लेकर हादसों की खबरें आ रही है। इसके बाद भी यातायात पुलिस व परिवहन विभाग कोई कार्रवाई नहीं कर रहा है। ऐसे में मासूमों की जान खतरे में है। एक दिन पहले राजधानी के कोहेफिजा थाना क्षेत्र में स्कूली छात्राओं से भरी एक वैन डिवाइडर पर लगे बिजली के पोल से टकरा गई। हादसे में छात्राओं को हल्की चोट आई। इसके पहले डबरा में स्कूल वैन का अगला पहिया चलते वाहन के दौरान निकल गया था। जिसमें भी कुछ छात्रों को चोट आई थी।

भोपाल में स्कूल बस व वैन की जांच नहीं हो रही है। परिवहन और ट्रैफिक पुलिस का अमला स्कूल बसों, वैनों को लेकर कुछ दिन चेकिंग अभियान चलाकर बंद कर देता है। यही कारण है कि एक-एक स्कूल वैन में 14 से 20 तक बच्चों को बेखौफ भरकर ले जाया जा रहा है। इसके साथ रोक के बावजूद एलपीजी गैस से संचालित वैन भी स्कूलों के बच्चों को लाने-ले जाने का काम कर रही हैं। शहर में अभी धड़ल्ले से पांच हजार से ज्यादा स्कूल वैन दौड़ रही हैं। इनमें से 60 फीसदी वैन के पास परमिट तक नहीं है, यह कॉमर्शियल वाहन के तौर पर स्कूलों में चल रही हैं। यहीं हाल स्कूल बसों का जिसमें सुरक्षा के मापदंडों की अनदेखी की जा रही है। यही नहीं, बसों में न तो सीसीटीवी कैमरे लगे हैं और न ही छोटे-छोटे बच्चों को उतारने और चढ़ाने के लिए कर्मचारियों की नियुक्ति की गई है। इससे हादसे का अंदेशा बना रहता है। बताया जाता है कि स्कूल प्रबंधन सिर्फ कुछ रुपए बचाने के चक्कर में बच्चों की जिंदगी से खिलवाड़ कर रहे हैं। पैसा बचाने के लिए बसों में सिर्फ एक चालक से काम चला रहे हैं। यहां तक की सीएम डॉ. मोहन यादव ने भी साफ निर्देश दिए हैं कि बच्चों की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं किया जाएगा।

फाइल फोटो

सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइन का पालन नहीं

शहर में 75 प्रतिशत स्कूल बस व वैनों में सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइन का पालन नहीं हो रहा है। भोपाल में अधिकांश स्कूल बस व वैन प्राइवेट ही चल रही हैं। उन्हें आरटीओ में स्कूल वैन के तौर पर रजिस्टर्ड नहीं कराया गया है, क्योंकि रजिस्ट्रेशन तभी हो सकता है, जब वे मापदंड पूरे करें। यह वैन मापदंडों के अनुरूप नहीं होने के कारण रजिस्ट्रेशन भी नहीं कराया जाता है।

खामी मिली तो एक्शन तय: शर्मा

परिवहन अधिकारी जितेंद्र शर्मा का कहना है कि बच्चों को स्कूल ले जाने वाले वाहनों के लिए फिटनेस, बीमा और वैध परमिट अनिवार्य हैं। इसका उल्लंघन करना सीधे तौर पर बच्चों की जान जोखिम में डालने जैसा है, जिसे किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। स्कूल वाहनों को लेकर लगातार कार्रवाई की जा रही है। आने वाले दिनों में चेकिंग अभियान चलाया जाएगा।

स्कूली वाहन के लिए यह है गाइडलाइन

- स्कूली वाहन का रंग पीला होना चाहिए।
- वैन में ड्राइवर सहित 8 से ज्यादा बच्चे नहीं बैठेंगे।
- स्कूल वैन एलपीजी से चलने वाली नहीं होगी।
- सभी वैन में फर्स्ट एड बॉक्स व अग्निशामक यंत्र लगे हों।
- स्कूल का नाम व फोन नंबर लिखा होना चाहिए।

आरटीआई: तीसरे चरण में 7 हजार बच्चों को मिला स्कूल

भोपाल। शिक्षा का अधिकार अधिनियम के अंतर्गत तीसरे चरण की लॉटरी प्रक्रिया शुक्रवार को संपन्न हो गई। इसमें 7 हजार 630 बच्चों को उनकी पसंद के निजी स्कूलों में निःशुल्क प्रवेश मिला। इस लॉटरी प्रक्रिया में उन बच्चों को शामिल किया गया था, जिन्हें पूर्व में आयोजित प्रथम एवं द्वितीय चरणों की लॉटरी में उनकी पसंद के स्कूल आवंटित नही हो सके थे। ऐसे बच्चों को वरीयता पर आवेदन करने का एक और अवसर प्रदान किया गया था। तीसरे चरण की लॉटरी में बच्चों को उनकी चुनी गई वरीयता के आधार पर निजी स्कूलों में आवंटन ऑनलाइन लॉटरी की स्वचालित कंप्यूटर प्रक्रिया द्वारा किया गया। इनमें से नर्सरी कक्षा में 4695, केजी 1 में 2042 और कक्षा 1 में 893 बच्चों को प्रवेश प्राप्त हुआ।

सुबह साढ़े पांच बजे तीन थानों के पुलिस बल की मौजूदगी में हुई कार्रवाई

निगम की दुकानों की छत पर बन रहे पार्षद के अवैध दफ्तर को बीएमसी के अमले ने तोड़ा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

शहर के आनंद नगर में सरकारी दुकानों के ऊपर निर्माणाधीन निजी कार्यालय को शुक्रवार को निगम के अमले ने ढहा दिया। यह कार्रवाई तड़के सुबह साढ़े पांच बजे शुरू कर दी गई थी। इस दौरान तीन थानों का पुलिस बल मौजूद रहा। वार्ड-62 के पार्षद राजेश चौकसे द्वारा दुकानों के ऊपर अपने कार्यालय का निर्माण करवा रहे थे। उनका कहना है कि उन्होंने उक्त निर्माण के लिए पूर्व निगम आयुक्त से मौखिक रूप से स्वीकृति ले ली थी। उसके बाद ही निर्माण शुरू किया था। इस काम पर उनके करीब डेढ़ लाख रुपए खर्च भी हुए। चार दिन पहले भवन अनुज्ञा शाखा से नोटिस भी जारी किया गया था।

शुक्रवार को नगर निगम की बिल्डिंग परमिशन शाखा ने पुलिस की मौजूदगी में निर्माणाधीन कार्यालय को तोड़ने की कार्रवाई की। आनंद नगर चौराहे पर सड़क किनारे नगर निगम की दुकानें बनी हुई हैं। उसके ऊपर ही यह निजी दफ्तर बनाया जा रहा था।

चार दिन पहले भवन अनुज्ञा शाखा से नोटिस भी जारी किया था

वार्ड-62 पार्षद चौकसे ने कहा- निर्माण के लिए पूर्व निगमायुक्त आयुक्त से मौखिक रूप से स्वीकृति ले ली थी

निगम दुकानों के ऊपर बन रहे निजी कार्यालय को तोड़ता निगम अमला।

सूचना के बाद मौके पर पार्षद पहुंचे, कई जगह कॉल किए

कार्यालय तोड़े जाने की सूचना मिलने पर पार्षद राजेश चौकसे मौके पर पहुंचे और मौखिक रूप से मंजूरी लिए जाने की बात कही। उन्होंने महापौर, निगम आयुक्त सहित कई नेताओं को भी कॉल किए।

450 वर्गफीट क्षेत्र में निर्माण तोड़ा

निगम अमले ने करीब 450 वर्गफीट क्षेत्र में किए जा रहे अवैध अतिक्रमण को तोड़ा। निगम ने स्पष्ट किया कि शासकीय संपत्तियों पर किसी भी प्रकार का अवैध निर्माण या अतिक्रमण किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं है। ऐसे मामलों में नियमानुसार कठोर कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी।

सुबह 10:24 से शाम 5:30 बजे तक जलशोधन संयंत्र की बिजली बंद रही

बिना सूचना के सात घंटे बिजली बंद, कोलार फिल्टर ठप, कई इलाकों में नहीं पहुंचा पानी

नए, पुराने शहर के लोग हुए परेशान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मध्यप्रदेश मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड द्वारा कोलार जलशोधन संयंत्र की बिजली बिना पूर्व सूचना के बंद किए जाने से शुक्रवार को शाम राजधानी के कई क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति प्रभावित रही।

नगर निगम के अनुसार सुबह 10:24 बजे से शाम 5:30 बजे तक संयंत्र की बिजली आपूर्ति बंद रहने के कारण कोलार परियोजना से होने वाला शाम का जलप्रदाय नहीं हो सका। इसका असर बरखेड़ी कला, डीआरपी लाइन, नया सबरी नगर, नया बसेरा, एजी कॉलोनी, शिवाजी नगर, तुलसी नगर, ई-6 एवं ई-7 अरेरा कॉलोनी, पारस सिटी, दानापानी, आरिफ नगर, निशातपुरा, न्यू आरिफ नगर, हमीदिया रोड, छावनी, पटेल नगर, इब्राहिमगंज, इब्राहिमपुरा, मंगलवारा, इतवारा, बुधवारा, शास्त्री नगर, न्यू एवं ओल्ड एमएलए क्वार्टर सहित पुराने शहर और नए भोपाल के कई इलाकों में पड़ा। इन क्षेत्रों के हजारों परिवारों को को निर्धारित समय पर पानी नहीं मिल सका।

निगम ने जताया खेद

नगर निगम प्रशासन ने कहा कि जलशोधन संयंत्र पर बिजली आपूर्ति बाधित होने के कारण ही जल वितरण प्रभावित हुआ। निगम ने खेद व्यक्त करते हुए कहा कि बिजली आपूर्ति सामान्य होने के बाद जलप्रदाय व्यवस्था को जल्द सामान्य करने के प्रयास किए गए।

शासकीय आईटीआई में महिलाओं को प्रशिक्षण शुल्क में 25% की छूट

भोपाल। कौशल विकास एवं रोजगार विभाग द्वारा प्रदेश की बेटियों को कौशल विकास से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है। मध्यप्रदेश शासन ने शैक्षणिक सत्र 2026 से प्रदेश के सभी शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) में प्रवेश लेने वाली महिला प्रशिक्षणार्थियों के प्रशिक्षण शुल्क में 25 प्रतिशत की छूट देने का निर्णय लिया है। मध्यप्रदेश राज्य कौशल विकास एवं रोजगार बोर्ड द्वारा जारी आदेश के अनुसार यह व्यवस्था प्रदेश के सभी शासकीय आईटीआई में लागू होगी। नई व्यवस्था के अनुसार महिला प्रशिक्षणार्थियों को प्रथम वर्ष के प्रवेश शुल्क में सीधे 1,335 रुपए की बचत होगी। अब प्रथम वर्ष का कुल शुल्क 4,755 रुपए होगा, जबकि पहले यह 6,090 रुपए था। यह रियायत शैक्षणिक सत्र 2026 से प्रवेश लेने वाली सभी महिला प्रशिक्षार्थियों को प्रदेश के समस्त शासकीय आईटीआई में उपलब्ध होगी। राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कौशल विकास एवं रोजगार गौतम टेटवाल ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार बेटियों को गुणवत्तापूर्ण कौशल प्रशिक्षण उपलब्ध कराने और उन्हें रोजगार एवं स्वरोजगार के लिए सक्षम बनाने के उद्देश्य से लगातार कार्य कर रही है।

लोक शिक्षण आयुक्त ने दिए थे अटैवमेंट खत्म कर मूल संस्था में भेजने के निर्देश

8 जुलाई को आदेश जारी कर कर दी खानापूर्ति

डीपीआई के सख्त निर्देश: 43 कर्मचारी की सूची तैयार, लेकिन डीईओ नहीं करा पा रहे आदेश का पालन, अधिकतर कर्मचारी मूल संस्था नहीं पहुंचे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

भोपाल जिले के जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में इन दिनों व्यवस्थाएं ठीक नहीं चल रही हैं। नए डीईओ अभिनव आर्य लोक शिक्षण संचालनालय के निर्देशों पर भी अमल नहीं करा पा रहे हैं। यह हालात जिले में अटैचमेंट पर कार्य कर रहे शिक्षकों, कर्मचारियों को लेकर बने हुए हैं। जहां आदेश होने के बाद भी अब तक इस पर अमल नहीं कराया जा सका है।

दरअसल, बीते 5 जुलाई को लोक शिक्षण संचालनालय आयुक्त अभिषेक सिंह द्वारा सभी जिले के जिला शिक्षा अधिकारी और संभागीय संयुक्त संचालकों के साथ वीसी के माध्यम से बैठक की गई थी। बैठक में अटैचमेंट के मामले को गंभीरता से लेते हुए आयुक्त द्वारा तत्काल प्रभाव से सभी कर्मचारियों को मूल संस्था में भेजने के निर्देश दिए गए थे। सख्त हिदायत दी गई थी कि विभाग का कोई भी कर्मचारी मूल संस्था छोड़कर अन्य कार्यालयों में कार्य नहीं करेगा। लेकिन भोपाल जिले में आदेश जारी करते हुए खानपूर्ति कर दी गई। आदेश पर अब तक अमल नहीं कराया जा सका है। करीब 43 शिक्षकों-कर्मचारियों की सूची तैयार की गई, लेकिन इसमें से अधिकतर मूल संस्था में न जाकर वहीं कार्य कर रहे हैं।

सख्त हिदायत विभाग का कोई भी कर्मचारी मूल संस्था छोड़ अन्य कार्यालयों में कार्य नहीं करेगा

डीईओ ऑफिस में ही आधा दर्जन कर्मचारी अटैचमेंट व्यवस्था में कार्य कर रहे

लोक शिक्षण आयुक्त के निर्देश के बाद 8 जुलाई को आदेश तो हुए, अमल नहीं

लोक शिक्षण आयुक्त के निर्देश के बाद भोपाल जिले में 43 कर्मचारियों की सूची के साथ आदेश तो जारी किए गए, लेकिन इस आदेश पर गंभीरता से अमल नहीं कराया जा सका है। स्थिति यह है कि जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में ही करीब आधा दर्जन कर्मचारी अटैचमेंट व्यवस्था में ही कार्य कर रहे हैं। इसमें शासकीय राज भोज उमा विद्यालय, प्राथमिक शाला बांसखेड़ी, सांदीपनी स्कूल निशातपुरा के शिक्षक भी शामिल हैं, जो अभी तक मूल संस्था में नहीं लौटे हैं। सूत्रों की माने तो सूची में शामिल अधिकतर कर्मचारी पूर्व की तरह कार्य कर रहे हैं। कुछ मामलों में यह स्थिति भी है कि सुबह-शाम मूल संस्था में उपस्थिति दर्ज कर काम चलाया जा रहा है।

कार्यालय में नहीं मिलते डीईओ, फोन उठता नहीं

नए जिला शिक्षा अधिकारी के आने के बाद जिले की शैक्षणिक व्यवस्था में नवाचार, बेहतर बदलाव की उम्मीद की जा रही थी। हालांकि कुछ कर्मचारियों ने नाम न छापने की शर्त पर कहा कि पुराने जिला शिक्षा अधिकारी आसानी से शिक्षकों-कर्मचारियों को उपलब्ध हो जाते थे, फोन भी उठाते थे, लेकिन नए जिला शिक्षा अधिकारी से मिलने के लिए कार्यालय में लंबा इंतजार करना पड़ता है। कई बार कार्यालय में पहुंचने वाले लोग इंतजार करते-करते शाम को वापस लौट जाते हैं, लेकिन जिला शिक्षा अधिकारी से मुलाकात नहीं हो पाती है। कार्यालय में न तो मिलने का समय तय किया गया है, न ही कोई संतुष्टिजनक जवाब मिलता है। पूछने पर हर व्यक्ति को एक ही जवाब बताया जाता है कि साहब अभी बैठक में गए हैं, यही जवाब देर शाम तक चलता है। मामले में जब जिला शिक्षा अधिकारी अभिवन आर्य से संपर्क किया तो वह कार्यालय में नहीं मिले। स्टाफ ने बताया कि बैठक में हैं। फोन उठाया नहीं। वहीं जब मामले को लेकर जब संयुक्त संचालक, लोक शिक्षण भोपाल संभाग धर्मेंद्र शर्मा को फोन लगाया तो उन्होने फोन ही नहीं उठाया।

पेज एक का शेष

अतिथि विद्वानों ...

कदम उठाएगी। यह बात मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने राजधानी स्थित रविंद्र भवन में शुक्रवार को प्रदेश स्तरीय अतिथि विद्वान सम्मेलन को संबोधित करते हुए कही।

दतिया में तूफान...

माफी मांग रहे थे। नरोत्तम को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का नजदीक माना जाता है लेकिन यह उनके काम नहीं आया। पिछले चुनाव में पराजय उनकी राह का कांटा बन गई। उन्होंने बुधवार को नामांकन फॉर्म भी खरीद लिया था। इसके शुक्रवार को दाखिल करने की चर्चा थी। अब तक 13 लोगों ने नामांकन फॉर्म खरीदा है। इनमें से 4 ने जमा कर दिया है। नरोत्तम का टिकट कटते ही दतिया में उनके समर्थकों ने हंगामा खड़ा कर दिया। सारा बाजार बंद करा दिया। नेशनल हाईवे को जाम कर दिया। भाजपा जिलाध्यक्ष, मंडल अध्यक्ष व सभी 36 पार्षदों ने इस्तीफा दे दिया है। वे आशुतोष तिवारी वापस जाओ का नारा लगा रहे थे। नरोत्तम की प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। किसी भी अनहोनी को टालने के लिए छह पुलिस थानों की पुलिस को तैनात किया गया है। पड़ोसी जिलों से भी अतिरिक्त बल बुलवा लिया गया है।

महिलाएं सड़क ...

और सभी पार्षदों ने सामूहिक रूप से अपने पदों से इस्तीफा दे दिया है। स्थानीय व्यापारी आक्रोशित हो गए। दतिया-झांसी और ग्वालियर-झांसी हाईवे पर कार्यकर्ताओं ने चक्काजाम कर दिया। प्रदर्शन के दौरान कई महिला कार्यकर्ता सड़क पर ही लेट गईं और भाजपा नेतृत्व के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। इस उग्र प्रदर्शन के कारण हाईवे पर करीब 8 किलोमीटर तक वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और राहगीरों को भारी परेशानी झेलनी पड़ी। सुरक्षा व्यवस्था संभालने के लिए मौके पर छह थानों का पुलिस बल तैनात किया गया है। प्रशासन ने शहर में मुनादी कराकर दुकानें खोलने और शांति बनाए रखने की अपील की है।

आशुतोष ने पिछली बार सेवढ़ा से मांगा था टिकट: दतिया से घोषित प्रत्याशी आशुतोष संघ से हैं और ग्वालियर सहित प्रदेश के दूसरे संभागों में भी संगठन मंत्री रहे हैं। पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने उन्हें मप्र हाउसिंग बोर्ड का अध्यक्ष बना कर कैबिनेट मंत्री का दर्जा दिया था। आशुतोष ने वर्ष 2023 के विधानसभा चुनाव के दौरान सेवढ़ा सीट से टिकट मांगा था, लेकिन भाजपा ने प्रदीप अग्रवाल को प्रत्याशी बनाया था।

कांग्रेस से ...

शोभा भारती के अलावा पूर्व विधायक घनश्याम सिंह शामिल हैं। राजेंद्र भारती कह चुके हैं कि पार्टी चाहे तो उनके परिवार के बजाए किसी अन्य नेता को उम्मीदवार बनाया जा सकता है। कांग्रेस जिस भी उम्मीदवार को मैदान में उतारेगी, वे उसके समर्थन में पूरी ताकत से चुनाव प्रचार करेंगे। उधर, दिल्ली हाईकोर्ट ने दतिया विधानसभा उपचुनाव से पहले शुक्रवार को बैंक एफडी घोटाला मामले में राजेंद्र भारती की याचिका खारिज कर दी। इससे उनकी 3 साल की सजा बरकरार रहेगी। भारती ने दिल्ली हाईकोर्ट में सजा और दतिया विधानसभा उपचुनाव की प्रक्रिया पर रोक लगाने की मांग की थी। याचिका में उन्होंने कहा था कि अगर दोषसिद्धि पर रोक नहीं लगी, तो उनका चुनाव लड़ने का अधिकार प्रभावित होगा।

जजों के सामने ...

सेवक, मैं आपको आदेश देता हूं कि आप लखनऊ के एएसपी के खिलाफ साइबर अपराध का सिंडिकेट चलाने के लिए एफआईआर दर्ज करने का आदेश दें। इस पर जब जस्टिस विश्वनाथन ने हैरानी जताई, तो आरोपी ने मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) को अपशब्द कहे और कागज बिखेर दिए। सुरक्षाकर्मियों ने तुरंत उसे हिरासत में ले लिया।

याचिकाकर्ता ने इलाहाबाद हाई कोर्ट के उस फैसले को चुनौती दी थी, जिसने लखनऊ मजिस्ट्रेट के आदेश को सही ठहराते हुए उसकी एफआईआर दर्ज करने की मांग वाली याचिका खारिज कर दी थी। मजिस्ट्रेट ने उसकी अर्जी को एफआईआर के बजाय 'निजी शिकायत' मानने का निर्देश दिया था।

दंडात्मक कार्रवाई नहीं की: अदालत का फैसला इस गंभीर व्यवधान के बावजूद, बेंच ने याचिकाकर्ता के खिलाफ कोई दंडात्मक या अवमानना की कार्रवाई नहीं की। मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए जस्टिस विश्वनाथन ने कहा कि वह बहुत परेशान है। यह सब निराशा की वजह से है। हमारे मन में उसके लिए सिर्फ सहानुभूति है। अदालत ने मामले के गुण-दोष को देखते हुए हाई कोर्ट के आदेश में दखल से इनकार किया और उसकी स्पेशल लीव पिटिशन को खारिज कर दिया।

मुस्लिमों को दी ...

हुलिया बदल लेना चाहिए। अपने अन्य पोस्ट्स में पूर्व आईएएस ने लोकतंत्र के मौजूदा स्वरूप पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि कई आजाद देशों ने लोकतंत्र तो अपनाया, लेकिन उसके मूल सिद्धांतों को छोड़ दिया। आज लोकतंत्र के नाम पर नेता और अफसर जमकर पैसा लूट रहे हैं, जबकि आम जनता को मुफ्त की सुविधाओं में उलझाकर रख दिया गया है। उन्होंने राजनीति में सुधार की वकालत करते हुए कहा कि आर्थिक रूप से सक्षम और ईमानदार लोगों को आगे आना चाहिए, क्योंकि अपराधियों के सत्ता में आने से लोकतंत्र कमजोर हो रहा है। इसके अलावा उन्होंने पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने के लिए बढ़ते भौतिकवाद को भी जिम्मेदार ठहराया।

वापस आया लो प्रेशर ...

जा रहा है। मौसम वैज्ञानिक एसएन साहू का कहना है कि 14 जुलाई तक बारिश की उम्मीद नहीं है। पश्चिमी प्रदेश के जिलों में मौसम शुष्क रहेगा। वहीं उत्तर प्रदेश की ओर खिसकी मानसूनी द्रोणिका की वजह से पूर्वी जिलों में कहीं-कहीं बारिश हो सकती है। एक हफ्ते बाद नया सिस्टम बनने के बाद ही पूरे प्रदेश में फिर से अच्छी बारिश होने की संभावना है। इधर बारिश रुकने की वजह से प्रदेशभर के जिलों में शुक्रवार को दिन के तापमान में एक डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। मौसम विभाग ने अगले तीन दिनों में तापमान 2 से 3 डिग्री तक बढ़ने की संभावना जताई है। जिससे लोगों को गर्मी और उमस का सामना करना पड़ सकता है। शुक्रवार को भोपाल का अधिकतम तापमान 31.0 डिग्री, इंदौर 31.4, जबलपुर 32.0 और ग्वालियर 35.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

भैंस चोरी के शक ...

थी। आसमान सिंह और उसके परिवार को शक था कि सरईडर गांव के निवासी विनोद को इस चोरी की जानकारी थी। आरोप था कि चोरों ने भैंस को खूंटे से खोलने के लिए विनोद को 400 रुपए दिए थे। इसी शक में 7 जुलाई को आसमान सिंह और उसके दो भतीजों ने विनोद को बेरहमी से पीटा, जिससे उसके सिर और कनपटी पर गंभीर अंदरूनी चोटें आईं। दबंगों के खौफ से डरे परिजन शुरुआत में न तो पुलिस के पास गए और न ही अस्पताल। लेकिन 8 जुलाई की रात जब विनोद की तबीयत ज्यादा बिगड़ी, तो उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां 9 जुलाई को उसकी मौत हो गई। इसके बाद परिजनों ने सासन पुलिस चौकी में शिकायत दर्ज कराई। सासन चौकी प्रभारी संदीप नामदेव ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है और पुलिस की टीमें उनकी गिरफ्तारी के लिए दबिश दे रही हैं।

बिस्तर पर सो रहे एक ...

सो रहे थे। तभी भानु प्रताप को पैर में किसी जीव के काटने का अहसास हुआ। उठकर देखने पर बिस्तर पर करैत सांप रेंगता मिला। उन्होंने तुरंत परिजनों को जगाया, जिसके बाद भाई उन्हें गाड़ी से कोतमा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर रवाना हुए। अस्पताल ले जाते समय रास्ते में करीब साढ़े 3 बजे मासूम माधवी को उल्टी हुई और उसने दम तोड़ दिया। शुरुआत में परिजन केवल भानु प्रताप को ही सांप का शिकार समझ रहे थे, लेकिन बच्ची की मौत के बाद जब पत्नी रेखा की जांच की गई, तो उन्हें भी सांप के काटने की पुष्टि हुई। डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर हालत में दंपती को जिला अस्पताल रेफर किया, जहां उन्हें एंटी स्नेक वेनम लगाया गया है। फिलहाल पुलिस ने बच्ची के शव को मॉर्चुरी में रखवाया है।

27 लाख के भुगतान ...

में 8 जुलाई को लोकायुक्त एसपी आनंद कुमार यादव से शिकायत की थी। विजय के पिता गोवर्धन लाल इसी कार्यालय से रिटायर्ड हुए हैं। शिकायत की गोपनीय जांच सही पाए जाने पर लोकायुक्त इंस्पेक्टर दीपक सेजवार के नेतृत्व में ट्रैप की रणनीति बनाई गई। तय योजना के तहत जैसे ही शिकायतकर्ता ने रिश्वत की पहली किस्त के रूप में 50 हजार रुपए बाबू मनीष को दिए, पहले से मुस्तैद लोकायुक्त की 10 सदस्यीय टीम ने उसे दबोच लिया। आरोपी के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

दिशा बैठक में मास्टर ...

आरिफ मसूद मास्टर प्लान में हो रही देरी को लेकर सांसद से चर्चा कर रहे थे। इसी बीच जनपद अध्यक्ष प्रमोद सिंह राजपूत ने दखल दिया, जिससे नाराज होकर मसूद ने कहा, तुम बनाओगे क्या... तुम क्या हो? अब तुम हमें सिखाओगे? हम सांसद जी से बात कर रहे हैं। इस पर पलटवार करते हुए प्रमोद सिंह ने गुस्से में कहा कि तुम औकात में रहकर बात करो। तेज आवाज में बात करने से कुछ नहीं होगा।

सीईओ को ये मिलेंगी ...

3. **भीड़ नियंत्रण और सुरक्षा व्यवस्था:** भीड़ के प्रभावी प्रबंधन के लिए सीईओ जिला प्रशासन और पुलिस के साथ मिलकर काम करेंगे।
4. प्रशासनिक समन्वय: सीईओ ट्रस्ट बोर्ड, उसके अध्यक्ष, राज्य सरकार और स्थानीय प्रशासन के बीच एक मजबूत कड़ी के रूप में काम करेंगे ताकि सभी निर्णयों को जमीन पर तेजी से लागू किया जा सके।
5. निर्माण और रखरखाव: मंदिर परिसर में चल रहे शेष निर्माण कार्यों, भवनों के रख-रखाव और सीसीटीवी नेटवर्क की निगरानी का जिम्मा भी उन्हीं का होगा।

23 कर्मचारियों ...

है। दूसरी तरफ, अयोध्या में मंदिर का चढ़ावा गिनने वाले 23 बैंक कर्मचारियों ने एक साथ इस्तीफा दे दिया। कर्मचारियों का आरोप है कि चोरी की घटना के बाद से दान में छोटे नोटों (10-20 रुपए) की संख्या बढ़ गई है, जिससे गिनती में वक्त ज्यादा लग रहा है। पहले जहां 500 रुपए के नोटों की 70-80 गड्डियां बनती थीं, वहीं अब बमुश्किल 15 गड्डियां बन पा रही हैं। इसके अलावा, दो शिफ्ट के काम को अब सुबह 9 से शाम 6 बजे की सिंगल शिफ्ट में बदल दिया गया है, जिससे समान वेतन में काम के घंटे बढ़ गए हैं। इस इस्तीफे के बाद अब बैंक के पास केवल 13 गणना कर्मी ही बचे हैं।

सिलक्यारा टनल हादसे पर बनेगी फिल्म, कबीर होंगे निर्देशक

मुंबई। आमिर खान प्रोडक्शंस, माइंड ब्लोइंग फिल्म्स और कबीर खान फिल्म्स ने नई फिल्म 'सिलक्यारा 41' का ऐलान किया है। अपकमिंग फिल्म भारत के उत्तराखंड में मौजूद सिलक्यारा टनल में हुए अद्भुत बचाव अभियान पर आधारित होगी। इस अभियान में विक्टोरिया (ऑस्ट्रेलिया) के स्थानीय हीरो और दुनिया भर में मशहूर टनलिंग एक्सपर्ट अर्नोल्ड डिक्स ने शानदार काम किया था। इस फिल्म को अवॉर्ड जीतने वाले भारतीय फिल्ममेकर कबीर खान डायरेक्ट करेंगे। इसे मशहूर ऑस्ट्रेलियाई स्क्रीनराइटर एंड्र्यू एनास्टासियोस (द वॉटर डिवाइनर)

ने लिखा है। यह फिल्म भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच एक रोमांचक साझेदारी को दिखाएगी। फिल्म के बारे में बात मेकर्स ने बताया 'हमें माइंड ब्लोइंग फिल्म्स और आमिर खान प्रोडक्शंस के बीच इस अहम सहयोग की घोषणा करते हुए बहुत खुशी हो रही है। सिलक्यारा टनल बचाव अभियान की कहानी ने मुझे गहराई से प्रभावित किया है। यह नामुमकिन हालात में हिम्मत, मजबूती, सूझ-बूझ और इंसानियत की कहानी है। हमें इस ऐतिहासिक दिन पर इसकी घोषणा करते हुए गर्व हो रहा है। भारत और ऑस्ट्रेलिया अपने आपसी रिश्तों में एक नया अध्याय शुरू कर रहे हैं।' ऐसे समय में जब दोनों देशों के नेता और प्रतिनिधिमंडल रिश्तों को मजबूत करने और आपसी सहयोग के नए दौर की शुरुआत करने के लिए मिल रहे हैं। यह घोषणा ऑस्ट्रेलिया और भारत के रिश्तों में एक अहम मोड़ पर हो रही है। उत्तराखंड की सिलक्यारा सुरंग 2023 में तब सुर्खियों में आई, जब चट्टानों के टूटने और पानी के रिसाव की वजह से सुरंग ढह गई।

कार्यालय सम्पदा अधिकारी
मध्यप्रदेश गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल प्रक्षेत्र - 1, गोमंतिका परिसर, जवाहर चौक, भोपाल

आम सूचना

हाऊसिंग बोर्ड कॉलोनी, नेहरू नगर, भोपाल (म.प्र.) में स्थित फ्लेट क्रमांक जूनियर एम.आई.जी. / डी- 428 (प्रथम तल) मण्डल द्वारा श्रीमती प्रेमलता राजपूत पत्नी श्री देवेन्द्र सिंह राजपूत के नाम से आवंटित है। उक्त सम्पत्ति का विक्रय विलेख पंजीयन कार्यालय से दिनांक 29/11/2005 को एवं लीज नवीनीकरण दिनांक 17/03/2021 पंजीकृत किया गया है। श्रीमती प्रेमलता राजपूत पत्नी श्री देवेन्द्र सिंह राजपूत द्वारा उक्त सम्पत्ति श्री राजेश शिवहरे आत्मज श्री राम सहाय शिवहरे को विक्रय विलेख के माध्यम से विक्रय कर दिया है। जिसका विक्रय विलेख दिनांक 01/07/2026 को पंजीयन कार्यालय से पंजीकृत है। क्रेता / विक्रेता द्वारा आवेदन, शपथ पत्र, संयुक्त शपथ पत्र, विक्रय विलेख की छायाप्रति प्रस्तुत करते हुये उक्त सम्पत्ति श्री राजेश शिवहरे आत्मज श्री राम सहाय शिवहरे के पक्ष में हस्तांतरित करने हेतु दस्तावेज प्रस्तुत किया गया है। उक्त दस्तावेजो के आधार पर उक्त सम्पत्ति के हस्तांतरण की कार्यवाही की जा रही है। यदि उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में किसी व्यक्ति / उत्तराधिकारी / संस्था / वित्तीय संस्था को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन दिनांक से 15 दिवस के अन्दर लिखित रूप में मय सबूत के साथ इस कार्यालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत करें। समयावधि समाप्त होने के पश्चात् कोई आपत्ति स्वीकार नही की जावेगी एवं मण्डल नियमानुसार कार्यवाही करने हेतु स्वतंत्र रहेगा।

सम्पदा अधिकारी
म.प्र. गृह नि. एवं अधो. वि. म. प्रक्षेत्र-1. भोपाल

कार्यालय सम्पदा अधिकारी
मध्यप्रदेश गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल प्रक्षेत्र - 1, गोमंतिका परिसर, जवाहर चौक, भोपाल

आम सूचना

हाऊसिंग बोर्ड कॉलोनी, करोंद बैरसिया रोड, भोपाल में स्थित शेड क्रमांक 337/बी मण्डल द्वारा श्री एजाज खान आत्मज श्री शहबाज खान के नाम से आवंटित है। उक्त सम्पत्ति का विक्रय विलेख पंजीयन कार्यालय से दिनांक 10/05/1991 को एवं लीज नवीनीकरण दिनांक 17/02/2026 को पंजीकृत है। श्री एजाज खान आत्मज श्री शहबाज खान द्वारा उक्त सम्पत्ति श्रीमती शाजमा पत्नी श्री उवैस को विक्रय विलेख के माध्यम से विक्रय कर दिया है। जिसका विक्रय विलेख दिनांक 27/02/2026 को पंजीयन कार्यालय से पंजीकृत है। क्रेता / विक्रेता द्वारा आवेदन, शपथ पत्र, संयुक्त शपथ पत्र, विक्रय विलेख की छायाप्रति प्रस्तुत करते हुये उक्त सम्पत्ति श्रीमती शाजमा पत्नी श्री उवैस के पक्ष से हस्तांतरित करने हेतु दस्तावेज प्रस्तुत किया गया है। उक्त दस्तावेजो के आधार पर उक्त सम्पत्ति के हस्तांतरण की कार्यवाही की जा रही है। यदि उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में किसी व्यक्ति / उत्तराधिकारी / संस्था / वित्तीय संस्था को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन दिनांक से 15 दिवस के अन्दर लिखित रूप में मय सबूत के साथ इस कार्यालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत करें। समयावधि समाप्त होने के पश्चात् कोई आपत्ति स्वीकार नही की जावेगी एवं मण्डल नियमानुसार कार्यवाही करने हेतु स्वतंत्र रहेगा।

सम्पदा अधिकारी
म.प्र. गृह नि. एवं अधो. वि. म. प्रक्षेत्र-1. भोपाल

कार्यालय भोपाल विकास प्राधिकरण, भोपाल
प्रगति भवन प्रेस कॉम्पलेक्स जोन-1 महाराणा प्रताप नगर भोपाल
प्रॉपर्टी आई. डी. नं. 6400300170 आवेदन क्रमांक-12513, आवेदन दिनांक-24/06/2026

क्रमांक 2289 / राजस्व / भौविप्रा /26 भोपाल
दिनांक: 09/07/2026

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि प्राधिकरण की अमरावद खुर्द योजना में स्थित EWS-170, सेक्टर-2, श्री अशोक कुमार बडोलिया आत्मज श्री बाबूलाल बडोलिया के नाम पर आवंटित है। आवंटी का स्वर्गवास दिनांक: 08/10/2019 को हो जाने के कारण आवंटी के समस्त वारिसगणों में श्रीमती कमला बडोलिया, श्रीमती ज्योति बाला सैनी बडोलिया, श्री जितेन्द्र बडोलिया, श्री नरेन्द्र बडोलिया, श्री दीपक बडोलिया, श्री राहुल बडोलिया एवं श्री अनिल बडोलिया द्वारा आवेदन पत्र के साथ आवंटी का मृत्यु प्रमाण पत्र, शपथ पत्र, आधार कार्ड, फोटा तथा वांछित प्रपत्रों को प्रस्तुत कर उक्त EWS का नामांतरण अपने संयुक्त नाम पर चाहा गया है। उक्त नामांतरण के सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति / उत्तराधिकारी को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशित होने की दिनांक से 7 दिवस के अंदर लिखित एवं साक्ष्ये / दस्तावेजो के साथ अधोहताक्षरकर्ता के समक्ष उपस्थित होकर आपत्ति / दावा प्रस्तुत करे। उक्त समयावधि के पश्चात् कोई भी दावा / आपत्ति स्वीकार नहीं की जावेगी, एवं प्राधिकरण नियमानुसार कार्यवाही करने हेतु स्वतंत्र रहेगा।

राजस्व अधिकारी
भोपाल विकास प्राधिकरण, भोपाल

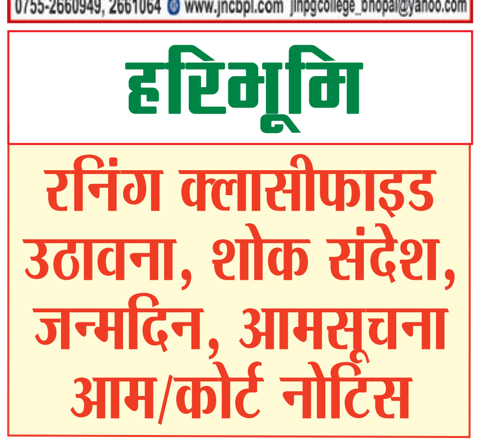

शब्द पहेली - 6283

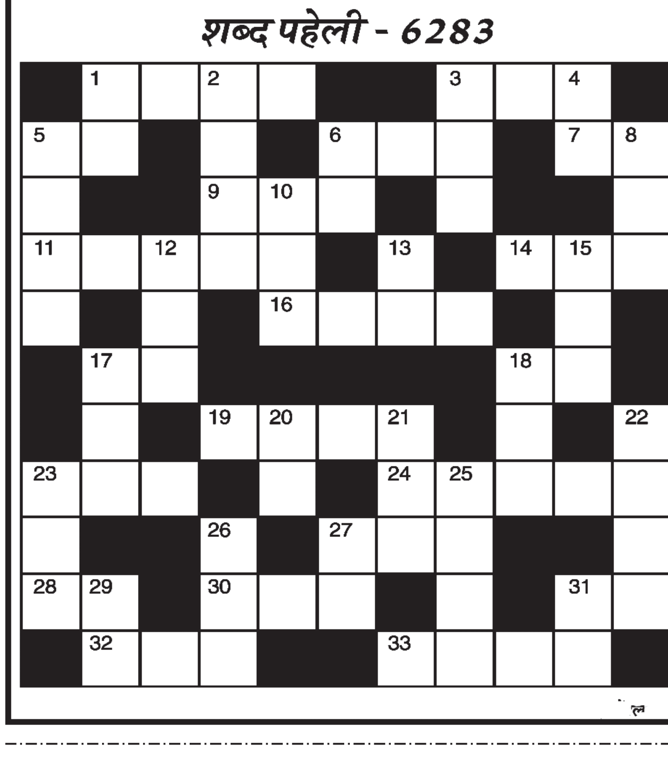

बाएँ से दाएँ
1.महीन व कीमती कपड़ा-4
3.गिरवी रखी वस्तु-3
5.चहा,पेय पदार्थ-2
6.ऐयार,गुप्तचर-3
7.संध्या,सांझ-2
9.रसद,किराणा सामग्री-3
11.करामात,करतब-5
14.विक्रय स्थल-3
16.कलाकार-4
17.चाहत,लगन-2
18.सद्,अच्छा-2
19.लंबा कोट-4
23.पानी की बूंद-3
24.कमर में पहना जाने वाला आभूषण-5
27.लोभ,लालसा-3
28.दौड़ना(अंग्रेजी-2)
30.रेखा,लाइन-3
31.अकुवा,आकड़ा-2
32.अव्यवस्थित भीड़-3
33.अचानक,सहसा-4

ऊपर से नीचे
1.शराब-2
2.सम्राट,शहंशाह-4
3.सांभर जैसा खाद्य-3
4.सरुर, मद-2
5.चापलूस-4
6.प्राण, जीवन तत्व-2
8.चिंतन-3
10.भद्र, कुलीन-3
12.अपराध-3
13.पिता का भाई-2
15.यात्री दल-3
17.प्रेम लगन-3
18.भ्रमर,जलावर्त-3
20.चमड़ी,त्वचा-2
21.अनुकृति-3
22.आर्द्रक-4
23.कटि,मध्यांग-3
25.हठ करना, जिद करना,रोना-4
26.साजन,सनम-3
27.थूक,लेस-2
29.भीगा हुआ-2
31.उम्मीद,आशा-2

शब्द पहेली- 6282 का हल

	स	ह	का	रि	ता		अ	चा	न	क
हा	र		य		ना	वि	क		त	र
थ		त	र	जु	मा		ल	ता		दा
मा	कू	ल			र	थ		क	वि	ता
र		घ		फ	ना		खा		र	
ना	म	र	ख	ना		ग	ज	म	ह	ल
	थ		त		मो	ह		ह		प
क	ना	त		ग	ह			क	पा	ल
र		ना	प		त	म	क	ना		पा
ता	ना		ली	ड	र		थ		का	ना
र	च	यि	ता		मा	ख	न	चो	र	

सूडोकु नवताल - 6293

★★★★★ कठिनतम

	9				6			
	1					2		
5			7				3	
			4					6
		3				9		
4					8			
	7				9			8
		2					1	
			3				4	

■ MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 6292 का हल

6	5	8	9	1	4	2	7	3
1	2	7	3	5	8	6	4	9
3	4	9	7	2	6	1	5	8
2	3	6	1	4	5	9	8	7
8	9	5	2	7	3	4	1	6
4	7	1	6	8	9	3	2	5
7	6	4	5	3	1	8	9	2
9	8	2	4	6	7	5	3	1
5	1	3	8	9	2	7	6	4

आवश्यक सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (धन भेजने, लोन संबंधित, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित अथवा अनुबंध) से पहले अच्छी तरह जाँच पड़ताल कर लें। किसी भी उत्पाद या सेवायें के संबंध में किये किसी विज्ञापन दाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि की जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक संपादक और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाये किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।
- व्यावस्थापक

राशिफल

मेष मन प्रसन्न रहेगा। नौकरी के लिए परीक्षा एवं साक्षात्कारादि कार्यों में सफलता मिलेगी। सन्तान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

वृष आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। नौकरी में कार्यक्षेत्र में सुधार होगा, परन्तु परिश्रम अधिक रहेगा।आय में कमी एवं खर्च अधिक की स्थिति रहेगी।

मिथुन आत्मविश्वास में कमी रहेगी। परिवार का साथ मिलेगा। धर्म के प्रति श्रद्धाभाव रहेगा। वस्त्रों पर खर्च बढ़ सकते हैं। मन अशान्त रहेगा।

कर्क परिश्रम अधिक रहेगा। सेहत का ध्यान रखें। कुटुम्ब-परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं। भाइयों के सहयोग से कारोबार को गति मिल सकती है।

सिंह व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें।वस्त्रों आदि पर खर्च बढ़ सकते हैं। आय की स्थिति में सुधार होगा। सेहत का ध्यान रखें। सन्तान सुख में वृद्धि होगी।

कन्या क्रोध एवं आवेश के अतिरेक से बचें। परिवार में शान्ति एवं सद्भाव बनाये रखने के लिए प्रयास करें। नौकरी में उच्च पद की प्राप्ति होगी।

तुला स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। सम्पत्ति में वृद्धि होगी।

वृश्चिक कार्यक्षेत्र का विस्तार होगा। शैक्षिक कार्यों पर ध्यान दें। मानसिक शान्ति बनाये रखें। माता का सानिध्य मिलेगा। धर्म के प्रति श्रद्धाभाव रहेगा।

धनु मित्रों के साथ धार्मिक स्थान की यात्रा पर जा सकते हैं। घर-परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य होंगे। भवन की साज-सज्जा पर खर्च अधिक रहेंगे।

मकर आलस्य में वृद्धि हो सकती है। कारोबार में परिश्रम अधिक रहेगा, लेकनि परिणाम संदिग्ध हैं। शैक्षिक कार्यों में व्यवधान आ सकते हैं।

कुंभ खर्च बढ़ेंगे। आय के साधन बन सकते हैं। नौकरी में इच्छा-विरुद्ध कोई अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। परिश्रम की अधिकता रहेगी।

मीन कारोबार में सुधार के लिए भाई-बहनों का सहयोग मिल सकता है। जीवनसाथी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। रहन-सहन कष्टदायी होगा। तनाव से बचें।

खबर संक्षेप

28,372 मीट्रिक टन पहुंची राठी स्टील की बिक्री

नई दिल्ली। स्टेनलेस स्टील लॉन्ग प्रोडक्ट्स और टीएमटी बार्स क्षेत्र की प्रमुख कंपनियों में शामिल राठी स्टील एंड पावर लिमिटेड ने 30 जून 2026 को समाप्त पहली तिमाहीके लिए मजबूत परिचालन प्रदर्शन दर्ज किया है। कंपनी ने बिक्री मात्रा और कारोबार में वृद्धि हासिल की। वित्तवर्ष 2027 की पहली तिमाही में कंपनी की कुल बिक्री मात्रा 28,372 मीट्रिक टन रही। कंपनी के स्टेनलेस स्टील उत्पादों और एमएस टीएमटी रीबार के विविध उत्पाद पोर्टफोलियो तथा बाजार विस्तार की रणनीति के कारण संभव हुआ।

सैमसंग गैलेक्सी फोल्डेबल का प्री-रिजर्वेशन शुरू

गुरुग्राम। सैमसंग ने भारत में अपनी अगली गैलेक्सी फोल्डेबल स्मार्टफोन सीरीज़ के लिए प्री-रिजर्वेशन शुरू करने की घोषणा की है। ग्राहक इन नए फोल्डेबल डिवाइसों को ग्लोबल लांच से पहले प्री-रिजर्व कर सकते हैं। ग्राहक 999 रुपए की रिफंडेबल टोकन राशि देकर आगामी गैलेक्सी फोल्डेबल स्मार्टफोन्स का प्री-रिजर्वेशन कर सकते हैं। यह सुविधा सेमसंगडॉटकॉम, सैमसंग एक्सक्लूसिव स्टोर्स, अमेजनडॉटइन,फ्लिपकार्टडॉटकॉम और देशभर के प्रमुख रिटेल स्टोर्स पर उपलब्ध है।

फ्लिपकार्ट में 50 फीसदी की सालाना बढ़ोतरी

नई दिल्ली। भारत के घरेलू ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म फ्लिपकार्ट ने अपनी फूड एंड न्यूट्रिशन कैटेगरी में सालाना आधार पर 50 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है। कंपनी के अनुसार, इस तेज बढ़ोतरी में जेन जी ग्राहकों और धुलिया, इंफाल, धारवाड़, उज्जैन, हुबली, मीरगंज तथा लहरपुर जैसे टियर-2 और टियर-3 शहरों के उपभोक्ताओं की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। कंपनी ने बताया कि कुल मांग में फ्लिपकार्ट मिनट्स की करीब 25 प्रतिशत हिस्सेदारी रही।

खांसी में आयुर्वेदिक विकल्पों की बढ़ी मांग

नई दिल्ली। बदलती जीवनशैली, बढ़ते प्रदूषण और मौसम में लगातार हो रहे बदलाव के कारण खांसी भारतीय परिवारों में सबसे आम स्वास्थ्य समस्याओं में शामिल हो गई है। ऐसे में लोग अब केवल प्रभावी ही नहीं, बल्कि सुरक्षित, विश्वसनीय और समय-परीक्षित उपचारों को प्राथमिकता देने लगे हैं। यह बात आयुर्वेद विशेषज्ञ वैद्य सुजाता चौधरी ने कही। वैद्य सुजाता चौधरी के अनुसार, सुरक्षा और गुणवत्ता पर बढ़ते जोर के चलते लोग अब आयुर्वेदिक कफ सिरप की ओर अधिक आकर्षित हो रहे हैं।

एमडी कुमार पुरुषोत्तम ने मिशन मोड पर डीपीसी के दिए निर्देश

16 साल बाद मंडी बोर्ड के अधिकारी-कर्मचारियों को मिली पदोन्नति की सौगात, पहले चरण में करीब 50 को मिला लाभ

मप्र के 1,000 से अधिक अधिकारी और कर्मचारी पदोन्नति प्रक्रिया से लाभान्वित होंगे

शेष पात्र कर्मचारियों की पदोन्नति प्रक्रिया भी चरणबद्ध तरीके से पूरी किए जाने की है तैयारी

वाणिज्य प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

मध्यप्रदेश राज्य कृषि उपज विपणन (मंडी) बोर्ड के अधिकारी और कर्मचारियों को करीब 16 वर्ष बाद पदोन्नति की सौगात मिली है। विभागीय पदोन्नति समिति (डीपीसी) की अनुशंसा पर मंडी बोर्ड के प्रबंध संचालक एवं आयुक्त कुमार पुरुषोत्तम के निर्देश पर पहले चरण में करीब 50 अधिकारियों और कर्मचारियों के पदोन्नति आदेश जारी किए गए हैं।

जानकारी के अनुसार, मंडी बोर्ड मुख्यालय के चक्कर लगाए बिना ही अधिकारियों और कर्मचारियों को पदोन्नति का लाभ मिला, जिससे विभाग में खुशी का माहौल है। इससे पहले वर्ष 2010 में तत्कालीन प्रबंध संचालक एवं आयुक्त अजातशत्रु श्रीवास्तव के कार्यकाल में बड़े स्तर पर पदोन्नतियां हुई थीं।

कुमार पुरुषोत्तम का आभार व्यक्त करते योगेश नागले

विभिन्न संवर्गों में पदोन्नति आदेश जारी

मंडी बोर्ड अधिकारियों के अनुसार मध्यप्रदेश शासन में पदोन्नति प्रक्रिया शुरू होने के बाद मंडी बोर्ड के एमडी कुमार पुरुषोत्तम ने मिशन मोड में डीपीसी की प्रक्रिया पूरी कराते हुए लंबित मामलों का निराकरण कराया। इसके बाद विभिन्न संवर्गों में पदोन्नति आदेश जारी किए गए। बताया जा रहा है कि पहले चरण में संयुक्त संचालक, उप संचालक, सहायक संचालक, अनुभाग अधिकारी, सचिव-'अ' तथा अन्य पदों पर पदोन्नतियां की गई हैं।

अफसर से लेकर चतुर्थ श्रेणी तक की डीपीसी

उप संचालक से संयुक्त संचालक पद पर श्रीमती प्रवीण चौधरी (मुख्यालय भोपाल), प्रवीण कुमार वर्मा (आंचलिक कार्यालय इंदौर), नितिन कोल्हे (मुख्यालय भोपाल) पदोन्नत किए गए है। जबकि सहायक संचालक एवं लेखाधिकारी से उप संचालक पर में अतुल निपाणे, अविनाश पाठे, करुणेश कुमार तिवारी,सुश्री अनुपमा जैन, सुश्री सोना जायसवाल, लक्ष्मण वास्केल सहित कुछ अधिकारी उप संचालक बने हैं। इसके अलावा अनुभाग अधिकारी एवं सहायक सांख्यिकी अधिकारी से सहायक संचालक बने अधिकारियों में राजेंद्र झारिया, राजेश कुमार, श्रीमती सुनैना प्रसाद सहित तीन अधिकारियों पदोन्नति हुई है। जबकि अपर संचालक पद पर दो अधिकारियों को पदोन्नति हुई। संयुक्त संचालक से अपर संचालक पद पर रोहिणी प्रसाद चक्रवर्ती और सुश्री संगीता ढोके को पदोन्नत किया गया है। साथ ही सचिव-ब से सचिव-अ पद पर पदोन्नत अधिकारियों में सुश्री ऋतु गढ़वाल, योगेश नागले, ओमप्रकाश खेड़े, सुरेश कुमार परते, रस्सू वसुनिया, अर्चना सहलाम, रजनी वर्मा, सविता धुर्वे, किशोर कुमार नरगावें, हिम्मत सिंह जमरा, अरविंद कुमार परिहार के नाम शामिल है। सहायक वर्ग-1 से अनुभाग अधिकारी पद पर शंकर गोखे, चिमनलाल अहिरवार, रामलाल बोरिया, श्रीमती मीनू राठौर, गोविंद प्रसाद मरावी, श्रीमती सुषमा राजपूत, सहदेव सिकदर, श्रीमती ललिता साठे, आशीष सक्सेना, रवि प्रकाश नाग पदोन्नत हुए हैं।

पदोन्नत अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से उच्च पद का कार्यभार ग्रहण के दिए निर्देश

सभी पदोन्नतियां सर्वोच्च न्यायालय में लंबित विशेष अनुमति याचिका (एसएलपी) क्रमांक 13954/2016 तथा भविष्य में सर्वोच्च न्यायालय एवं उच्च न्यायालय द्वारा पारित होने वाले आदेशों के अधीन है। सभी पदोन्नत अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से वर्तमान पद से कार्यमुक्त कर उच्च पद का कार्यभार ग्रहण करने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही, मध्यप्रदेश लोक सेवा पदोन्नति नियम, 2025 के तहत वेतन निर्धारण के लिए संबंधित अधिकारियों को आदेश प्राप्ति के एक माह के भीतर अपना विकल्प प्रस्तुत करना होगा।

कुमार पुरुषोत्तम
प्रबंध संचालक, मंडी बोर्ड

अंतरिक्ष विज्ञान अनुसंधान को मिलेगा नया आयाम

वीआईटी यूनिवर्सिटी में एनएआरएल ने स्थापित किया जीएनएसएस रिसीवर

इससे अंतरिक्ष विज्ञान, भू-स्थानिक अनुसंधान को नई गति मिलेगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

वीआईटी भोपाल यूनिवर्सिटी ने अंतरिक्ष विज्ञान अनुसंधान के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। भारत सरकार के अंतरिक्ष विभाग के अंतर्गत कार्यरत राष्ट्रीय वायुमंडलीय अनुसंधान प्रयोगशाला (एनएआरएल) ने विश्वविद्यालय परिसर में जीएनएसएस (ग्लोबल नेविगेशन सैटेलाइट सिस्टम) रिसीवर प्रणाली स्थापित की है। यह स्थापना एनएआरएल की 'नॉर्थ–साउथ चेन फॉर आयनोस्फीयर एंड स्पेस वेदर ऑब्जर्वेशन' परियोजना के तहत की गई है।

ग्लोबल नेविगेशन सैटेलाइट सिस्टम

विश्वविद्यालय के अनुसार, यह अत्याधुनिक प्रणाली आयनोस्फीयर और अंतरिक्ष मौसम (स्पेस वेदर) के अध्ययन के लिए महत्वपूर्ण डेटा उपलब्ध कराएगी। इससे अंतरिक्ष विज्ञान, स्वदेशी नेविगेशन तकनीक और भू-स्थानिक अनुसंधान को नई गति मिलेगी। यह जीएनएसएस रिसीवर टोटल इलेक्ट्रॉन कंटेंट , आयनोस्फेरिक सिंटिलेशन, सिग्नल क्षरण, लॉस ऑफ लॉक तथा सौर और भू-चुंबकीय गतिविधियों से उत्पन्न आयनोस्फेरिक बदलावों की निरंतर निगरानी करेगा। इससे प्राप्त आंकड़े अंतरिक्ष मौसम, भूगणित, उपग्रह नेविगेशन और पोजिशनिंग-नेविगेशन-टाइमिंग से जुड़े शोध कार्यों में उपयोगी साबित होंगे।

विश्वविद्याल अनुसंधान ढांचे को और मजबूत करेगी

परियोजना के विश्वविद्यालय समन्वयक एवं वीआईटी भोपाल के वरिष्ठ सहायक प्राध्यापक डॉ. शरद चन्द्र त्रिपाठी ने कहा कि यह सुविधा विश्वविद्यालय के अनुसंधान ढांचे को और मजबूत करेगी। उनके अनुसार, इससे शोधकर्ताओं और विद्यार्थियों को जीएनएसएस, स्वदेशी नेविगेशन तकनीक और स्पेस वेदर जैसे क्षेत्रों में वास्तविक समय के वैज्ञानिक आंकड़ों पर काम करने का अवसर मिलेगा और राष्ट्रीय स्तर के अनुसंधान संगठनों के साथ सहयोग को भी बढ़ावा मिलेगा।

खाद्य विश्लेषक न्यायालय के निर्देशों की अनदेखी कर रहे

जांच रिपोर्ट में देरी, मिलावट के मामलों में एक्शन पर असर, बच रहे मिलावटखोर

वाणिज्य प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

मध्यप्रदेश के खाद्य एवं औषधि सुरक्षा प्रशासन की कार्यप्रणाली एक बार फिर सवालों के घेरे में है। खाद्य विश्लेषकों पर आरोप है कि वे खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम में निर्धारित समय-सीमा के भीतर जांच रिपोर्ट संबंधित अधिकारियों को नहीं भेज रहे हैं और अगर रिपोर्ट भेज दी भी जाती है संबंधित अधिकारी रिपोर्ट को अमल लाते हुए कार्रवाई सुनिश्चित नहीं कर रहे हैं जिससे मिलावट के मामलों में कार्रवाई प्रभावित हो रही है। विभागीय सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार अधिनियम के तहत खाद्य विश्लेषक को सामान्यतः 14 दिनों के भीतर जांच रिपोर्ट भेजनी होती है। यदि किसी कारणवश यह संभव नहीं हो, तो उसे देरी का कारण बताते हुए संबंधित डेजिनेटेड अधिकारी को लिखित सूचना देनी होती है। लेकिन कई मामलों में न तो समय पर रिपोर्ट भेजी जा रही है और न ही देरी का कारण बताया जा रहा है। हाल ही में एक मामले की न्यायालय में सुनवाई के दौरान भी जांच रिपोर्ट में हुई देरी का मुद्दा उठा।

इस मामले के बाद खाद्य विश्लेषकों की कार्यप्रणाली और जवाबदेही को लेकर सवाल और तेज हो गए हैं। विभागीय सूत्रों का दावा है कि खाद्य सुरक्षा अधिकारी समय पर नमूने लेकर उन्हें प्रयोगशाला तक पहुंचा देते हैं। प्रयोगशाला में प्रारंभिक जांच भी समय पर पूरी हो जाती है, लेकिन अंतिम रिपोर्ट संबंधित जिलों को भेजने में कई बार सप्ताहों या महीनों की देरी हो जाती है। इससे मैदानी अमले की कार्रवाई कमजोर पड़ने और न्यायिक प्रक्रिया प्रभावित होती है।

रिपोर्ट जारी करने की प्रक्रिया का ऑडिट कराया जाए

खाद्य विभाग अधिकारियों का कहना है कि यदि रिपोर्ट में अनावश्यक देरी होती है, तो इसका लाभ आरोपित व्यापारियों को मिलता है और मिलावट के मामलों में अभियोजन कमजोर पड़ सकता है। विभागीय सूत्रों ने कहाकि रिपोर्ट भेजने में देरी के मामले लगातार सामने आ रहे हैं, अतः इसकी उच्चस्तरीय जांच कर यह तय किया जाना चाहिए कि देरी के लिए कौन जिम्मेदार है । इसके साथ ही यह भी सुझाव दिया है कि खाद्य प्रयोगशालाओं में रिपोर्ट जारी करने की प्रक्रिया का ऑडिट कराया जाए, ताकि पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित हो सके।

पुराने भोपाल के जनकपुरी थोक बाजार का मामला

खुले नाले में गिरा व्यापारी का स्कूटर, घायल हो रहे राहगीर

वाणिज्य प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

पुराने भोपाल के जनकपुरी स्थित थोक किराना बाजार में खुला नाला व्यापारियों और आगंतुकों के लिए आफत बने हुए है। खुले नाला में व्यापारी और यहां पहुंचने वाले लोगों की दुपहिया वाहन गिर रहे हैं जिससे वे घायल हो रहे है।

शुक्रवार को एक व्यापारी की एक्टिवा स्कूटर खुले नाले में गिर गई, जिससे वह घायल हो गया। हादसे के बाद स्थानीय व्यापारियों में नगर निगम के प्रति नाराजगी देखी गई। व्यापारियों का कहना है कि

नाले में गिरे स्कूटर को निकलते हुए

बाजार क्षेत्र में नाला लंबे समय से खुला पड़ा है। इसकी शिकायत कई बार नगर निगम से की जा चुकी है, लेकिन अब तक नाले को ढकने या सुरक्षा के कोई पुख्ता इंतजाम नहीं किए गए हैं। व्यापारी अनुपम अग्रवाल के अनुसार, यह पहली घटना नहीं है। इससे पहले भी खुले नाले के कारण कई लोग हादसे का शिकार होकर घायल हो चुके हैं। व्यापारियों ने आरोप लगाया कि शिकायतों के बावजूद प्रशासन द्वारा कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। व्यापारियों ने नगर निगम से मांग की है कि दुर्घटनाओं को रोकने के लिए खुले नाले को तत्काल ढका जाए और बाजार क्षेत्र में आवश्यक सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

सीआईआई मप्र की 37वीं क्वालिटी सर्कल प्रतियोगिता संपन्न

20 टीमों ने नवाचार, गुणवत्ता एवं समस्या समाधान के उत्कृष्ट मॉडल प्रस्तुत किए

वाणिज्य प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) मध्यप्रदेश द्वारा भोपाल में 37वीं क्वालिटी सर्कल प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया।

प्रतियोगिता में 11 प्रतिष्ठित औद्योगिक इकाइयों की 20 टीमों ने भाग लिया और अपने-अपने उद्योगों में अपनाई गई गुणवत्ता सुधार, नवाचार एवं समस्या समाधान से जुड़े सफल प्रोजेक्ट प्रस्तुत किए। यह प्रतियोगिता कर्मचारियों को अपने अनुभव साझा करने, एक-दूसरे से सीखने तथा उद्योगों में गुणवत्ता आधारित कार्य संस्कृति को बढ़ावा देने का एक प्रभावी मंच साबित हुई। विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों से आई टीमों ने अपने नवाचार, कार्यप्रणाली और सर्वोत्तम प्रथाओं को प्रस्तुत कर निरंतर सुधार की भावना को मजबूत किया। प्रतियोगिता में विशेषज्ञ निर्णायक मंडल द्वारा प्रस्तुतियों एवं प्रश्नोत्तर के आधार पर विजेताओं की घोषणा की गई। इस अवसर पर सी.पी. शर्मा, पूर्व अध्यक्ष, सीआईआई मध्यप्रदेश एवं प्रबंध निदेशक, दौलतराम इंजीनियरिंग ने कहा कि नवाचार केवल एक विकल्प नहीं, बल्कि वर्ष 2047 तक भारत को 30 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लक्ष्य की मजबूत नींव है। सीआईआई पदाधिकारियों ने सभी विजेता एवं प्रतिभागी टीमों को बधाई दी। जिससे उन्हें अपने नवाचारों एवं उत्कृष्ट कार्यों को राष्ट्रीय मंच पर प्रदर्शित करने का अवसर मिलेगा।

नवाचारों एवं उत्कृष्ट कार्य करने वालों को पुरस्कृत किया

बिजनेस न्यूज

सीबीओए के सह-अध्यक्ष रवि कुमार कल से दो दिवसीय भोपाल प्रवास पर

भोपाल। केनरा बैंक ऑफिसर्स एसोसिएशन (सीबीओए) के उपाध्यक्ष केके त्रिपाठी ने बताया कि अखिल भारतीय बैंक अधिकारी परिसंघ (एआईबीओसी) ने नवंबर 2027 के आगामी वेतन समझौते के लिए तैयार किए जाने वाले चार्टर ऑफ डिमांड्स को भारतीय बैंक संघ (आईबीए) के समक्ष प्रस्तुत करने के लिए गठित समिति में सीबीओए के महासचिव के. रवि कुमार को सह-अध्यक्ष नियुक्त किया है। उन्होंने बताया कि के. रवि कुमार 12 एवं 13 जुलाई को दो दिवसीय भोपाल प्रवास पर रहेंगे। इस दौरान वे संगठनात्मक बैठकों में भाग लेंगे और विभिन्न बैंकों के अधिकारियों से संवाद कर उनकी समस्याओं एवं सुझावों पर चर्चा करेंगे। साथ ही आगामी वेतन समझौते से जुड़े मुद्दों पर भी विचार-विमर्श किया जाएगा। केके त्रिपाठी ने कहा कि समिति में के. रवि कुमार की नियुक्ति पूरे बैंकिंग अधिकारी वर्ग के लिए सम्मान और गर्व की बात है।

सूर्या ने लांच किए नए प्रीमियम पंखे वाटर हीटर और किचन उपकरण

भोपाल। सूर्या रोशनी लिमिटेड ने आधुनिक उपभोक्ताओं की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए प्रीमियम कंज्यूमर ड्यूरेबल्स की नई श्रृंखला लॉन्च की है। नई रेंज में ऊर्जा दक्ष बीएलडीसी पंखे, वाटर हीटर, मिक्सर ग्राइंडर और ड्राई आयरन शामिल हैं। कंपनी ने बताया कि नई रेंज में स्लीक एयर डेको, स्मार्ट प्लस, ज्वेल प्रो और रॉयल जैसे प्रीमियम बीएलडीसी पंखे पेश किए गए हैं। आधुनिक डिजाइन और उन्नत बीएलडीसी तकनीक से लैस ये पंखे कम बिजली की खपत के साथ बेहतर हवा देने में सक्षम हैं। वॉटर हीटर श्रेणी में कंपनी ने ब्यूरो ऑफ एनर्जी एफिशिएंसी (बीईई) के नए मानकों के अनुरूप क्यूब+, आर्कटिक डीएक्स और आर्कटिक ईएक्स स्टोरेज वॉटर हीटर लॉन्च किए हैं। इसके अलावा इंस्टावॉर्म इंस्टेंट वॉटर हीटर 3 लीटर और 5.9 लीटर क्षमता में पेश किया गया है, जिसमें तेज गर्म पानी और उन्नत सुरक्षा सुविधाएं उपलब्ध हैं।

च्वॉइस इंटरनेशनल और एनएच इन्वेस्टमेंट की रणनीतिक साझेदारी

मुंबई। च्वॉइस इंटरनेशनल लिमिटेड ने दक्षिण कोरिया की अग्रणी वित्तीय संस्था एनएच इन्वेस्टमेंट एंड सिक्योरिटीज के साथ रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की है। इस समझौते के तहत एनएचआईएस ,च्वॉइस की ब्रोकिंग एवं वेल्थ मैनेजमेंट इकाई चॉइस इक्विटी ब्रोकिंग प्राइवेट लिमिटेड में 900 करोड़ रुपए का निवेश करेगी। कंपनी के अनुसार, यह निवेश कंपल्सरिली कन्वर्टिबल प्रेफरेंस शेयर के माध्यम से किया जाएगा। इस पूंजी का उपयोग ब्रोकिंग कारोबार के विस्तार, मार्जिन ट्रेडिंग फंड बुक बढ़ाने, नई तकनीकों में निवेश, नए ग्राहकों को जोडऩे, प्रतिभा विकास और नए वित्तीय उत्पादों के विकास पर किया जाएगा। च्वॉइस इंटरनेशनल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं कार्यकारी निदेशक अरुण पोद्दार ने कहा कि यह निवेश कंपनी की विकास यात्रा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

मप्र के बदली मल्टीग्रेड मॉडल से प्राथमिक शिक्षा

भोपाल। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के तहत बुनियादी साक्षरता और अंक-ज्ञान (एफएलएन) को मजबूत बनाने की दिशा में मध्य प्रदेश का मल्टीग्रेड क्लासरूम मॉडल प्रभावी साबित हो रहा है। सीमित शिक्षकों वाले सरकारी प्राथमिक विद्यालयों के लिए तैयार की गई मल्टीग्रेड टीचर गाइड ने एक ही शिक्षक के लिए कक्षा 1 और 2 की पढ़ाई को अधिक व्यवस्थित और प्रभावी बना दिया है। राज्य में मिशन अंकुर के तहत पिछले पांच वर्षों में 79 हजार सरकारी स्कूलों के लगभग 23 लाख बच्चों तक एफएलएन कार्यक्रम पहुंचाया गया। साथ ही सभी 52 जिलों में नियमित लर्निंग असेसमेंट की व्यवस्था विकसित की गई, जिसके तहत हर कक्षा के 25 से 30 हजार से अधिक विद्यार्थियों की सीखने की प्रगति का आकलन किया जाता है।

पीएनबी ने प्रारंभ की ट्राइबल प्लस ऋण योजना

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

पंजाब नेशनल बैंक ने एक विशेष आवास ऋण उत्पाद ट्राइबल प्लस ऋण योजना प्रारंभ की है, जिसका उद्देश्य जनजातीय क्षेत्रों में रहने वाले पात्र उधारकर्ताओं के लिए आवास वित्त तक पहुंच को आसान बनाना है। यह योजना पंजाब नेशनल बैंक के गुवाहाटी और रायपुर अंचल के अंतर्गत आने वाले जनजातीय क्षेत्रों में लागू होगी। सुबोध कुमार, महाप्रबंधक ने कहा कि हम नवीन बैंकिंग समाधानों के माध्यम से वित्तीय सेवाओं की पहुंच का विस्तार करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। पीएनबी ट्राइबल प्लस ऋण योजना को आवास वित्त प्राप्त करने में जनजातीय क्षेत्रों के निवासियों द्वारा सामना की जाने वाली अनूठी चुनौतियों का समाधान करने के लिए विकसित किया गया है।

संजीव बने वरिष्ठ उपाध्यक्ष, अनिल कुमार संयुक्त महासचिव

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

भारतीय स्टेट बैंक अधिकारी संघ भोपाल मंडल को राष्ट्रीय स्तर पर बड़ी उपलब्धि हासिल हुई है। अखिल भारतीय बैंक अधिकारी परिसंघ (एआईबीओसी) की 105वीं कार्यकारिणी समिति की बैठक में भोपाल मंडल के दो वरिष्ठ पदाधिकारियों को अहम राष्ट्रीय जिम्मेदारियां सौंपी गईं। बैठक में एसबीआई अधिकारी संघ, भोपाल मंडल के महासचिव संजीव मिश्रा को पदोन्नत कर एआईबीओसी का वरिष्ठ उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया। वहीं, संघ के अध्यक्ष अनिल कुमार श्रीवास्तव को एआईबीओसी का संयुक्त महासचिव बनाया गया। संघ के पदाधिकारियों ने इसे भोपाल मंडल के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि बताते हुए कहा कि यह सम्मान संगठन अधिकारी हितों के प्रति प्रतिबद्धता है। भोपाल मंडल से जुड़े लगभग 22 हजार बैंक अधिकारियों की एकजुटता, विश्वास और समर्पण का यह परिणाम है।

देश-विदेश से 3,000 से अधिक शोध-पत्र प्राप्त हुए

बंसल इंस्टीट्यूट में आईसीएथिक्स-2026 का शुभारंभ

सम्मेलन का उद्देश्य नवाचार, शोध उत्कृष्टता और उद्योग-अकादमिक सहयोग को बढ़ावा देना रहा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

बंसल इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, भोपाल में आईईईई के सहयोग से दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन आईसीएथिक्स-2026 (इमर्जिंग ट्रेंड्स इन इन्फॉर्मेशन, कम्युनिकेशन एंड सिस्टम्स) का शुक्रवार को शुभारंभ हुआ। 10 और 11 जुलाई तक चलने वाले इस सम्मेलन का उद्देश्य नवाचार, शोध उत्कृष्टता और उद्योग-अकादमिक सहयोग को बढ़ावा देना है।

कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण, दीप प्रज्वलन और अतिथियों के स्वागत के साथ हुआ। मुख्य अतिथि प्रो. मनीष दीक्षित, चेयर-इलेक्ट, आईईईई मध्यप्रदेश सेक्शन ने कहा कि ऐसे अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन शोधकर्ताओं, शिक्षाविदों और उद्योग विशेषज्ञों के बीच सहयोग बढ़ाने के साथ नई तकनीकों और समाजोपयोगी अनुसंधान को नई दिशा देते हैं। मुख्य वक्ता प्रो. जितेंद्र अग्रवाल, उपाध्यक्ष, आईईईई मध्यप्रदेश सेक्शन ने सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और भविष्य की स्मार्ट प्रणालियों पर अपने विचार साझा किए। वहीं आईआईटी-बीएचयू के प्रोफेसर रंजीत महंती ने कहा कि आधुनिक शोध को उद्योग और समाज की जरूरतों के अनुरूप विकसित करना समय की मांग है और नवाचार आधारित अनुसंधान ही तकनीकी प्रगति की नींव है। सम्मेलन में एनआईटी रायपुर के विभागाध्यक्ष प्रो. दिलीप सिंह सिसोदिया और आईईईई मध्यप्रदेश सेक्शन के सचिव प्रो. एमपीएस चावला ने इंटेलिजेंट कंप्यूटिंग, डेटा साइंस और आधुनिक कंप्यूटिंग तकनीकों में हो रहे नवीन शोध पर प्रकाश डाला। विशेष वक्ताओं के रूप में नेहा केशरी, सीनियर डेटा साइंटिस्ट, माइक्रोसॉफ्ट (अमेरिका) और पलाश अग्रवाल, सीनियर सॉफ्टवेयर इंजीनियर, माइक्रोसॉफ्ट (अमेरिका) ने भी अपने अनुभव साझा किए। आयोजकों के अनुसार सम्मेलन के लिए देश-विदेश से 3,000 से अधिक शोध-पत्र प्राप्त हुए, जिनमें से 172 शोध-पत्रों का प्रस्तुतीकरण किया जा रहा है। सम्मेलन में 300 से अधिक शिक्षाविदों, शोधकर्ताओं, उद्योग विशेषज्ञों और विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्रतिभागियों ने इंटेलिजेंट कंप्यूटिंग, संचार एवं नेटवर्किंग, इंटरनेट ऑफ थिंग्स , नवीकरणीय ऊर्जा सहित विभिन्न विषयों पर अपने शोध और नवाचार प्रस्तुत किए। बंसल समूह के सह-सचिव डॉ. संजय जैन ने कहा कि यह सम्मेलन शोधकर्ताओं के लिए मजबूत रिसर्च नेटवर्क विकसित करने का महत्वपूर्ण मंच है। वहीं बीआईएसटी के निदेशक डॉ. दामोदर तिवारी ने सभी अतिथियों का स्मृति-चिह्न और श्रीफल भेंट कर स्वागत किया तथा उनकी सहभागिता के लिए आभार व्यक्त किया।

चिंतन

ई20 पेट्रोल से होने वाला लाभ वाहन चालकों को क्यों नहीं ?

सरकार ने आखिरकार वह स्वीकार कर लिया है, जिसकी चर्चा लंबे समय से वाहन उपभोक्ताओं और ऑटोमोबाइल विशेषज्ञों के बीच होती रही थी। पेट्रोल में 20 प्रतिशत एथेनॉल मिश्रण कुछ वाहनों में ईंधन दक्षता यानी माइलेज को 3 से 5 प्रतिशत तक कम कर सकता है। सरकार का कहना है कि यह कमी बेहतर इंजन प्रदर्शन, कम प्रदूषण और आयातित कच्चे तेल पर निर्भरता घटाने जैसे दीर्घकालिक लाभों के सामने छोटी है। दरअसल ई20 को लेकर विवाद का केंद्र केवल माइलेज नहीं है, बल्कि यह सवाल भी है कि क्या ऊर्जा सुरक्षा के नाम पर उपभोक्ता पर अतिरिक्त बोझ डाला जा रहा है। पहली बार आधिकारिक तौर पर यह माना गया है कि माइलेज में कुछ कमी आ सकती है, लेकिन साथ ही यह भी स्पष्ट किया है कि ई20 का उद्देश्य पेट्रोल सस्ता करना नहीं, बल्कि भारत की ऊर्जा अर्थव्यवस्था को अधिक आत्मनिर्भर बनाना है। भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा तेल आयातक है और अपनी कच्चे तेल की जरूरतों का लगभग 85 प्रतिशत आयात करता है। ऐसे में जैव-ईंधन (बायोफ्यूल) की ओर बढ़ना केवल पर्यावरणीय विकल्प नहीं, बल्कि रणनीतिक आवश्यकता भी है। इसी सोच के तहत वर्ष 2001 में एथेनॉल मिश्रण कार्यक्रम की शुरुआत हुई। 2022 में भारत ने निर्धारित समय से पहले 10 प्रतिशत मिश्रण का लक्ष्य हासिल किया और 2025-26 में 20 प्रतिशत मिश्रण तक पहुंच गया। इस कार्यक्रम से अब तक लगभग 1.97 लाख करोड़ रुपये की विदेशी मुद्रा की बचत हुई है और लगभग 952 लाख टन कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन कम हुआ है। साथ ही किसानों को एथेनॉल खरीद के माध्यम से 1.66 लाख करोड़ रुपये से अधिक का भुगतान हुआ है। इसने ऊर्जा सुरक्षा, पर्यावरण संरक्षण और ग्रामीण आय जैसे तीनों लक्ष्यों को एक साथ साधने का काम किया है। क्या इन उपलब्धियों का लाभ सीधे वाहन मालिकों तक भी पहुंच रहा है? यही सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न है। यदि किसी वाहन का माइलेज 3 से 5 प्रतिशत कम होता है, तो वाहन चालक को समान दूरी तय करने के लिए अधिक ईंधन खरीदना पड़ेगा। यदि पेट्रोल की कीमत में कोई राहत नहीं मिलती और ई20 पारंपरिक पेट्रोल से सस्ता भी नहीं है, तो उपभोक्ता के लिए वास्तविक परिचालन लागत बढ़ सकती है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में जब कच्चा तेल सस्ता होता है, तब एथेनॉल की लागत पेट्रोल से अधिक भी हो सकती है। इसका अर्थ है कि ई20 को केवल सस्ते ईंधन के रूप में प्रस्तुत करना उचित नहीं होगा। सरकार ने यह भी स्पष्ट किया है कि ई20 को लेकर वाहन सुरक्षा संबंधी आशंकाएं व्यापक परीक्षणों के बाद ही दूर की गई हैं। यदि ई20 एक राष्ट्रीय रणनीति है, जिसका लाभ पूरे देश को मिलेगा तो क्या उसका आर्थिक भार केवल वाहन उपभोक्ताओं को उठाना चाहिए? क्या सरकार को कर संरचना, मूल्य निर्धारण या अन्य प्रोत्साहनों के माध्यम से इस अतिरिक्त लागत का कुछ हिस्सा स्वयं वहन नहीं करना चाहिए? इसी प्रकार, यदि माइलेज में कमी वैज्ञानिक तथ्य है, तो इसकी स्पष्ट जानकारी वाहन खरीदते समय उपलब्ध कराई जानी चाहिए। किसी भी बड़े सुधार की सफलता केवल उसके उद्देश्य से नहीं, बल्कि उसके क्रियान्वयन और जनता की स्वीकृति से तय होती है। यदि देश ऊर्जा आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहा है, तो इस यात्रा में नागरिकों का विश्वास भी उतना ही आवश्यक है जितना उनका योगदान। ऊर्जा परिवर्तन तभी टिकाऊ होगा, जब उसका लाभ और उसकी लागत दोनों समाज के सभी वर्गों के बीच संतुलित रूप से साझा किए जाएं।

आर्थिकी
महेन्द्र तिवारी

महाराष्ट्र सरकार ने मुंबई के निकट पालघर जिले के कोरे बीच के पास भारत का पहला ऑफशोर अर्थात समुद्र आधारित हवाई अड्डा विकसित करने की दिशा में कदम बढ़ाया है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इस महत्वाकांक्षी परियोजना के लिए विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन तैयार करने के निर्देश दिए हैं। यदि यह परियोजना निर्धारित योजना के अनुसार साकार होती है तो यह केवल एक नया एयरपोर्ट नहीं होगा, बल्कि भारत की विमानन क्षमता, समुद्री इंजीनियरिंग, व्यापार, पर्यटन और औद्योगिक विकास का नया प्रतीक बनेगा। यह परियोजना देश को उन चुनिंदा देशों की श्रेणी में खड़ा कर सकती है, जिन्होंने समुद्र से भूमि तैयार कर विश्वस्तरीय हवाई अड्डों का निर्माण किया है।

समुद्र पर बनेगा भारत का हवाई अड्डा

भारत की आर्थिक प्रगति का सबसे बड़ा आधार उसकी आधुनिक अवसंरचना है। पिछले कुछ वर्षों में देश ने सड़क, रेल, बंदरगाह, मेट्रो, एक्सप्रेसवे और हवाई अड्डों के क्षेत्र में अभूतपूर्व विस्तार देखा है। अब इसी श्रृंखला में एक और ऐतिहासिक पहल जुड़ने जा रही है। महाराष्ट्र सरकार ने मुंबई के निकट पालघर जिले के कोरे बीच के पास भारत का पहला ऑफशोर अर्थात समुद्र आधारित हवाई अड्डा विकसित करने की दिशा में कदम बढ़ाया है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इस महत्वाकांक्षी परियोजना के लिए विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन तैयार करने के निर्देश दिए हैं। यदि यह परियोजना निर्धारित योजना के अनुसार साकार होती है तो यह केवल एक नया एयरपोर्ट नहीं होगा, बल्कि भारत की विमानन क्षमता, समुद्री इंजीनियरिंग, व्यापार, पर्यटन और औद्योगिक विकास का नया प्रतीक बनेगा। यह परियोजना देश को उन चुनिंदा देशों की श्रेणी में खड़ा कर सकती है, जिन्होंने समुद्र से भूमि तैयार कर विश्वस्तरीय हवाई अड्डों का निर्माण किया है। ऑफशोर एयरपोर्ट का विचार अपने आप में अत्यंत आधुनिक और दूरदर्शी है। सामान्यतः हवाई अड्डे विशाल भूमि पर बनाए जाते हैं, लेकिन महानगरों में भूमि की उपलब्धता लगातार कम होती जा रही है।

बढ़ती आबादी, तेजी से फैलते शहर और भूमि अधिग्रहण से जुड़ी सामाजिक तथा कानूनी चुनौतियां नई परियोजनाओं को कठिन बना देती हैं। ऐसे में समुद्र के भीतर कृत्रिम भूमि तैयार कर उस पर एयरपोर्ट का निर्माण एक व्यावहारिक विकल्प बनकर उभरा है। अरब सागर में पुनः प्राप्त भूमि पर बनने वाला यह एयरपोर्ट भारतीय इंजीनियरिंग क्षमता की नई पहचान बनेगा। प्रस्तावित एयरपोर्ट की क्षमता इसे विश्व के प्रमुख हवाई अड्डों की श्रेणी में ला सकती है। योजना के अनुसार यहां प्रतिवर्ष लगभग 9 करोड़ यात्रियों के आवागमन और लगभग 30 लाख मीट्रिक टन कार्गो की आवाजाही की व्यवस्था होगी। दो समानांतर रनवे विकसित किए जाने की भी योजना है, जिससे बड़ी संख्या में विमानों का संचालन संभव हो सकेगा। यह क्षमता केवल वर्तमान आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए नहीं बल्कि आने वाले कई दशकों की मांग को ध्यान में रखकर निर्धारित की गई है। भारत में हवाई यात्रा करने वाले यात्रियों की संख्या लगातार बढ़ रही है और यह परियोजना भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार की जा रही है। मुंबई भारत की आर्थिक राजधानी है। यहां स्थित छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा देश के सबसे व्यस्त हवाई अड्डों में शामिल है। नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के निर्माण के बावजूद भविष्य में यात्रियों और माल परिवहन की बढ़ती मांग को देखते हुए अतिरिक्त क्षमता की आवश्यकता महसूस की जा रही है। प्रस्तावित ऑफशोर एयरपोर्ट इस चुनौती का दीर्घकालिक समाधान बन सकता है। इससे न केवल मुंबई क्षेत्र के हवाई यातायात का दबाव कम होगा बल्कि अंतरराष्ट्रीय उड़ानों और माल परिवहन के लिए भी नई संभावनाएं खुलेंगी। इस परियोजना की सबसे बड़ी विशेषता इसका बहुआयामी संपर्क तंत्र है। प्रस्तावित एयरपोर्ट को वधावन बंदरगाह, मुंबई अहमदाबाद हाई स्पीड रेल, मुंबई वडोदरा एक्सप्रेसवे तथा प्रस्तावित उत्तन विरार सी लिंक से जोड़ने की योजना है। इसके अतिरिक्त समर्पित माल

गलियारे और अन्य सड़क संपर्क भी विकसित किए जाएंगे। इससे हवाई, समुद्री, रेल और सड़क परिवहन का ऐसा समन्वित नेटवर्क तैयार होगा जो भारत में मल्टीमॉडल परिवहन का उत्कृष्ट उदाहरण बन सकता है। वधावन बंदरगाह स्वयं भारत की सबसे महत्वपूर्ण समुद्री परियोजनाओं में गिना जा रहा है। यदि उसके साथ विशाल कार्गो क्षमता वाला एयरपोर्ट भी विकसित हो जाता है तो पश्चिमी भारत में अंतरराष्ट्रीय व्यापार का नया केंद्र उभर सकता है। समुद्री मार्ग से आने वाला माल कम समय में हवाई मार्ग से देश और विदेश भेजा जा सकेगा। हवाई मार्ग से आने वाला उच्च मूल्य का सामान सीधे बंदरगाह तक पहुंचाया जा सकेगा। इससे निर्यात और आयात दोनों क्षेत्रों को गति मिलेगी तथा वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में भारत की भूमिका और मजबूत होगी। स्थानीय युवाओं को निर्माण, विमानन, आतिथ्य, सुरक्षा, परिवहन और तकनीकी सेवाओं में रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे। इससे क्षेत्रीय आर्थिक असंतुलन भी कम हो सकता है। इतनी विशाल परियोजना के साथ कई तकनीकी और पर्यावरणीय चुनौतियां भी जुड़ी हुई हैं। समुद्र से भूमि तैयार करना अत्यंत जटिल इंजीनियरिंग कार्य है। किसी भी बड़े विकास कार्य में पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास के सिद्धांतों का पालन अनिवार्य है। यदि इन पहलुओं की अनदेखी की गई तो दीर्घकाल में परियोजना को कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। आर्थिक दृष्टि से भी यह परियोजना अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जा रही है। बड़े पैमाने पर निर्माण कार्य से इस्पात, सीमेंट, मशीनरी, इंजीनियरिंग, परिवहन और निर्माण उद्योग को बढ़ावा मिलेगा। परियोजना पूर्ण होने के बाद विमानन, पर्यटन, व्यापार, ई कॉमर्स, लॉजिस्टिक्स और निर्यात आधारित उद्योगों में नई ऊर्जा आएगी। विदेशी निवेशकों के लिए भी यह क्षेत्र अधिक आकर्षक बन सकता है क्योंकि आधुनिक परिवहन अवसंरचना निवेश का सबसे महत्वपूर्ण आधार होती है। इससे महाराष्ट्र के साथ साथ पूरे पश्चिमी भारत की प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता बढ़ेगी। भारत ने पिछले दशक में विमानन क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। छोटे शहरों तक हवाई सेवाएं पहुंचाने की योजनाओं से लेकर नए अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों के निर्माण तक अनेक प्रयास किए गए हैं। आज भारत विश्व के सबसे तेजी से बढ़ते विमानन बाजारों में शामिल है। ऐसे समय में ऑफशोर एयरपोर्ट जैसी परियोजना यह संकेत देती है कि देश केवल वर्तमान आवश्यकताओं को पूरा करने तक सीमित नहीं रहना चाहता बल्कि भविष्य की मांग को ध्यान में रखकर दीर्घकालिक योजना बना रहा है। हालांकि परियोजना की सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि योजना निर्माण से लेकर क्रियान्वयन तक सभी चरणों में पारदर्शिता, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और जनसहभागिता सुनिश्चित की जाए। स्थानीय समुदायों की चिंताओं को समझना, पर्यावरणीय प्रभावों का निष्पक्ष मूल्यांकन करना, वित्तीय अनुशासन बनाए रखना और समयबद्ध निर्माण करना उतना ही महत्वपूर्ण होगा जितना स्वयं एयरपोर्ट का निर्माण। यदि इन सभी पहलुओं पर संतुलित ढंग से कार्य किया गया तो यह परियोजना केवल महाराष्ट्र ही नहीं बल्कि पूरे भारत के लिए विकास का नया मॉडल बन सकती है। भारत आज उस दौर में प्रवेश कर चुका है जहां अवसंरचना केवल सुविधाओं का विस्तार नहीं, बल्कि आर्थिक शक्ति, वैश्विक प्रतिस्पर्धा और राष्ट्रीय आत्मविश्वास का आधार बन चुकी है। पालघर के समुद्र में प्रस्तावित यह ऑफशोर एयरपोर्ट उसी बदलते भारत की कहानी कहता है जो सीमित संसाधनों में भी नए समाधान खोजने का साहस रखता है। यदि यह सपना साकार होता है तो यह केवल समुद्र पर बना एक हवाई अड्डा नहीं होगा, बल्कि भविष्य के भारत की दूरदृष्टि, तकनीकी क्षमता और विकास के संकल्प का जीवंत प्रतीक बनकर उभरेगा।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **haribhoomi@gmail.com** पर दे सकते हैं।

जनसंख्या दिवस
राजेश जैन

148 करोड़ लोगः भारत की सबसे बड़ी ताकत या चुनौती

आज के दिन 11 जुलाई को हर साल विश्व जनसंख्या दिवस मनाया जाता है। यह दिन दुनिया की बढ़ती आबादी के आंकड़ों की चर्चा का अवसर बनता है, लेकिन भारत के लिए इसका महत्व इससे कहीं अधिक है। यह केवल जनसंख्या गिनने का दिन नहीं, बल्कि यह सोचने का अवसर है कि क्या देश अपनी सबसे बड़ी मानव पूंजी को विकास की ताकत बना पाएगा या यही आबादी भविष्य में सबसे बड़ी चुनौती बन जाएगी। आज भारत लगभग 148 करोड़ लोगों के साथ दुनिया का सबसे अधिक आबादी वाला देश है। एक वर्ग इसे देश की सबसे बड़ी शक्ति मानता है, जबकि दूसरा इसे बेरोजगारी, संसाधनों पर बढ़ते दबाव और सामाजिक असमानता की वजह मानता है। सच यह है कि आबादी अपने आप में न ताकत होती है और न बोझ। उसकी दिशा शिक्षा, स्वास्थ्य, कौशल और रोजगार तय करते हैं। किसी भी देश की वास्तविक ताकत उसके नागरिकों की गुणवत्ता से तय होती है। यदि लोग शिक्षित, स्वस्थ और कुशल हैं तो बड़ी आबादी आर्थिक विकास का इंजन बन जाती है। कमजोर शिक्षा, सीमित रोजगार और खराब स्वास्थ्य व्यवस्था उसी आबादी को विकास में बाधा बना देती है। चीन ने दशकों तक प्रशिक्षित कार्यबल के दम पर दुनिया की फैक्ट्री बनने का गौरव हासिल किया, लेकिन आज वहां तेजी से बढ़ती वृद्ध आबादी नई चुनौती बन गई है। भारत की स्थिति अलग है। यहां औसत आयु लगभग 29 वर्ष है और करीब 65 प्रतिशत आबादी कार्यशील आयु वर्ग में है। हमारे लिए यह जनसांख्यिकीय लाभांश यानी डेमोग्राफिक डिविडेंड है, लेकिन यह अवसर स्थायी नहीं है। यदि आने वाले वर्षों में शिक्षा, कौशल और रोजगार पर पर्याप्त निवेश नहीं हुआ तो यही लाभांश भविष्य में आर्थिक और सामाजिक दबाव में बदल सकता है। भारत केवल आबादी के लिहाज से बड़ा नहीं है, बल्कि दुनिया के सबसे आकर्षक उपभोक्ता बाजारों में भी शामिल है। यही वजह है कि वैश्विक कंपनियां भारत को अगले दो दशकों का सबसे महत्वपूर्ण बाजार मान रही हैं। डिजिटल इंडिया और यूपीआई जैसी पहलों ने इस क्षमता को नई गति दी है। इंटरनेट गांवों तक पहुंचा है, डिजिटल भुगतान आम हो चुका है और स्टार्टअप संस्कृति ने युवाओं के लिए नए अवसर खोले हैं। इन उपलब्धियों के बावजूद एक बड़ी चुनौती सामने है। हर साल लाखों युवा रोजगार बाजार में प्रवेश करते हैं, लेकिन उद्योगों को योग्य कर्मचारी नहीं मिलते और युवाओं को उनकी क्षमता के अनुरूप रोजगार नहीं मिलता। समस्या केवल नौकरियों की संख्या नहीं, बल्कि रोजगार योग्य कौशल की भी है। यहीं सरकार की नीतियों की असली परीक्षा शुरू होती है। पिछले एक दशक में नई शिक्षा नीति, स्किल इंडिया, मेक इन इंडिया, डिजिटल इंडिया, स्टार्टअप इंडिया और आयुष्मान भारत जैसी कई महत्वाकांक्षी योजनाएं शुरू की गईं। इनसे नए अवसर जरूर बने हैं, लेकिन अपेक्षित परिणाम अभी पूरी तरह सामने नहीं आए हैं।

नई शिक्षा नीति कौशल आधारित शिक्षा पर जोर देती है, लेकिन ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षकों की कमी, डिजिटल संसाधनों का अभाव और राज्यों के बीच असमानताएं इसकी राह कठिन बनाती हैं। स्किल इंडिया ने प्रशिक्षण का दायरा बढ़ाया है, लेकिन उद्योगों और प्रशिक्षण संस्थानों के बीच बेहतर तालमेल अभी भी जरूरी है। स्टार्टअप इंडिया ने नवाचार को बढ़ावा दिया है, हालांकि इसका लाभ अभी मुख्य रूप से बड़े शहरों तक सीमित है। छोटे शहरों और ग्रामीण भारत को भी इस बदलाव से जोड़ना होगा। इतनी बड़ी आबादी वाले देश के लिए मजबूत स्वास्थ्य व्यवस्था अनिवार्य है। आयुष्मान भारत जैसी योजनाओं ने लाखों परिवारों को राहत दी है, लेकिन ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाएं, डॉक्टरों की उपलब्धता, कुपोषण और मानसिक स्वास्थ्य जैसी चुनौतियां अभी भी गंभीर हैं। इसी तरह महिलाओं की आर्थिक भागीदारी बढ़ाए बिना भारत अपनी पूरी क्षमता हासिल नहीं कर सकता। भारत के लिए अगले 20 से 25 वर्ष निर्णायक हैं। 148 करोड़ लोगों का देश होना न उपलब्धि है और न समस्या। असली सवाल यह है कि इन लोगों में कितने शिक्षित, स्वस्थ, कुशल और उत्पादक हैं। यदि भारत अपनी मानव पूंजी में सही निवेश करता है तो यही आबादी उसकी सबसे बड़ी ताकत बनेगी। यदि यह अवसर चूक गया, तो यही संख्या भविष्य की सबसे बड़ी चुनौती भी साबित हो सकती है। विश्व जनसंख्या दिवस हमें यही याद दिलाता है कि किसी भी राष्ट्र की सबसे बड़ी संपत्ति उसके नागरिक होते हैं। भारत के पास दुनिया की सबसे बड़ी युवा मानव पूंजी है। अब यह देश पर निर्भर है कि वह इसे विकास की सबसे बड़ी शक्ति बनाता है या एक चूके हुए अवसर में बदल देता है।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

मुंह के मौन से ज्यादा ज़रूरी 'मन का मौन'

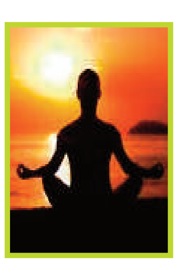

संकलित
दर्शन

हम सभी मनुष्य जन्मते ही अपना मुख चलाना शुरू कर देते हैं, जिसका प्रमाण है जन्म लेते ही शिशु का रोना। बोलना हमारी स्वाभाविक क्रिया है, जो हमें करनी ही पड़ती है। यह बात और है कि कभी-कभी बाहर के शोर में हम इतने खो जाते हैं कि ईश्वर का स्वर हमें सुनाई ही नहीं पड़ता। इसीलिए ही महापुरुषों से हमें एक उत्तम राय मिलती है कि सप्ताह में या माह में एक दिन अवश्य मौन रहें, परंतु हम मुख को तो बंद कर लेते हैं, परंतु हमारे मन का बोलना बंद नहीं हो पाता। इसलिए ही तो अधिकतर डाक्टर सभी मरीजों को कहते हैं कि 'अपने मन को ज्यादा नहीं चलाओ।' अर्थात 'मन का मौन' करो। कहते हैं कि बिना हड्डी की जीभ जब बोलने लगती है, तो कइयों की हड्डियां तोड़ देती है। इसीलिए तो हमें यह बचपन से सिखाया जाता है कि पहले सोचो फिर बोलो, क्योंकि जैसे कमान से निकला हुआ तीर वापस नहीं आता, ठीक उसी तरह मुख से निकला हुआ वचन भी वापस नहीं लिया जा सकता। इसका सबसे श्रेष्ठ उदाहरण है महाभारत की कथा, जिससे हमें यह सीख मिलती है कि कैसे एक जुबान के फिसलने से संकटकाल का निर्माण हो गया। इसीलिए 'कम बोलें-धीरे बोलें-मीठा बोलें।' हम जब भी कुछ बोलें तो हमारे वचन दूसरों के लिए सुखदायी हों, न कि कांटा चुभाने वाले दुखदायी। संसार में ऐसे अनेक लोग हैं जिन्होंने कटु वचन बोलने के संस्कार के कारण अपने संबंधों में खटास पैदा कर ली है। इसलिए हमें सदैव सही समय और सही जगह पर सही शब्द का प्रयोग करना चाहिए।

एक दिन का पुण्य ही क्यूं

संकलित
प्रेरणा

निर्जला एकादशी से अगले दिन एक भिखारी एक सज्जन की दुकान पर भीख मांगने पहुंचा। सज्जन व्यक्ति ने 1 रुपए का सिक्का निकाल कर उसे दे दिया। भिखारी को प्यास भी लगी थी, वो बोला बाबूजी एक गिलास पानी भी पिलवा दो, गला सूखा जा रहा है। सज्जन व्यक्ति ने गुस्से में कहाः तुम्हारे बाप के नौकर बैठे हैं क्या हम यहां, पहले पैसे, अब पानी, थोड़ी देर में रोटी मांगेगा, चल भाग यहां से। भिखारी बोलाः बाबूजी गुस्सा मत कीजिए मैं आगे कहीं पानी पी लूंगा। पर जहां तक मुझे याद है, कल आपने निर्जला एकादशी व्रत कथा का पाठ किया था, तथा कल इसी दुकान के बाहर मीठे पानी की छबील लगी थी और आप स्वयं लोगों को रोक रोक कर जबरदस्ती अपने हाथों से गिलास पकड़ा रहे थे, मुझे भी कल आपके हाथों से दो गिलास शर्बत पीने को मिला था। मैंने तो यही सोचा था, आप बड़े धर्मात्मा आदमी है, पर आज मेरा भरम टूट गया। कल की छबील तो शायद आपने लोगों को दिखाने के लिए लगाई होगी? मुझे आज आपने कड़वे वचन बोलकर अपना कल का सारा पुण्य खो दिया। मुझे छमा करना अगर मैं कुछ ज्यादा बोल गया हूं तो। सज्जन व्यक्ति को बात दिल पर लगी, उसकी नजरों के सामने बीते दिन का प्रत्येक दृश्य घूम गया। उसे अपनी गलती का अहसास हो रहा था। वह स्वयं अपनी गद्दी से उठा और अपने हाथों से गिलास में पानी भरकर उस बाबा को देते हुए उसे क्षमा प्रार्थना करने लगा। भिखारीः बाबूजी मुझे आपसे कोई शिकायत नही, परन्तु अगर मानवता को अपने मन की गहराइयों में नहीं बसा सकते तो एक-दो दिन किए हुए पुण्य कार्य व्यर्थ ही हैं।

सटाका

आज की पाती

स्वदेशी हाइड्रोजन ट्रेन से होगा हरित रेल क्रांति का आगाज

भारतीय रेल केवल देश का सबसे बड़ा सार्वजनिक परिवहन तंत्र नहीं, बल्कि भारत की आर्थिक, सामाजिक और औद्योगिक प्रगति की जीवनरेखा भी है। लगभग डेढ़ शताब्दी पहले भाप के इंजनों से शुरू हुई इसकी यात्रा आज अत्याधुनिक तकनीकों के नए युग में प्रवेश कर चुकी है। वंदे भारत, अमृत भारत, समर्पित माल गलियारे 'कवच' जैसी स्वदेशी सुरक्षा प्रणाली और व्यापक विद्युतीकरण के बाद अब भारतीय रेल हाइड्रोजन फ्यूल-सेल तकनीक के साथ एक और ऐतिहासिक उपलब्धि की दहलीज पर खड़ी है। विगत दिनों दिल्ली-जींद रेलखंड पर स्वदेशी हाइड्रोजन ट्रेन का सफल परीक्षण इस बात का संकेत है कि भारत हरित, आत्मनिर्भर और भविष्य उन्मुख रेल व्यवस्था की दिशा में निर्णायक कदम बढ़ा चुका है।

-सरिता कुमारी, झज्जर

करंट अफेयर

10 लाख महिलाओं को मदद मिलनी बंद हो गई : संरा

महिलाओं के लिए काम करने वाली संयुक्त राष्ट्र की एक एजेंसी ने शुक्रवार को कहा कि पिछले 18 महीनों में बजट में कटौती के कारण कम से कम 10 लाख महिलाओं को मानवीय और अन्य जरूरी मदद नहीं मिल पा रही है। एजेंसी 'यूएन वीमेन' का कहना है कि सर्वेक्षण में शामिल 84 प्रतिशत महिला संगठनों ने बताया है कि जनवरी 2025 से उनकी जरूरतें बढ़ गई हैं। इसी समय अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप ने सत्ता संभाली थी और विदेशी मदद में कटौती शुरू की थी। अमेरिका संयुक्त राष्ट्र को सबसे ज्यादा वित्तीय सहायता देने वाला देश है। एजेंसी की शीर्ष अधिकारी सोफिया कॉलटॉर्प ने कहा, 'महिलाओं के संगठनों से वापस लिया गया हर डॉलर, यौन हिंसा की शिकार महिलाओं, विस्थापित माताओं, स्कूल छोड़ने पर मजबूर लड़कियों और जीवित रहने के लिए संघर्ष कर रहे समुदायों से वापस लिया गया डॉलर है।' सर्वेक्षण में शामिल लगभग 90 प्रतिशत महिला समूहों ने कहा कि वे अब जरूरत के मौजूदा स्तर को पूरा नहीं कर सकते, और हर पांच में से एक समूह ने कहा कि उन्हें आशंका है कि वे अगले साल कुछ समय के लिए या हमेशा के लिए कामकाज बंद कर देंगे।

ऑफ बीट

युवाओं में बढ़ रहा कम उम्र में जुए की लत का खतरा

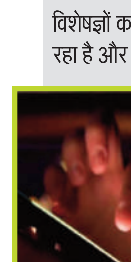

विशेषज्ञों का कहना है कि युवाओं में कम उम्र में जुए की लत लगने का खतरा बढ़ रहा है और इस समस्या से निपटने के लिए सरकार को जुए के विज्ञापनों और उद्योग पर कड़े नियंत्रण लगाने के साथ-साथ परिवारों को भी बच्चों को इसके दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना होगा। अध्ययन के अनुसार आठ प्रतिशत से अधिक वयस्क किसी न किसी रूप में जुए के दुष्प्रभावों से प्रभावित हैं, जबकि लगभग एक प्रतिशत वयस्क अत्यधिक जोखिम वाले स्तर पर जुआ खेलते हैं। शोधकर्ताओं ने कहा कि 18 से 34 वर्ष आयु वर्ग के युवाओं पर विशेष रूप से जुए की लत का जोखिम है। नियमित रूप से 'पोकी' (पोकर मशीन) और ऑनलाइन सट्टेबाजी करने वाले इस आयु वर्ग के लगभग 90 प्रतिशत लोगों को आर्थिक नुकसान, रिश्ते टूटने और अन्य गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ता है। विशेषज्ञों के अनुसार, पोकर मशीन और ऑनलाइन सट्टेबाजी जैसे जुए के कुछ स्वरूप अन्य की तुलना में अधिक नुकसानदेह हैं और इनसे लत लगने की आशंका अधिक रहती है। उन्होंने कहा कि जुए से होने वाला सबसे आम नुकसान आर्थिक होता है। इसमें खर्च के लिए कम धन बचने से लेकर जीवनभर की बचत या मकान तक गंवाने जैसी गंभीर स्थितियां शामिल हैं।

ट्रेंड

भारत-न्यूज़ीलैंड की दोस्ती

नाद वोकल एन्सेम्बल की शानदार प्रस्तुति देखकर बहुत खुशी हुई। संगीत में लोगों को एक साथ लाने की अनोखी क्षमता होती है और आज की प्रस्तुति ने भारत-न्यूज़ीलैंड की दोस्ती की गर्मजोशी और गहराई को खूबसूरती से दर्शाया।

- **नरेंद्र मोदी,** प्रधानमंत्री

रेड्डी का गणित कमजोर

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी का गणित कमजोर है। वे बार-बार कहते हैं कि केंद्र ने कुछ नहीं दिया। कांग्रेस के ये लोग बस एक ही बात दोहराते हैं: वे खुद कुछ कमा नहीं सकते और दूसरों का सहारा लेना बंद नहीं करेंगे! हिमाचल प्रदेश में भी वे यही करते हैं।

- **जगत प्रकाश नड्डा,** केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री

16 पार्षद भाजपा में शामिल

आज दिल्ली की प्रगति और जनसेवा के संकल्प को नई मजबूती मिली है। इंद्रप्रस्थ डेवलपमेंट पार्टी के सोलह पार्षद भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गए हैं। पार्षदों का यह निर्णय राजधानी के विकास कार्यों को नई गति देगा।

- **रेखा गुप्ता,** सीएम, नई दिल्ली

अप्रेंटिसशिप जरूरी

अब भारत में अप्रेंटिसशिप की बड़े पैमाने पर वापसी के लिए सही समय आ गया है। मैन्युफैक्चरिंग हमारे लिए बहुत ज़रूरी है। और एआई व नई टेक्नोलॉजी के आने के साथ, 'काम करते हुए सीखना' ही आगे बढ़ने का सही रास्ता है।

- **अनिल अग्रवाल,** उद्यमी

अपने विचार
हरिभूमि कार्यालय
पीबी-2, चतुर्थ तल, मानसरोवर कॉम्पलैक्स, वार्ड नं. 50, शिवाजी नगर, निकट रानी कमलापति रेलवे स्टेशन, होशंगाबाद रोड, भोपाल, (म.प्र.) 462016
aapkepatra.haribhoomi@gmail.com पर भेज सकते हैं।

जल संरक्षण और पुनर्स्थापना कार्य शुरू

औबेदुल्लागंज वन विभाग ने 7 हेक्टेयर वन भूमि कराई अतिक्रमण मुक्त

वन भूमि को अतिक्रमण मुक्त कर पौधरोपण के लिए गड्ढे बनाती जेसीबी।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ औबेदुल्लागंज

वरिष्ठ अधिकारियों के कुशल मार्गदर्शन एवं निर्देशन में वनमंडल औबेदुल्लागंज के अंतर्गत वन परिक्षेत्र चिकलोद द्वारा अतिक्रमण विरोधी अभियान चलाते हुए बीट बीजोर के कक्ष क्रमांक 327 में दो दिवसीय विशेष कार्रवाई की गई। यह अभियान 8 एवं 9 जुलाई को संचालित किया गया। कार्रवाई के दौरान लगभग 7 हेक्टेयर वन भूमि को अतिक्रमण के प्रयासों एवं अतिक्रमण से पूर्णतः मुक्त कराया गया। वन विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर प्रभावी कार्रवाई करते हुए वन भूमि का पुनर्स्थापना कार्य भी प्रारंभ किया।

बीट बीजोर के कक्ष क्रमांक 327 में दो दिवसीय विशेष कार्रवाई

मुक्त हुई जमीन पर वानिकी प्रजातियों के बीजों की बुआई

वन क्षेत्र के स्थायी संरक्षण एवं भविष्य में अतिक्रमण की पुनरावृत्ति रोकने के उद्देश्य से जेसीबी मशीन के माध्यम से जल संरक्षण एवं वर्षा जल संवर्धन संरचनाओं का निर्माण कराया गया। साथ ही क्षेत्र में वानिकी प्रजातियों के बीजों की बुआई कर वन क्षेत्र को पुनर्जीवित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए गए।

वाहनों को भी किया जाएगा राजसात

इस दौरान वन विभाग ने आसपास के ग्रामीणों को समझाइश देते हुए स्पष्ट किया कि भविष्य में किसी भी व्यक्ति द्वारा वन भूमि पर अतिक्रमण का प्रयास किए जाने पर उसके विरुद्ध सख्त वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। विभाग ने यह भी चेतावनी दी कि अतिक्रमण में प्रयुक्त वाहनों को जब्त कर राजसात करने की कार्रवाई की जाएगी। वन विभाग ने कहा कि वन भूमि की सुरक्षा, संरक्षण एवं पर्यावरण संतुलन बनाए रखने के लिए अतिक्रमण विरोधी अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

खबर संक्षेप

आरोपी गिरफ्तार, मशीनें और लकड़ी जब्त की

भोपाल। वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में वनमंडल रायसेन एवं वनमंडल औबेदुल्लागंज की संयुक्त टीम ने अवैध सागौन कटाई के मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए लंबे समय से फरार चल रहे आरोपियों को गिरफ्तार किया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, वन परिक्षेत्र गढ़ी में दर्ज वन अपराध प्रकरण क्रमांक 46315/14 एवं 46315/15 (दिनांक 30 जून 2026) में फरार आरोपियों को वन परिक्षेत्र चिकलोद अंतर्गत ग्राम मुरारी से गिरफ्तार किया गया। कार्रवाई के बाद आरोपियों को अग्रिम वैधानिक प्रक्रिया हेतु वनमंडल रायसेन की टीम के सुपुर्द किया गया। इसके बाद संयुक्त टीम ने तीन स्थानों पर तलाशी अभियान चलाया, जिसमें 2 पेट्रोल चेनसॉ मशीन, 1 ग्राइंडर मशीन, 1 कुल्हाड़ी, 2 हाथ आरी तथा 1 सागौन का लट्ठा बरामद किया गया। जब्त सामग्री का नियमानुसार पंचनामा बनाकर विधिक कार्रवाई की गई। वन विभाग ने कहा कि वन अपराधों के विरुद्ध अभियान लगातार जारी रहेगा तथा अवैध कटाई एवं वन संपदा की तस्करी में शामिल व्यक्तियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

क्रेडिट कार्ड, फोन हैक कर 7.90 लाख उड़ाए

भोपाल। राजधानी में साइबर अपराध थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। शहर के अलग-अलग थाना क्षेत्रों में क्रेडिट कार्ड और मोबाइल फोन हैक कर ठगी के तीन मामले सामने आए हैं। इन वारदातों में साइबर ठगों ने तीन लोगों से कुल 7.90 लाख रुपए की ठगी कर ली। पुलिस ने अलग-अलग मामलों में प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार पहला मामला शाहजहांनाबाद थाना क्षेत्र का है। ईदगाह हिल्स निवासी फारूक अजीज ने शिकायत दर्ज कराई है कि 25 जून को उनके पास एक कॉल आया। इसके बाद साइबर ठगों ने उन्हें झांसे में लेकर बैंक संबंधी जानकारी हासिल की और उनके खाते से 5 लाख रुपए निकाल लिए। वहीं ऐशबाग थाना क्षेत्र में साइबर ठगों ने 2 लाख रुपए की धोखाधड़ी की। बागसेवनिया थाना क्षेत्र के है। साकेत नगर निवासी अंजू अरविंद के मोबाइल को आरोपी ने हैक कर लिया। इसके बाद उनके बैंक खाते से 90 हजार रुपए निकाल लिए।

प्लंबर ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

भोपाल। राजधानी के बैरागढ़ थाना क्षेत्र में एक 60 वर्षीय बुजुर्ग ने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि वे पिछले आठ महीने से पैरालिसिस (लकवा) की बीमारी से जूझ रहे थे और लंबे समय से मानसिक तनाव में थे। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार मृतक की पहचान मनोहर लाल रैकवार (60) पिता मोहनलाल रैकवार, निवासी बेटा गांव, बैरागढ़ के रूप में हुई है। वे पेशे से प्लंबर थे। करीब आठ महीने पहले उन्हें पैरालिसिस का अटैक आया था।

शुभांक

कल्याण:	1736		
दिन:	790	64	239
रात:	679	22	237
तारा:			
दिन:	468	82	660
रात:	237	29	469

शुक्रवार दोपहर करीब 12 बजे की प्लेटफॉर्म नंबर-6 स्थित ऑटो स्टैंड का मामला

भोपाल रेलवे स्टेशन पर ऑटो में मिली एक माह की मासूम, परिजनों की तलाश में जुटी जीआरपी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राजधानी के भोपाल रेलवे स्टेशन पर शुक्रवार को एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया।

प्लेटफॉर्म नंबर-6 स्थित ऑटो स्टैंड पर खड़े एक ऑटो में करीब एक माह की मासूम बच्ची लावारिस हालत में मिली। सूचना मिलते ही राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) मौके पर पहुंची और बच्ची को सुरक्षित संरक्षण में लेकर उसका मेडिकल परीक्षण कराया। पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज कर बच्ची को छोड़ने वाले की तलाश शुरू कर दी है। जीआरपी के मुताबिक शुक्रवार दोपहर करीब 12 बजे सूचना मिली कि प्लेटफॉर्म नंबर-6 के ऑटो स्टैंड पर खड़े एक ऑटो में एक नवजात बच्ची को छोड़ दिया गया है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची। ऑटो चालक शकील ने पुलिस को बताया कि वह सवारी लेने स्टेशन परिसर की ओर गया था। इसी दौरान आसपास मौजूद अन्य ऑटो चालकों ने उसे सूचना दी कि उसके ऑटो में एक बच्ची रखी हुई है। जब उसने ऑटो में जाकर देखा तो बच्ची अकेली पड़ी थी।

बच्ची को जीआरपी ने संरक्षण में लिया

पुलिस के अनुसार बच्ची की उम्र करीब एक माह है। उसने गुलाबी रंग की हाफ टी-शर्ट और डायपर पहन रखा था। उसे पीले-हरे रंग के सूती कपड़े तथा गुलाबी तौलिये में लपेटकर ऑटो में छोड़ दिया गया था। मौके पर ऐसा कोई सामान या दस्तावेज नहीं मिला, जिससे बच्ची की पहचान या उसके परिजनों के बारे में जानकारी मिल सके।

सवालः बच्ची को ऑटो में कौन छोड़कर गया

पुलिस ने बच्ची को सुरक्षित संरक्षण में रखा है और संबंधित विभागों को भी इसकी सूचना दे दी गई है। मामले में अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर रेलवे स्टेशन और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि बच्ची को ऑटो में कौन छोड़कर गया और उसके परिजन कौन हैं। जीआरपी ने लोगों से अपील की है कि यदि किसी के पास बच्ची या उसके परिजनों से संबंधित कोई जानकारी हो तो तत्काल पुलिस को सूचित करें।

बच्ची के परिजनों की तलाश

जीआरपी ने ऑटो चालक के साथ स्टेशन परिसर और आसपास के क्षेत्र में बच्ची के परिजनों की तलाश की, लेकिन कोई सफलता नहीं मिली। इसके बाद बच्ची को जीआरपी थाने लाया गया और इंदिरा गांधी महिला एवं बाल चिकित्सालय में उसका मेडिकल परीक्षण कराया गया। चिकित्सकों ने जांच के बाद बच्ची को स्वस्थ बताया।

कार्रवाई की मांग को लेकर कमिश्नर कार्यालय पहुंचे परिजन

12 महीने की बच्ची की ट्रैक्टर-ट्रॉली की टक्कर से मौत, आरोपी अब तक फरार

राजधानी के मिसरोद थाना क्षेत्र में 12 महीने की मासूम बच्ची की ट्रैक्टर-ट्रॉली की चपेट में आने से मौत हो गई। घटना के बाद बच्ची का कई दिनों तक अस्पताल में इलाज चला, लेकिन गंभीर चोटों के कारण उसने दम तोड़ दिया। अंतिम संस्कार के बाद परिजन आरोपी की गिरफ्तारी और कड़ी कार्रवाई की मांग को लेकर पुलिस कमिश्नर कार्यालय पहुंचे। परिजनों ने आरोपी पर धमकाने और राजनीतिक संरक्षण का हवाला देकर कार्रवाई से बचने की कोशिश करने का भी आरोप लगाया है।

जानकारी के अनुसार 7 जून को मिसरोद क्षेत्र में रहने वाली 12 महीने की कीर्ति अपने घर के बाहर खेल रही थी। इसी दौरान ट्रैक्टर-ट्रॉली को रिवर्स लेते समय चालक कमल राजपूत ने कथित तौर पर लापरवाही बरती और बच्ची वाहन की चपेट में आ गई। हादसे में मासूम के सिर और चेहरे पर गंभीर चोटें आईं। परिजन तत्काल उसे उपचार के लिए एम्स ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे बचाने का प्रयास किया, लेकिन इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। बच्ची की मौत के बाद परिवार में मातम पसरा हुआ है। अंतिम संस्कार के बाद परिजन न्याय की मांग को लेकर पुलिस कमिश्नर कार्यालय पहुंचे और आरोपी की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की। उनका आरोप है कि घटना के बाद से आरोपी फरार है और पुलिस अब तक उसे गिरफ्तार नहीं कर सकी है।

परिजनों का यह भी आरोप है कि आरोपी उन्हें लगातार धमका रहा है। उनका कहना है कि आरोपी ने एक पार्षद का नाम लेते हुए कहा कि तुम हमारा कुछ नहीं बिगाड़ पाओगे और कार्रवाई कराने पर गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी। इस कारण परिवार भय के माहौल में है।

परिजनों ने पुलिस प्रशासन से आरोपी के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करने, जल्द गिरफ्तारी सुनिश्चित करने और परिवार को सुरक्षा उपलब्ध कराने की मांग की है। वहीं, पुलिस का कहना है कि मामले की जांच जारी है और आरोपी की तलाश की जा रही है। साक्ष्यों के आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

औबेदुल्लागंज में स्वच्छता अभियान पर सवाल

वार्डों में रास्तों पर कीचड़ गंदगी से नागरिक परेशान

रास्ते में भरा बारिश का पानी।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ औबेदुल्लागंज

एक ओर नगर परिषद स्वच्छता अभियान की सफलता के दावे कर रही है, वहीं दूसरी ओर नगर के अधिकांश वार्डों में जगह-जगह फैली गंदगी इन दावों की पोल खोलती नजर आ रही है। सड़कों, गलियों और सार्वजनिक स्थानों पर कचरे के ढेर तथा नियमित सफाई नहीं होने से नागरिकों में नाराजगी बढ़ रही है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि स्वच्छता अभियान केवल कागजों और बैठकों तक सीमित होकर रह गया है। जमीनी स्तर पर नियमित सफाई नहीं होने से कई वार्डों में गंदगी का अंबार लगा हुआ है। बरसात के मौसम में स्थिति और गंभीर हो गई है, जिससे दुर्गंध फैलने के साथ-साथ संक्रामक बीमारियों का खतरा भी बढ़ गया है।

साफ-सफाई की नियमित निगरानी नहीं हो रही

वार्ड में कचरे के लगे ढेर।

नागरिकों ने आरोप लगाया कि सफाई व्यवस्था की नियमित निगरानी नहीं होने के कारण सफाई कर्मचारियों की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठ रहे हैं। लोगों का कहना है कि यदि समय पर कचरे का उठाव और नालियों की सफाई की जाए तो नगर को स्वच्छ रखा जा सकता है। नगरवासियों ने नगर परिषद प्रशासन से मांग की है कि सभी वार्डों में नियमित सफाई अभियान चलाया जाए, कचरे का समय पर उठाव सुनिश्चित किया जाए तथा लापरवाही बरतने वाले संबंधित कर्मचारियों और अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए, ताकि स्वच्छता अभियान का लाभ आम जनता तक वास्तविक रूप से पहुंच सके।

अभाविप ने किया आयोजन

नशे से दूरी... सेवा है जरूरी मुद्दे पर लिया जागरूकता का संकल्प

पौधा वितरित करते अतिथि।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मंडीदीप

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) मंडीदीप द्वारा परिषद के 78वें स्थापना दिवस एवं राष्ट्रीय विद्यार्थी दिवस के अवसर पर विकासार्थ विद्यार्थी एवं सेवार्थ विद्यार्थी के संयुक्त तत्वावधान में विद्यार्थी विचार संकल्प कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का मुख्य विषय नशे से दूरी, सेवा है ज़रूरी रहा, जिसमें विद्यार्थियों के बीच बढ़ती नशे की प्रवृत्ति, उसके सामाजिक दुष्परिणाम तथा युवाओं को सेवा और राष्ट्र निर्माण के कार्यों से जोड़ने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर सार्थक चर्चा हुई है।

नशे दूर रहें तथा मित्रों और समाज को भी जागरूक करें

कार्यक्रम में अभाविप भोजपुर जिला संयोजिका प्राची मालवीय ने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे नशे दूर रहें तथा मित्रों और समाज को भी जागरूक करें। कार्यक्रम में उपस्थित विद्यार्थियों ने समाज को नशामुक्त बनाने तथा सेवा कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में अभाविप के नगर मंत्री राघव श्रीवास्तव, कार्यालय मंत्री अजय परमार महाविद्यालय सयोजक आदित्य शर्मा, नगर संयोजक बैरी लोकेश राव, नगर संयोजक शिवा श्रीवास्तव, नगर खेलो भारत सह सयोजक सौरभ राजपूत, सह संयोजिका माया लोवंशी, विद्यालय सह प्रमुख प्रिया सहित कार्यकर्ता एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

निवेश के नाम पर दो लोगों को बनाया शिकार

शेयर ट्रेडिंग और रियल एस्टेट का झांसा देकर 33 लाख ठगे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राजधानी में साइबर ठगों और निवेश के नाम पर धोखाधड़ी करने वालों का नेटवर्क लगातार सक्रिय है। शहर में सामने आए दो अलग-अलग मामलों में शेयर ट्रेडिंग और रियल एस्टेट कारोबार में निवेश का लालच देकर दो लोगों से कुल 33 लाख रुपए की ठगी कर ली गई। दोनों मामलों में पुलिस ने धोखाधड़ी के प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पहला मामला मिसरोद थाना क्षेत्र का है। पुलिस के मुताबिक सलैया निवासी 48 वर्षीय रोहित वर्मा, जो एक निजी बैंक से सेवानिवृत्त कर्मचारी हैं, इंस्टाग्राम पर शेयर ट्रेडिंग से जुड़े एक विज्ञापन के संपर्क में आए। विज्ञापन के माध्यम से उन्होंने एक ट्रेडिंग ऐप डाउनलोड किया। इसके बाद खुद को निवेश सलाहकार बताने वाले आरोपियों ने उन्हें कम समय में अधिक मुनाफा कमाने का भरोसा दिलाया। आरोपियों के झांसे में आकर रोहित वर्मा ने अलग-अलग किस्तों में करीब 23 लाख रुपए विभिन्न बैंक खातों में ट्रांसफर कर दिए। जब उन्होंने निवेश की गई राशि और मुनाफा वापस मांगा तो आरोपियों ने संपर्क बंद कर दिया। ठगी का एहसास होने पर उन्होंने पुलिस से शिकायत की। पुलिस अब संबंधित बैंक खातों, मोबाइल नंबरों और ऑनलाइन लेनदेन की जांच कर रही है। दूसरा मामला निशातपुरा थाना क्षेत्र का है। यहां फिजियोथेरेपिस्ट नीरज तिवारी ने अपने रिश्तेदार संजय तिवारी पर रियल एस्टेट कारोबार में निवेश के नाम पर 10 लाख रुपए की धोखाधड़ी करने का आरोप लगाया है। शिकायत के अनुसार, आरोपी ने जमीन और प्रॉपर्टी के कारोबार में अच्छा मुनाफा होने का भरोसा देकर रकम ली थी। बाद में पैसे लौटाने की बात कहकर लगातार टालता रहा।

टेक्निकल रेजिग्नेशन से नियुक्त कर्मचारियों को पे-प्रोटेक्शन देने की मांग

ऐबू-निफ्टू ने कहा- नई भर्ती आर्टिजनों के समेकित वेतन पुनरीक्षण दिया जाए

ऐबू-निफ्टू ने दिल्ली कॉर्पोरेट में निदेशकके समक्ष उठाया मुद्दा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

ऑल इंडिया बीएचईएल एम्प्लॉइज यूनियन (एआईबीईयू संबद्ध निफ्टू) का एक प्रतिनिधिमंडल, इकाई महासचिव एवं निफ्टू के प्रदेश अध्यक्ष रामनारायण गिरी के नेतृत्व में 9 जुलाई को बीएचईएल कॉर्पोरेट कार्यालय, नई दिल्ली में निदेशक (पॉवर एवं मानव संसाधन) तजिन्दर गुप्ता से मिला तथा कर्मचारियों के हितों से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा की। प्रतिनिधिमंडल में कार्यवाहक अध्यक्ष आशीष सोनी, कोषाध्यक्ष विशाल वाणी एवं सह-कोषाध्यक्ष धर्मेंद्र गुप्ता शामिल रहे। बैठक में राम नारायण गिरी ने नई भर्ती आर्टिजनों को नियुक्ति के बाद एक वर्ष की अस्थायी सेवा अवधि के दौरान देय समेकित मासिक राशि के पुनरीक्षण का मुद्दा प्रमुखता से उठाया।

अधिकारी से मांगों को लेकर प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात की।

राशि का अंतिम संशोधन अप्रैल 2011 में किया था

यूनियन ने बताया कि इस राशि का अंतिम संशोधन अप्रैल 2011 में किया गया था और पिछले लगभग 15 वर्षों से इसमें कोई वृद्धि नहीं हुई है। साथ ही विभिन्न इकाइयों में राज्य सरकारों की न्यूनतम मजदूरी के अनुसार भुगतान किए जाने से नए कर्मचारियों के वेतन में असमानता उत्पन्न हो रही है। यूनियन ने मांग की कि एक बीएचईएल, एक वेतन की भावना के अनुरूप सभी इकाइयों में एक समान व्यवस्था लागू करते हुए नई भर्ती आर्टिजनों के समेकित वेतन का शीघ्र पुनरीक्षण किया जाए तथा इसे आर्टिजन ए-2 ग्रेड के मूल वेतन के बराबर निर्धारित किया जाए। यूनियन ने निदेशक को एक विस्तृत अभ्यावेदन सौंपते हुए मांग की कि ऐसे सभी पात्र कर्मचारियों के प्रकरणों की समीक्षा कर उन्हें उनकी पूर्व सेवा के अंतिम मूल वेतन के आधार पर पे प्रोटेक्शन का लाभ प्रदान किया जाए। निदेशक तजिन्दर गुप्ता ने सभी विषयों को गंभीरता से सुना और सकारात्मक प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए मांगों पर गंभीरता से विचार करने का आश्वासन दिया।

भाजपा से चौहान तो कांग्रेस में पाल के नाम को लेकर समर्थकों के दावे

मंडीदीप नपा अध्यक्ष चुनाव के लिए भाजपा से तीन नाम, कांग्रेस से एक नाम की चर्चा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मंडीदीप

वैसे तो नगरीय निकाय के चुनाव होने में अभी एक वर्ष बाकी है। मोहन सरकार द्वारा कैबिनेट में अहम फैसला लिया गया, जिसमें नगर पालिका, नगर निगम और नगर परिषद के अध्यक्ष और महापौर के लिए सीधे जनता से चुने जाने को लेकर मुहर लगी है, तब से नगरीय निकाय में अध्यक्ष पद चुनाव को लेकर कई क्षेत्रीय नेता खादी कुर्ता, पायजामा का नाप दर्जी को दे रहे हैं।

एक माह बाद अध्यक्ष के लिए सीट आवंटन और आरक्षण निश्चित होगा, वही मंडीदीप के नेता अध्यक्ष के लिए बड़े नेताओं के बंगले झांक रहे हैं।

नगरीय निकाय के चुनाव होने में अभी एक वर्ष बाकी

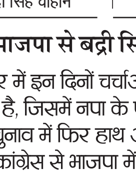

बद्री सिंह चौहान

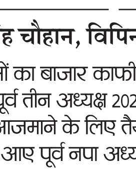

विपिन भार्गव

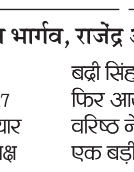

राजेंद्र अग्रवाल

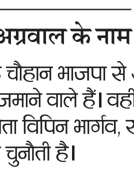

उमेश पाल

सुशील शर्मा

भाजपा से बद्री सिंह चौहान, विपिन भार्गव, राजेंद्र अग्रवाल के नाम आ रहे सामने

नगर में इन दिनों चर्चाओं का बाजार काफी गर्म है, जिसमें नपा के पूर्व तीन अध्यक्ष 2027 के चुनाव में फिर हाथ आजमाने के लिए तैयार है। कांग्रेस से भाजपा में आए पूर्व नपा अध्यक्ष बद्री सिंह चौहान भाजपा से अपनी किस्मत फिर आजमाने वाले हैं। वही भाजपा से ही दो वरिष्ठ नेता विपिन भार्गव, राजेंद्र अग्रवाल एक बड़ी चुनौती है।

नप चुनाव के लिए कांग्रेस से उमेश पाल भी मैदान में, नाम पर चर्चा

कांग्रेस में माने तो सिर्फ वरिष्ठता में सिंगल नाम चर्चा का विषय है, जिसमें उमेश पाल पूर्व नपा अध्यक्ष भी कोई कोर कसर नहीं छोड़ना चाहेंगे। पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष दीपेश मीणा, प्रदेश अध्यक्ष पटवारी के खास माने जा रहे हैं, परंतु चुनाव में कब कैसी बाजी पलट जाए, कहना मुश्किल है।

सुशील शर्मा भी भर रहे दम

सतलापुर से सुशील शर्मा का भी नाम नपा अध्यक्ष के लिए लोगों के जुबान पर है। हालांकि पिछला चुनाव उनकी पत्नी कुछ वोटो के अंतराल से हार गई थी। चर्चा है कि षड्यंत्र के शिकार हो गए थे।

नगर विकास ही होगा अहम मुद्दा

नगर चुनाव में इस बार भी पिछली परिषद के चुनाव की तरह विकास के मुद्दे एहम होंगे जिसमें, नगर के 26 वार्डो में मूलभूत सुविधाएं एवं शासन की योजना को लेकर जो नेता जनता से समन्वय बना सकेगा जनता उसी को वोट देगी।

शादी का झांसा देकर दुष्कर्म का आरोप

भोपाल। राजधानी के बागसेवनिया थाना क्षेत्र में शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी राहुल के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर उसे नोटिस जारी किया है। पुलिस के अनुसार अमराई परिसर, यहां की एक महिला ने शिकायत दर्ज कराई है कि उसकी पहचान वर्ष 2018 में राहुल से हुई थी। महिला का आरोप है कि वर्ष 2018 से 2026 के बीच आरोपी ने कई बार शादी का वादा कर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए। आरोपी उसे शादी का भरोसा देता रहा, लेकिन बाद में मुकर गया।

प्रेम प्रवाहिनी रथ की दिव्य यात्रा निकाली गई।

अवधपुरी, वेदवती कॉलोनी, ग्राम टांडा में पहुंचा प्रेम प्रवाहिनी रथ

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

श्री सत्य साईं सेवा संगठन भोपाल की पिपलानी समिति के अंतर्गत श्री सत्य साई बाबा के प्रेम प्रवाहिनी रथ का दिव्य यात्रा निकाली गई। समिति के संयोजक अनिल इंगले ने बताया कि यह यात्रा अवधपुरी, वेदवती कॉलोनी में निकाली गई जहां पर निवासियों द्वारा भगवान के दिव्य रथ का पूर्ण विधि विधान से स्वागत किया, आरती उपरांत प्रसाद का वितरण भी किया गया। ज्ञात है कि यह रथ 4 जुलाई से भोपाल के विभिन्न स्थानों पर भ्रमण कर रहा है एवं आम जन को कृतार्थ कर रहा है। उल्लेखनीय है कि आंध्र प्रदेश के पुट्टापार्थी से आरम्भ हुआ ये रथ देश के विभिन्न गांव, शहरों और साई समितियों के भक्तों के बीच प्रेम प्रवाहित करते हुए लगातार भ्रमण कर रहा है।

सत्य साई स्कूल में पिपलानी में बच्चों ने दर्शन कर किए

वेदवती कॉलोनी में रथ यात्रा का स्वागत किया गया।

सत्य साई स्कूल पहुंची रथ यात्रा।

अवधपुरी में रथ यात्रा की आरती उतारते श्रद्धालु।

11 जुलाई तक भोपाल में रहेगा रथ, अहिंसा का देगा संदेश

यह रथ ग्वालियर जिले की सत्य साईं समिति द्वारा भोपाल जिले को सौंपा है। यह रथ 11 जुलाई तक भोपाल में रहेगा एवं प्रतिदिन सुबह एवं शाम नगर के विभिन्न स्थानों में जाकर सत्य, धर्म, प्रेम, शांति एवं अहिंसा के बाबा के संदेश को जन जन तक पहुंचाने का कार्य कर रहा है। इस रथ के माध्यम से भगवान सत्य साईं बाबा द्वारा किये गए मानवता के कार्यों को भी सभी को बताने का प्रयास किया जा रहा है। शाम को बाबा का यह दिव्य रथ रायसेन रोड स्थित गोद लिए ग्राम टांडा में गया जहां सभी ग्रामवासियों ने भगवान बाबा के रथ की गर्मजोशी से स्वागत किया एवं दर्शन किए। इसके बाद यह रथ सत्य साईं स्कूल पिपलानी में रहा जहां स्कूल के बच्चों ने रथ के दर्शन किए एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी।

खबर संक्षेप

मानसिक रोगों के उपचार पर एक दिवसीय कार्यशाला कल

भोपाल। मानसिक रोगों के उपचार में तेजी से उभर रही रिपीटेटिव ट्रांसक्रेनियल मैग्नेटिक स्टिमुलेशन (आरटीएमएस) एवं डीप टीएमएस तकनीकों पर आधारित एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन रविवार को ताज लेक फ्रंट में सुबह 10 बजे से होगा। कार्यशाला के प्रोग्राम डायरेक्टर प्रो. (डॉ.) आर. एन. साहू, डायरेक्टर, भोपाल न्यूरो साइकियाट्रिक क्लीनिक एंड डायग्नोस्टिक सेंटर (बीएनपीसी) तथा प्रो. (डॉ.) परेश दोशी, डायरेक्टर, न्यूरो सर्जरी विभाग, जसलोक हॉस्पिटल, मुंबई होंगे। डॉ. साहू के अनुसार कार्यशाला में देश के प्रतिष्ठित संस्थानों निम्हांस (बेंगलुरु), सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ साइकियाट्री (रांची), कस्तूरबा मेडिकल कॉलेज (मंगलुरु) के विशेषज्ञ भाग लेंगे। प्रमुख वक्ताओं में प्रो. निशांत गोयल, डॉ. समीर कुमार प्रहराज, डॉ. श्याम सुंदर अरुमुगम एवं डॉ. अनिरुद्ध मुखर्जी भी शामिल होंगे। इस कार्यशाला का समन्वयन डॉ. समीक्षा साहू, सहायक प्राध्यापक, मनोरोग विभाग, गांधी मेडिकल कॉलेज द्वारा किया जा रहा है। कार्यशाला का उद्देश्य मनोरोग विशेषज्ञों, न्यूरोलॉजिस्ट, न्यूरोसर्जन्स, मनोवैज्ञानिकों एवं स्नातकोत्तर विद्यार्थियों को न्यूरोमॉड्यूलेशन की नवीनतम तकनीकों तथा उनके व्यावहारिक उपयोग से अवगत कराना है।

अब 0755-4314165 नंबर पर भी कर सकेंगे बिजली संबंधी शिकायत

भोपाल। मप्र मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने उपभोक्ताओं को अधिक सुविधाजनक, त्वरित एवं निर्बाध सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में कॉल सेंटर सेवाओं का विस्तार किया है। उपभोक्ताओं की बढ़ती आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए कॉल सेंटर की क्षमता बढ़ाने के लिए अतिरिक्त रकढ चैनल जोड़े गए हैं। साथ ही एयरटेल नेटवर्क के माध्यम से नया संपर्क नंबर प्रारंभ किया गया है। अब उपभोक्ता बीएसएनएल के टोल-फ्री नंबर 1912 के अतिरिक्त 0755-4314165 पर भी कॉल कर विद्युत आपूर्ति, बिल एवं स्मार्ट मीटर संबंधी शिकायत दर्ज कराने के साथ ही शिकायत की स्थिति तथा अन्य बिजली संबंधी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। यदि किसी कारणवश बीएसएनएल के टोल-फ्री नंबर 1912 पर संपर्क स्थापित नहीं हो पाता है, तो उपभोक्ता नए नंबर पर संपर्क कर कॉल सेंटर की सेवाओं का लाभ ले सकते हैं। प्रबंध संचालक ऋषि गर्ग ने कहा कि कंपनी का उद्देश्य आधुनिक तकनीक के माध्यम से उपभोक्ताओं को सरल, सुलभ, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण सेवाएं उपलब्ध कराना है।

जबलपुर-यशवंतपुर एक्स. में फर्स्ट एसी कोच की मिली सुविधा

भोपाल। रेल यात्रियों की सुविधा के लिए इटारसी होकर जाने वाली जबलपुर-यशवंतपुर एक्सप्रेस में सितंबर माह से एक फर्स्ट एसी कोच लगाने निर्णय लिया गया है। गाड़ी संख्या 12194 जबलपुर-यशवंतपुर में एक फस्ट एसी का कोच 12 सितम्बर से तो गाड़ी संख्या 12193 यशवंतपुर-जबलपुर एक्सप्रेस में एक फस्ट एसी का कोच 13 सितम्बर से प्रभावी रहेगा। दोनों ट्रेनों में निर्धारित तिथि से 01 फर्स्ट एसी, 02 सेकण्ड एसी, 05 थर्ड एसी, 01 थर्ड एसी इकॉनमी, 1 पेंट्रीकार, 6 स्लीपर क्लास, 04 जनरल कोच एवं 1 जनरेटरकार, 1 एसएलआरडी सहित कुल 22 एलएचबी कोच होंगे।

111 किलो पुष्पों से हुआ बाबा खाटू श्याम का विशेष श्रृंगार

योगिनी एकादशी पर श्रीकृष्ण भगवान ने खाटू श्याम स्वरूप में दिए दर्शन

बाबा खाटूश्याम का अद्भुत श्रृंगार।

सिंधी कॉलोनी स्थित बाबा खाटूश्याम मंदिर में भगवान के अद्भुत श्रृंगार का दर्शन करते श्रद्धालु।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

विष्णु भगवान की आराधना को समर्पित योगिनी एकादशी शुक्रवार को मनाई गई। इसके चलते श्री खाटू श्याम व श्रीकृष्ण मंदिरों में श्रद्धा और भक्ति का अनुपम संगम देखने को मिला। एकादशी बाबा खाटू श्याम व श्रीकृष्ण भगवान ने खाटू श्याम स्वरूप में दर्शन दिए। 111 किलो पुष्पों से बाबा खाटू श्याम का विशेष श्रृंगार हुआ। सुबह से ही भगवान श्रीकृष्ण व बाबा श्याम के दर्शन को श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लग गईं। चारों ओर खाटू नरेश की जय", हारे के सहारे की जय के जयकारों से वातावरण भक्तिमय हो गया। एकादशी पर मंदिरों में भी श्रीहरि के विशेष पूजन-अनुष्ठान हुए।

महिलाओं ने सौभाग्य व परिवार की सुख-शांति के लिए उपवास रखकर भगवान विष्णु की आराधना की। भक्तों ने भी भगवान विष्णु को प्रसन्न करने के लिए व्रत रख व विशेष पूजन,अनुष्ठान किया। तो वहीं तिथि भेद के चलते वैष्णवजन सहित कई लोग शनिवार को एकादशी व्रत करेंगे।

दिनभर में हजारों की संख्या में पहुंचे भक्त

सिंधी कॉलोनी (पुतलीघर) स्थित श्री खाटू श्याम मंदिर में एकादशी के पावन अवसर पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। अखिल भारतीय संत समिति मप्र अध्यक्ष महामंडलेश्वर स्वामी व मंदिर के मुख्य पुजारी अनिलानंद महाराज ने बताया कि बाबा का फूलों से आकर्षक श्रृंगार किया गया। सुबह 7:30 बजे श्याम बाबा की मंगला आरती की गई। सुबह 11 बजे और शाम 8:30 बजे भोग आरती हुई। शाम 7:30 बजे सांयकालीन महाआरती के बाद बाबा का भव्य और दिव्य दरबार सजाया गया, जहां ज्योत प्रज्जवलित कर आहुतियां प्रदान की गईं। इसी तरह श्री बांके बिहारी लाल जी मार्कण्डेय महाराज मंदिर चौबदारपुरा तलैया में भगवान का विशेष श्रृंगार कर पूजन पाठ किया गया। मां वैष्णो धाम आदर्श नो दुर्गा मंदिर बाबा खाटू श्याम मंदिर में 11 तरह के 211 किलो पुष्पों का बाबा खाटू श्याम का श्रृंगार किया गया। उन्हें 56 भोग अर्पित किए गए एवं जोत प्रज्वलित हुई।

बिट्टन मार्केट हाट बाजार की झांकी स्थल पर किया भूमिपूजन

भोपाल। महापौर मालती राय व विधायक रामेश्वर शर्मा ने बिट्टन मार्केट हाट बाजार क्षेत्र में नवरात्रि के उपलक्ष्य में स्थापित होने वाली झांकी के स्थापना स्थल पर भूमिपूजन शुक्रवार को किया। इस अवसर पर पार्षद अरविंद वर्मा के अलावा सुनील पांडे, विकास वीरानी, सुमित पांडे, बाबूलाल जायसवाल, हरिओम खटीक सहित आयोजन समिति जय माँ वैष्णो दुर्गा उत्सव समिति के पदाधिकारी एवं श्रद्धालु मौजूद थे।

प्रतिमाह बच्चों की हेल्थ काउंसलिंग कराए जाने की उठाई मांग

भोपाल। राजधानी समेत प्रदेश के स्कलों में बच्चों की प्रतिमाह हेल्थ काउंसलिंग कराई जाए। स्कूलों के छात्र विभिन्न शारीरिक व मानसिक चिंताओं से गुजरते है। जिसका सीधा असर उनके स्वास्थ्य व अध्ययन-अध्यापन पर पड़ता है। इसलिए बच्चों के मानसिक दवाब को दूर करने के लिए हेल्थ काउंसलिंग जरूरी है। ऐसी मांग चाइल्ड साइकोलॉजी काउंसलर व जिला शिक्षा प्रशिक्षण संस्थान (डाइट) की डॉ तिवारी ने मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव और शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह को लिखे पत्र में की। उन्होंने मुख्यमंत्री और शिक्षा मंत्री को पत्र लिखकर ने मप्र के स्कूलों में प्रतिमाह छात्रों की एक बार हेल्थ काउंसलिंग करने की मांग की है। पत्र में मुख्यमंत्री और शिक्षा मंत्री को अवगत कराया गया कि छात्रों के बस्ते का वजन, अध्ययन-अध्यापन से संबंधित स्कूल व पारिवारिक दबाव, मानसिक चिंता आदि विभिन्न कारणों से छात्रों का सर्वांगीण विकास प्रभावित होता है। प्रदेश के प्रति जिलों में बीस हजार से ज्यादा बच्चों को किन्हीं न किन्हीं कारणों से त्वरित रूप से काउंसलिंग की जरूरत है। डॉ तिवारी ने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव व शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह निश्चित रूप से छात्रों खासकर छात्राओं के स्वास्थ्य व शिक्षा को लेकर सजग रहते हैं और इस दिशा में पॉजीटिव कदम उठाएंगे।

भारतीय गुणवत्ता परिषद के विशेषज्ञों ने रखी राय

कार्यशाला में निजी अस्पतालों को दी एनएबीएच की जानकारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

भारतीय गुणवत्ता परिषद के सहयोग से संचालित गुणवत्ता यात्रा के तहत निजी अस्पतालों की एनएबीएच पूर्ण प्रत्यायन उन्मुखीकरण कार्यशाला आयोजित की गई, जिसका उद्देश्य स्वास्थ्य संस्थानों में गुणवत्ता मानकों और एनएबीएच मान्यता को तेजी से अपनाना है।

इस कार्यक्रम में गुणवत्ता और रोगी सुरक्षा के महत्व, एनएएचबी एंट्री लेवल सर्टिफिकेशन (ईएलसी) फ्रेमवर्क, सर्टिफिकेशन की प्रक्रिया और संस्थागत लाभ, आवेदन प्रक्रिया, तैयारी मूल्यांकन और कमियों की पहचान, एनएबीएच फुल एक्रेडिटेशन फ्रेमवर्क, एंट्री लेवल सर्टिफिकेशन से फुल एक्रेडिटेशन में परिवर्तन, सामान्य कार्यान्वयन चुनौतियां और व्यावहारिक समाधान और एनएबीएच से मान्यता प्राप्त अस्पतालों द्वारा अनुभव साझा करने पर तकनीकी सत्र आयोजित हुए।

इस दौरान प्रतिभागियों को एनएबीएच विशेषज्ञों के साथ सीधे जुड़ने और गुणवत्ता मानकों और मान्यता प्रक्रियाओं को लागू करने के बारे में व्यावहारिक जानकारी दी गई।

कार्यशाला में भारतीय गुणवत्ता परिषद के विशेषज्ञों ने बताया कि एनएबीएच एंट्री लेवल सर्टिफिकेशन और पूर्ण एनएबीएच मान्यता को बढ़ावा देकर और निरंतर सुधार की संस्कृति को प्रोत्साहित करके स्वास्थ्य संस्थानों को मजबूत करना, रोगी सुरक्षा और जन विश्वास को बढ़ाना और राज्य को गुणवत्ता-आधारित स्वास्थ्य सेवा के अग्रणी उदाहरण के रूप में स्थापित करना है, जो विकसित भारत 2047 के विजन में योगदान देता है।

मरीजों को बेहतर इलाज का पर्याय है एनएबीएच सर्टिफिकेट: सीएमएचओ

सीएमएचओ डॉ. मनीष शर्मा ने बताया कि नागरिकों को सर्वोत्तम चिकित्सा उपचार प्रदान करना शासन का सर्वोच्च लक्ष्य है। गुणवत्ता यात्रा के माध्यम से चिकित्सा सेवाओं की गुणवत्ता की दिशा में महत्वपूर्ण कदम आगे बढ़ा रहे हैं। नेशनल एक्रेडिटेशन बोर्ड फॉर हॉस्पिटल्स एंड हेल्थकेयर प्रोवाइडर्स भारत में अस्पतालों और स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता का पैमाना है। यह क्वालिटी काउंसिल ऑफ इंडिया (क्यूसीआई) का एक प्रमुख बोर्ड है जो चिकित्सा संस्थानों की सुरक्षा, सुविधाओं और इलाज के स्तर का मूल्यांकन करता है।

एनएचएम ने बढ़ाया सामाजिक सुरक्षा का दायरा

दिवंगत संविदा कर्मचारी के आश्रित को मृत्यु उपरांत ग्रेच्युटी का किया भुगतान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) ने संविदा अधिकारियों एवं कर्मचारियों के हित में महत्वपूर्ण पहल करते हुए उनके और उनके परिवारों के लिए सामाजिक सुरक्षा को मजबूत किया है। अब पात्र संविदा कर्मचारियों तथा सेवा अवधि के दौरान निधन होने की स्थिति में उनके आश्रितों को उपादान (ग्रेच्युटी) राशि का लाभ दिया जा रहा है। इससे कर्मचारियों के परिवारों को कठिन समय में आर्थिक संबल मिलेगा। एनएचएम के अंतर्गत पहली बार एक दिवंगत संविदा कर्मचारी के आश्रित को मृत्यु उपरांत उपादान राशि का भुगतान किया गया। संविदा कर्मचारियों के कल्याण और उनके परिवारों की आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में यह महत्वपूर्ण प्रयास है।

उपादान भुगतान की प्रक्रिया वर्ष 2025 से लागू

अपर मिशन संचालक एनएचएम दिशा प्रणय नागवंशी ने बताया कि सामान्य प्रशासन विभाग के परिपत्र के पालन में एनएचएम द्वारा 26 अगस्त 2025 से उपादान भुगतान की प्रक्रिया लागू की गई है। उपादान भुगतान अधिनियम, 1972 के प्रावधानों के अनुसार 1 सितम्बर 2025 के बाद सेवा पूर्ण करने वाले पात्र संविदा अधिकारियों एवं कर्मचारियों को यह लाभ दिया जाएगा।एनएचएम द्वारा संविदा कर्मचारियों एवं उनके आश्रितों को अनुग्रह राशि, अनुकम्पा नियुक्ति और उपादान जैसे महत्वपूर्ण वैधानिक लाभ उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण पर हुई विस्तृत चर्चा

काटजू अस्पताल: रोगी कल्याण समिति की बैठक का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

डॉ. कैलाशनाथ काटजू मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य संस्थान में शुक्रवार को रोगी कल्याण समिति की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता विधायक भगवानदास सबनानी ने की। संस्थान की नोडल अधिकारी एवं सेंटर हेड डॉ. रचना दुबे ने बताया कि बैठक में चिकित्सालय के सुचारु संचालन, रोगियों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने, आधारभूत सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण तथा संस्थान की आगामी कार्ययोजनाओं पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में संस्थान की वित्तीय योजनाओं, उपलब्ध संसाधनों के प्रभावी उपयोग, विभिन्न विकासात्मक कार्यों एवं भविष्य की आवश्यकताओं पर भी विचार-विमर्श किया गया। साथ ही स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में निरंतर सुधार तथा मरीजों को अधिक सुविधाजनक एवं बेहतर उपचार उपलब्ध कराने हेतु आवश्यक सुझावों पर चर्चा की गई।

एम्स-द डीयर फाउंडेशन स्विट्जरलैंड में एमओयू

'डियर यू' एप के माध्यम से बढ़ेंगी महिलाओं की स्वास्थ्य सुविधाएं

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

एम्स भोपाल के सर्जिकल ऑन्कोलॉजी विभाग ने द डीयर फाउंडेशन स्विट्जरलैंड के साथ मिलकर 'डियर यू' महिला स्वास्थ्य ऐप को संस्थान के कैंसर जागरूकता एवं रोगी सशक्तिकरण (केप) केंद्र से जोड़ने की पहल की है।

इस निःशुल्क बहुभाषी ऐप में स्तन स्वास्थ्य, मासिक धर्म, भावनात्मक स्वास्थ्य, टेक्स्ट-टू-स्पीच ऑफलाइन उपयोग और विशेषज्ञों द्वारा प्रमाणित जानकारी उपलब्ध है।

एम्स भोपाल के केप केंद्र में आने वाले मरीजों, परिजनों और आम नागरिकों को ऐप की जानकारी देकर इसके उपयोग के लिए प्रेरित किया जाएगा। एम्स के कार्यपालक निदेशक डॉ. माधवानंद कर और विभागाध्यक्ष सर्जिकल ऑन्कोलॉजी विभाग डॉ. विनय कुमार ने इसे महिलाओं को जागरूक बनाने और कैंसर की शीघ्र पहचान को बढ़ावा देने की महत्वपूर्ण पहल बताया।

कैंसर से जुड़ी भ्रांतियों को दूर करने का कार्य करता है

केप केंद्र एम्स भोपाल की एक अभिनव पहल है, जहाँ कैंसर की रोकथाम, जांच, निदान, उपचार, दुष्प्रभाव, पुनर्वास, पोषण और जीवनशैली से जुड़ी जानकारी सरल भाषा में वीडियो, पोस्टर, ग्राफिक्स और परामर्श के माध्यम से उपलब्ध कराई जाती है।

यह केंद्र मरीजों और स्वास्थ्यकर्मियों के बीच संवाद को बेहतर बनाते हुए कैंसर से जुड़ी भ्रांतियों और डर को दूर करने का भी कार्य करता है।

महिला-बाल विकास और एम्स के मध्य होगा एमओयू, फ्रंटलाइन वर्कर्स को मिलेगी स्पेशल ट्रेनिंग

एम्स की तकनीक सुधारेगी मप्र में मातृ-शिशु का स्वास्थ्य

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

प्रदेश में जनजातीय क्षेत्रों से लेकर दूरदराज के गांवों तक मातृ शिशु स्वास्थ्य सेवाओं की पूरी तस्वीर बदलने वाली है। महिला बाल विकास विभाग और एम्स भोपाल के मध्य एमओयू किया जाएगा।

एमओयू से एम्स की हाईटेक तकनीक और विशेषता का लाभ सीधे फ्रंटलाइन वर्कर्स को मिलेगा।

महिला बाल विकास मंत्री निर्मला भूरिया ने उच्च स्तरीय बैठक में इस साझेदारी को अंतिम रूप देने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को गंभीर कुपोषण की सटीक पहचान और त्वरित इलाज के लिए एम्स के विशेषज्ञ डॉक्टर द्वारा स्पेशल क्लिनिकल ट्रेनिंग दी जाएगी। एम्स भोपाल की तकनीकी विशेषज्ञता से हमारे फ्रंटलाइन वर्कर्स और आंगनवाड़ी केंद्रों को नई मजबूती मिलेगी, जिससे नीतिगत स्तर पर सटीक और डेटा-संचालित निर्णय लिए जा सकेंगे।

समीक्षा बैठक में महिला एवं बाल विकास विभाग की आयुक्त निधि निवेदिता, एम्स भोपाल के सीएफएम विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अरुण एम. कोकने, नोडल अधिकारी डॉ. अभिजीत पाखरे और राज्य समन्वयक दीपक पाण्डेय सहित विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

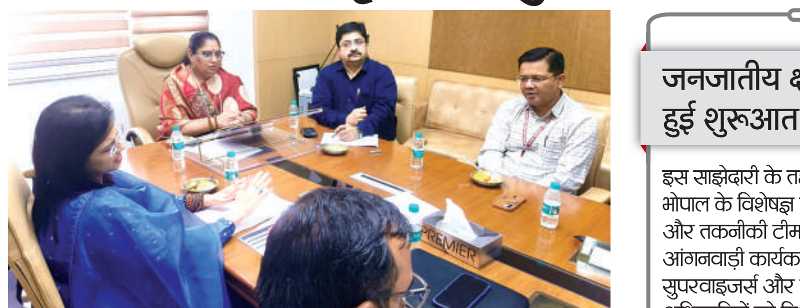

समीक्षा बैठक के दौरान मौजूद पदाधिकारी।

जनजातीय क्षेत्रों से हुई शुरूआत

इस साझेदारी के तहत एम्स भोपाल के विशेषज्ञ डॉक्टरों और तकनीकी टीम द्वारा आंगनवाड़ी कार्यकतार्ओं, सुपरवाइजर्स और परियोजना अधिकारियों को विशेष तकनीकी और चिकित्सा प्रशिक्षण दिया जाएगा।

कुपोषण पर व्यवहार परिवर्तन

एम्स भोपाल के विशेषज्ञ डॉक्टर वर्तमान में गंभीर रूप से कुपोषित बच्चों के स्वास्थ्य पर विशेष अध्ययन कर रहे हैं। इसके साथ ही आईसीएमआर और एनसीओई नई दिल्ली के सहयोग से बेहतर अनुपूरक आहार और परिवारों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए व्यवहार परिवर्तन संचार पर भी शोध किया जा रहा है।

मानसिक स्वास्थ्य उपचार को मिली नई दिशा

एम्स: नशा मुक्ति सेवाओं का शुभारंभ

भोपाल। एम्स भोपाल के मनोचिकित्सा विभाग ने शुक्रवार को उन्नत नशा मुक्ति उपचार सुविधाओं और रिपिटिटिव ट्रांसक्रेनियल मैग्नेटिक स्टिमुलेशन (आरटीएमएस) सेवा का शुभारंभ किया। मध्यप्रदेश में नशा मुक्ति उपचार को सुलभ बनाने के उद्देश्य से प्रतिदिन दोपहर में समर्पित एडिक्शन मेडिसिन क्लिनिक प्रारंभ किया गया है, जो वर्तमान एडिक्शन ट्रीटमेंट फैसिलिटी के साथ कार्य करेगा। नई आरटीएमएस सेवा अवसाद, व्यसन विकार सहित विभिन्न मानसिक रोगों के आधुनिक, वैज्ञानिक एवं औषधि-रहित उपचार में सहायक होगी। कार्यक्रम में एम्स कार्यपालक निदेशक डॉ. माधवानंद कर मुख्य अतिथि के रूप में तथा मप्र शासन के सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग की प्रमुख सचिव सोनाली पोंक्षे वायंगणकर विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रही। मनोचिकित्सा विभागाध्यक्ष डॉ. विजेंद्र सिंह ने बताया कि इस पहल के अंतर्गत प्रतिदिन दोपहर में समर्पित एडिक्शन मेडिसिन क्लीनिक प्रारंभ किया गया है।

उत्तराखंड के यमुनोत्री धाम क्षेत्र में लगातार हो रही बारिश के चलते परेशानी

यमुनोत्री हाईवे का 100 मीटर हिस्सा बहा, 500 से ज्यादा तीर्थ यात्री फंसे पूर्वोत्तर में भी लाखों लोग बेघर हो गए, 6 लाख लोग अब भी प्रभावित

तीर्थ यात्रियों को सुरक्षित स्थानों पर रोका

एजेंसी ▶▶ यमुनोत्री

उत्तराखंड के यमुनोत्री धाम क्षेत्र में गुरुवार को लगातार हो रही बारिश के चलते हाईवे का करीब 100 मीटर हिस्सा बह गया। जिला प्रशासन और पुलिस ने तीर्थ यात्रियों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए एहतियातन पांच सौ से ऊपर तीर्थ यात्रियों को सुरक्षित स्थानों पर रोक दिया है। अगले आदेश तक यमुनोत्री धाम की ओर जाने वाले श्रद्धालुओं को बड़कोट, खरादी समेत अन्य सुरक्षित स्थानों पर रोका गया है। वहीं, हरिद्वार में भी भारी बारिश से हालात खराब हो गई। लगातार वर्षा के कारण यमुनोत्री हाईवे पर कई स्थानों पर भूस्खलन हो रहा है। भूस्खलन के कारण स्यानाचट्टी और हनुमानचट्टी के पास मलबा और बोल्डर आने से हाईवे बाधित है, जिससे आगे आवाजाही सुरक्षित नहीं मानी जा रही है।

यमुनोत्री हाइवे में फंसी बस

गुरुवार शाम स्यानाचट्टी के समीप यमुनोत्री हाईवे का करीब 100 मीटर हिस्सा तेज बारिश के कारण वॉशआउट हो गया, जिससे मार्ग को हुए नुकसान ने स्थिति को और गंभीर बना दिया है। बड़कोट प्रभारी थानाध्यक्ष रणबीर सिंह चौहान ने बताया कि यात्रियों की सुरक्षा को देखते हुए यमुनोत्री धाम की यात्रा पर जाने वाले तीर्थ यात्रियों को सुरक्षित स्थानों पर रोक दिया गया है।

हिमाचल में भारी तबाही

सिरमौर में नदियां-नाले उफान पर नाहन में 36 घंटे से भारी बारिश

नाहन। पिछले 36 घंटों से जारी मूसलाधार मानसूनी बारिश ने मिाचल प्रदेश के सिरमौर जिले के काला अंब

औद्योगिक क्षेत्र सहित कई हिस्सों में भारी तबाही मचाई है जहां जलभराव के कारण जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है और स्कूल बंद करने पड़े हैं। नाहन में पिछले 36 घंटों से जारी मूसलाधार मानसूनी बारिश ने जिले के कई हिस्सों में भारी तबाही मचाई है।

असम में बाढ़ का कहर

3 लाख लोगों को किया बेघर अब तक 60 लोगों की मौत

पूर्वोत्तर मौसम की मार से कराह रहा है। असम और अरुणाचल में लोग अस्थायी कैंपों में रह रहे हैं। असम में करीब 3 लाख से अधिक लोग प्रभावित हैं और अब तक 60 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है।

खतरे के निशान से ऊपर बह रही अलकनंदा

बदरीनाथ धाम में अलकनंदा नदी का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। सोमवार दोपहर नदी का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर पहुंच गया है। पुलिस प्रशासन ने तप्तकुंड खाली करा दिया है। यहां से नदी का जलस्तर मात्र छह फीट नीचे रह गया है।

खबर संक्षेप

आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन की समीक्षा

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा ने आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन

की तीसरी मिशन संचालन समूह बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में इसकी प्रगति की समीक्षा की। इसे और मजबूत बनाने की रणनीति पर चर्चा की। यह स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर, आसान और सुलभ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

पतंग को पाइप से उतारने में दादा की मौत

खुर्जा। कोतवाली क्षेत्र के बुर्ज उस्मान मोहल्ले में शुक्रवार सुबह एक दिल दहला देने वाली घटना

सामने आई, जहां 12 वर्षीय पोते को बिजली के करंट से बचाने के प्रयास में दादा की जान चली गई। करंट की चपेट में आए पोते की हालत गंभीर बनी हुई है और उसका अस्पताल में इलाज चल रहा है। वीडियो सामने आया है।

51 साल के एक्टर संजीब का हार्ट अटैक से निधन

नई दिल्ली। टीवी इंडस्ट्री से एक दुखद खबर सामने आ रही है। खबर है कि टीवी के पॉपुलर

सीरियल 'डॉ. आरंभी' में नजर आ रहे एक्टर संजीब सिंह की अचानक मौत हो गई है। शूटिंग करने के बाद घर लौट रहे एक्टर संजीब सिंह के निधन की घटना ने इंडस्ट्री में हड़कंप मचा दी है। वे घर लौट रहे थे तभी हार्ट अटैक आया था।

हिमाचल में 17 आईएएस, 22 एचएएस इधर-उधर

शिमला। हिमाचल प्रदेश सरकार ने सिविल सेवा बोर्ड की सिफारिशों पर 17 आईएएस और 22 एचएएस

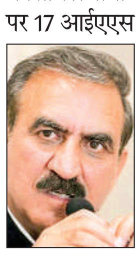

अधिकारियों के तबादला व तैनाती आदेश जारी किए हैं। मुख्य सचिव कमलेश पंत ने आदेश दिए। अतिरिक्त मुख्य सचिव ओंकार चंद अतिरिक्त मुख्य सचिव परिवहन का अतिरिक्त कार्यभार भी देखेंगे।

शाह ने सीमावर्ती जिलों के एसपी के साथ अहम सम्मेलन को संबोधित किया

भारत को घुसपैठ मुक्त बनाएंगे, 3 साल में नारकोटिक्स की समस्या भी हो जाएगी हल

'सीमांत जिला पुलिस अधीक्षक सम्मेलन-2026' में की कॉन्फ्रेंस

पाकिस्तान, बांग्लादेश और चीन समेत पड़ोसी मुल्कों से लगते जिलों पर बात की

हम एक ऐसा मजबूत सुरक्षा तंत्र बना रहे, जिससे कहीं भी घुसपैठ ही नहीं हो सकेगी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पाकिस्तान, बांग्लादेश और चीन समेत तमाम पड़ोसी मुल्कों से लगते जिलों के एसपी के साथ एक अहम सम्मेलन को संबोधित किया। सीमांत जिला पुलिस अधीक्षक सम्मेलन-2026 नाम की इस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने कहा कि हम एक ऐसा मजबूत सुरक्षा तंत्र बना रहे हैं। जिससे देश को घुसपैठिया मुक्त करने के साथ ही घुसपैठ ही नहीं हो सकेगी।

अमित शाह ने कहा कि जिस तरह से देश को जम्मू कश्मीर और नॉर्थ-ईस्ट में आतंकवाद और नक्सलवाद से निजात मिली है। घुसपैठ को रोकने के साथ ही आने वाले 3 सालों में सरकार नारकोटिक्स की समस्या पर भी विजय प्राप्त करेगी। सम्मेलन में बॉर्डर से लगते 119 जिलों के एसपी और अन्य अधिकारी शामिल हुए। इनके सात गृहमंत्री शाह ने कई सुरक्षात्मक मुद्दों पर चर्चा की। इसके साथ ही उनके परामर्श को भी ध्यान से सुना और समस्याओं के निराकरण के लिए विस्तार से बात भी की।

गृहमंत्री शाह ने 3 बड़े ऐलान किए

119 जिलों के एसपी और अन्य अधिकारी बैठक में रहे शामिल

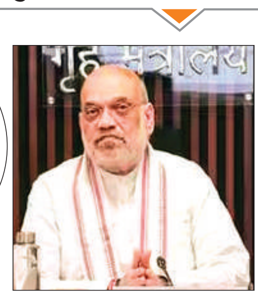

केंद्र सरकार मजबूत चतुष्कोणीय सुरक्षा ग्रिड बना रही

शाह ने कहा कि मोदी सरकार, संबद्ध सीमा रक्षक बल, राज्य और जिला प्रशासन, भारत सरकार के संबंधित हितधारक तथा स्थानीय नागरिकों के साथ मिलकर एक मजबूत चतुष्कोणीय सुरक्षा ग्रिड का निर्माण कर रही है। बॉर्डर इन्फ्रास्ट्रक्चर में 400 प्रतिशत की बढ़ोतरी की है।

घुसपैठ से जनसांख्यिकी में हो रहे बदलाव
गृह मंत्री ने कहा कि सीमांत क्षेत्रों में हो रहे जनसांख्यिकी परिवर्तन का मूल कारण घुसपैठ है। मोदी सरकार आइसोलेटेड सीमा चौकी की व्यवस्था से एकीकृत सुरक्षा ग्रिड का निर्माण करने की दिशा में आगे बढ़ रही है। सीमांत क्षेत्रों में जनसांख्यिकी में हो रहे बदलाव की सूचना मिली है।

म्यांमार बॉर्डर पर 610 किलोमीटर लंबी सीमा पर बाड़बंदी हो रही

गृहमंत्री शाह ने कहा कि मोदी सरकार 31 हजार करोड़ से 1610 किलोमीटर लंबे म्यांमार बॉर्डर पर बाड़बंदी कर रही है। प्रॉक्सी वार, घुसपैठ, कट्टरपंथ का प्रसार, नारकोटिक्स, तस्करी, ड्रोन, साइबर अपराध, संगठित अपराध और जनसांख्यिकीय परिवर्तन रोकना, सीमा को रहने लायक बनाना और वहां से पलायन रोकना और सुरक्षा सुनिश्चित करना हमारे उद्देश्य हैं। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में तटीय सीमा सुरक्षा को सुनिश्चित करने की दिशा में भी हम समग्रता से आगे बढ़ेंगे। स्मार्ट बॉर्डर की कल्पना पर आधारित भारत की बॉर्डर सुरक्षा व्यवस्था आने वाले समय में विश्व में सबसे आधुनिक सुरक्षा व्यवस्था होगी।

रेलवे सुरक्षा और पटरियों की तोड़फोड़ को रोकने व्यापक योजना बना रहे

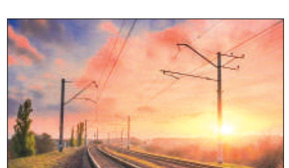

केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने रेलवे सुरक्षा और पटरियों की तोड़फोड़ को रोकने के लिए कई सुरक्षा एजेंसियों के साथ मिलकर एक व्यापक योजना बनाने की बात कही है। इस योजना में रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ), राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी), सीबीआई (सीबीआई) और राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) जैसी एजेंसियां शामिल हैं।रेलवे सुरक्षा और समन्वय योजनागृह मंत्रालय और रेल नेटवर्क की सुरक्षा के लिए संयुक्त रणनीति।रेल पटरियों पर किसी भी तरह की तोड़फोड़ या साजिश को नाकाम करने के उपाय।खुफिया एजेंसियों और रेलवे पुलिस के बीच बेहतर तालमेल स्थापित किया जाएगा।

केंद्रीय मंत्री ने शाह से गुहार लगाई

घुसपैठियों को बना रहे स्थायी मूल निवासी कर्नाटक सीएम

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम तथा श्रम और रोजगार राज्य मंत्री शोभा करंदलाजे ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से अपील की कि वे कर्नाटक स्थायी निवास प्रमाण पत्र (पीआरसी), 2026 के मामले में तत्काल हस्तक्षेप करें। उन्होंने संवैधानिक और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े गंभीर कारण बताए। सीएम डीके शिवकुमार ने नागरिकों को चुनाव आयोग की मतदाता सूची के विशेष गहन संशोधन में भाग लेने में मदद करने के लिए स्थायी निवास प्रमाण पत्र (पीआरसी) जारी करने की घोषणा की है। उनका कहना है कि इस कदम का उद्देश्य पात्र मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटने से रोकना है।

संविधान के प्रावधान का हवाला दिया

शोभा ने कहा कि संविधान पूरे देश के सभी नागरिकों के लिए एक ही नागरिकता की व्यवस्था करता है। कर्नाटक सरकार द्वारा 'स्थायी निवास प्रमाण पत्र' शुरू करना इस संवैधानिक ढांचे के विपरीत है, क्योंकि यह बिना किसी संवैधानिक या कानूनी अधिकार के 'स्थायी निवासियों' की एक अलग श्रेणी बनाने का प्रयास करता है।

इसे अनुच्छेद 14 का उल्लंघन बताया

उन्होंने जोर देकर कहा कि इस तरह का वर्गीकरण मनमाना है। इसका किसी वैध संवैधानिक उद्देश्य से कोई तार्किक संबंध नहीं है और यह संविधान के अनुच्छेद 14 का उल्लंघन करता है। 'स्थायी निवासियों' के रूप में नामित व्यक्तियों का एक अलग वर्ग बनाकर राज्य सरकार वास्तव में ऐसी विशिष्ट कानूनी मान्यता दे रही है, जिसे संविधान के तहत कोई मंजूरी नहीं मिली है।

राष्ट्रीय सुरक्षा पर चिंता जताई

शोभा करंदलाजे ने बताया कि राष्ट्रीय सुरक्षा के नजरिए से यह अधिसूचना और भी चिंताजनक है। इसमें पात्रता के मानदंड मुख्य रूप से निवास और राजस्व अधिकारियों द्वारा स्थानीय सत्यापन पर आधारित बताए गए हैं। हालांकि, सक्षम केंद्रीय अधिकारियों के माध्यम से भारतीय नागरिकता के सत्यापन को अनिवार्य करने या अवैध प्रवासियों और विदेशी नागरिकों को बाहर करने के लिए कोई मजबूत व्यवस्था नहीं की गई है।

अवैध प्रवासियों को मिलेगा फायदा : उन्होंने कहा कि नतीजतन, जो लोग अवैध रूप से भारत में आए हैं या राज्य में गैरकानूनी तरीके से रह रहे हैं, वे स्थानीय दस्तावेज दिखाकर या धोखाधड़ी के जरिए स्थायी निवास प्रमाण पत्र हासिल कर सकते हैं। इससे गैरकानूनी रूप से रह रहे लोगों को कानूनी पहचान मिलने का खतरा पैदा हो सकता है।

शुक्रवार को होनी थी यात्रा

पुरी मंदिर प्रशासन के आग्रह पर सीकर में 'असमय' रथयात्रा रुकी

एजेंसी ▶▶ भुवनेश्वर

श्रीजगन्नाथ मंदिर प्रशासन ने शनिवार को कहा कि पुरी के जिलाधिकारी के पत्र के बाद राजस्थान के सीकर जिला प्रशासन ने 10 जुलाई को प्रस्तावित 'असमय' रथयात्रा पर रोक लगा दी है। मुख्य प्रशासक अरविंद पाधी ने कहा कि पुरी के जिलाधिकारी और एसजेटीए के उप मुख्य प्रशासक दिव्यज्योति परिदा के पत्र के आधार पर सीकर के जिलाधिकारी आशीष मोदी ने प्रस्तावित रथयात्रा पर रोक लगाने के निर्देश जारी किए। यह

रथयात्रा शुक्रवार को विश्व सनातन धर्म सेवा संस्थान और श्री खाटू श्याम मंडल द्वारा आयोजित की जानी थी। यह आयोजन शास्त्रों में निर्धारित तिथि से पांच दिन पहले प्रस्तावित था, जबकि इस वर्ष रथयात्रा का उत्सव 16 जुलाई को मनाया जाएगा।

नितिन नबीन के इस्तीफे से खाली हुई सीट

भाजपा ने बांकीपुर में बदला प्रत्याशी, नीरज लड़ेंगे चुनाव

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

बिहार की बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव में भाजपा ने अभिषेक सिन्हा उर्फ अभिषेक बंटी की जगह नीरज कुमार सिन्हा को उम्मीदवार बनाया है। बंटी के नामांकन वापस लेने के बाद भाजपा नीरज को मैदान में उतारा है। भाजपा के दो बार मंडल अध्यक्ष रहे नीरज जो वर्तमान में भाजुमो के जिला उपाध्यक्ष है। मीठापुर के पोस्टल पार्क एरिया के रहने वाले है। बांकीपुर सीट पर उपचुनाव भाजपा अध्यक्ष नितिन नबीन के विधानसभा सीट से इस्तीफा देने के बाद हो रहा है। तेजी से सामने आए घटनाक्रम में भाजपा

के केंद्रीय चुनाव समिति ने नीरज को प्रत्याशी बनाने की मुहर लगा दी है। इसके उपरांत भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री एवं मुख्यालय प्रभारी अरुण सिंह ने नीरज को प्रत्याशी बनाने का पत्र जारी किया है। अभिषेक बंटी ने पारिवारिक कारणों का हवाला देते हुए चुनाव नहीं लड़ने का फैसला किया था।

70 मेडिकल कॉलेज सीसीटीवी निगरानी से जुड़े नियमों का सख्ती से पालन करें

'स्नातक चिकित्सा शिक्षा मानक विनियमन' का उल्लंघन

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) ने देश भर के 70 स्नातक और स्नातकोत्तर चिकित्सा महाविद्यालयों को निर्देश दिया है कि वे सीसीटीवी निगरानी से जुड़े अनिवार्य नियमों का तुरंत पालन करें। ये अपने नेटवर्क वीडियो रिकॉर्डर को आयोग से जोड़ने में विफल रहे। इन संस्थानों ने नियमों का पालन नहीं किया है जिनके तहत सीसीटीवी प्रणाली, एनवीआर स्थापित करना था।

- राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग ने निर्देश जारी किए

राजस्थान में 13 और महाराष्ट्र में 11 सर्वाधिक

एनएमसी की आईटी टीम की लगातार कोशिशों के बावजूद इन चिकित्सा महाविद्यालयों ने अभी तक अपने एनवीआर को

एनएमसी से 'कनेक्ट' नहीं किया है। यह अनिवार्यता 'स्नातक चिकित्सा शिक्षा मानक विनियमन' के तहत आती है। नियम न मानने वाले संस्थानों में राजस्थान में 13 चिकित्सा महाविद्यालय हैं। महाराष्ट्र में 11 , दिल्ली में 8 हैं। दिल्ली के अटल बिहारी वाजपेयी आयुर्विज्ञान संस्थान एवं डॉ. आरएमएल अस्पताल, सेंट्रल हेल्थ एजुकेशन ब्यूरो, चाचा नेहरू बाल चिकित्सालय आदि हैं।

पंजाब में बगावत की आग अभी भी दहक रही है...

चन्नी खेमा आज बघेल से मिलेगा,वड़िंग बोले- जल्द ही हम सब एक साथ दिखेंगे

प्रभारी भूपेश बघेल संबंधित नेताओं से अलग-अलग बात करेंगे

एजेंसी ▶▶ चंडीगढ़

पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी के करीबी कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शनिवार को पार्टी के प्रदेश प्रभारी

महासचिव भूपेश बघेल के साथ बैठक करेंगे। बघेल राज्य में पार्टी नेतृत्व में किसी भी तरह के बदलाव की संभावना को खारिज कर चुके हैं। कांग्रेस की पंजाब इकाई के अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग ने यहां संवाददाताओं के सवाल पर कहा कि बघेल ने उन्हें बताया है कि शनिवार को एक बैठक तय की गई है। उन्होंने कहा कि बघेल संबंधित नेताओं से अलग-अलग बात करेंगे।

मुझे सभी स्वीकार कर रहेः वड़िंग

चन्नी, सुखजिंदर रंधावा और राणा गुरजीत उन नेताओं में शामिल हो सकते हैं, जो बघेल से मुलाकात करेंगे। क्या चन्नी खेमे ने इस बात पर ज़ोर दिया था कि वड़िंग बैठक का हिस्सा न हों, प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि उन्हें कोई जानकारी नहीं है। चन्नी कब साथ में नज़र आएंगे, वड़िंग ने कहा कि एक-दो दिन में आप हम सभी को एक साथ देखेंगे। वे किसी से कोई नाराजगी नहीं रखते और कांग्रेस एकजुट है। चन्नी खेमा उन्हें स्वीकार नहीं कर रहा है, वड़िंग ने कहा कि ऐसी कोई बात नहीं है। मुझे सभी स्वीकार कर रहे।

राम मंदिर के चढ़ावे और भूमि घोटाले के आरोपों पर कांग्रेस का हल्ला बोल

राज्यों में 8 पीसी की, 50 और करके जवाबदेही मांगेंगे

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

अयोध्या के श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में कथित चढ़ावा गबन और भूमि खरीद-निर्माण में अनियमितता के मुद्दे पर कांग्रेस ने केंद्र और भाजपा-आरएसएस के खिलाफ अपना हमला और तेज कर दिया है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने प्रधानमंत्री की चुप्पी पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि यह मिलीभगत का संकेत है। जयराम रमेश ने कहा कि अयोध्या के भगवान श्रीराम मंदिर में भाजपा-आरएसएस से जुड़े लोगों ने श्रद्धालुओं के चढ़ावे की कथित चोरी तथा जमीन खरीद और निर्माण कार्यों में घोटाले जैसा अक्षम्य 'महापाप' किया है।

राष्ट्रीय स्तर पर उठाया जाएगा यह मुद्दा

हरीश चौधरी इंदौर | दीपेंदर हुड्डा लखनऊ | शक्तिसिंह चंडीगढ़ | पवन खेड़ा जम्मू | राजीव गोबड़ा तमिलनाडु | सुप्रिया श्रीनेत पंजाब | पप्पू यादव कानपुर | पालमराजू कोयंबटूर

कांग्रेस ने इस मुद्दे को राष्ट्रीय स्तर पर उठाने का फैसला किया है। जयराम रमेश के अनुसार इसी अभियान के तहत शुक्रवार को कांग्रेस नेताओं ने देश के विभिन्न हिस्सों में 8 पत्रकार वार्ताएं कीं। पार्टी ने घोषणा की है कि 12 जुलाई तक देशभर में 50 से अधिक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित कर भाजपा और आरएसएस से जवाबदेही की मांग की जाएगी।

कांग्रेस के आरोप

कांग्रेस का आरोप है कि चढ़ावे के कथित गबन के अलावा भूमि खरीद और निर्माण कार्यों में भी गंभीर अनियमितता सामने आई हैं। छोटे कर्मचारियों पर कार्रवाई कर बड़े जिम्मेदार लोगों को बचाने की कोशिश की जा रही है। कांग्रेस ने यह भी मांग की है कि पूरे मामले की निष्पक्ष और पारदर्शी जांच हो।

भाजपा और ट्रस्ट का पक्ष

सीएम योगी आदित्यनाथ ने हाल ही में कहा कि जांच में जिन लोगों के खिलाफ साक्ष्य मिले हैं, उनके विरुद्ध कार्रवाई की जा रही है और कुछ व्यक्तियों के कृत्य के आधार पर पूरे ट्रस्ट या अयोध्या की छवि धूमिल करना उचित नहीं है। ट्रस्ट के पूर्व महासचिव चंपत राय ने कहा कि वह वर्तमान में 'मौन व्रत' पर हैं और विशेष जांच दल की जांच पूरी होने के बाद सभी आरोपों का विस्तृत जवाब देंगे। 8 आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है। चंपत राय, अनिल मिश्रा और गोविंद गिरी की गिरफ्तारी की मांग की जा रही है।

1996 श्रीनगर हिंसा केस में बड़ा एक्शन

एनआईए ने शब्बीर शाह समेत 6 हुर्रियत नेताओं के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की

एनआईए की जांच में सामने आया कि हुर्रियत नेताओं ने भारत विरोधी, पाकिस्तान समर्थक और अलगाववादी नारे लगाए। उन्होंने भड़काऊ भाषण देकर सशस्त्र संघर्ष की वकालत की

एजेंसी ▶▶ श्रीनगर

राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने अलगाववादी संगठन हुर्रियत कॉन्फ्रेंस के 6 वरिष्ठ नेताओं के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की है। यह मामला 1996 में श्रीनगर में भीड़ द्वारा हिंसा और पुलिस पर फायरिंग से जुड़ा है। एनआईए ने शुक्रवार को जम्मू की एनआईए स्पेशल कोर्ट में यह चार्जशीट दाखिल की। चार्जशीट में जिन 6 कश्मीरी अलगाववादी नेताओं के नाम हैं, उनमें शब्बीर अहमद शाह, सैयद अली शाह गिलानी, अब्दुल गनी लोन, मोहम्मद याकूब वकील उर्फ मोहम्मद याकूब वकील, जाविद अहमद मीर और शकील अहमद बख्शी शामिल हैं। सभी 6 नेताओं पर रणबीर दंड संहिता, 1989 के तहत आपराधिक साजिश, हत्या की कोशिश, दंगा और सरकारी कर्मचारी पर हमले के आरोप लगाए गए हैं। साथ ही गैरकानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम, 1967 की धारा 13 भी लगाई गई है।

सभी पर आपराधिक साजिश और पुलिस पर हमले के आरोप

एनआईए ने अप्रैल 2026 में जांच अपने हाथ में ली थी

शब्बीर अहमद शाह

जाविद अहमद मीर

शकील अहमद बख्शी

3 नेताओं की मौत

अधिकारियों के मुताबिक, सैयद अली शाह गिलानी, अब्दुल गनी लोन और मोहम्मद याकूब वकील का निधन हो चुका है। इसलिए उनके खिलाफ आरोप खत्म माने जाएंगे। लेकिन चार्जशीट में एनआईए ने सबूतों के साथ बताया है कि ये तीनों भी आपराधिक साजिश और गैरकानूनी भीड़ का हिस्सा थे।

हिंसा फैलाने पहले से रची थी साजिश

एनआईए की जांच में सामने आया कि हुर्रियत नेताओं ने भारत विरोधी, पाकिस्तान समर्थक और अलगाववादी नारे लगाए। उन्होंने भड़काऊ भाषण देकर सशस्त्र संघर्ष की वकालत की। एनआईए ने कहा कि बारीक जांच से साफ हुआ कि यह हिंसा पहले से रची गई बड़ी साजिश का हिस्सा थी। हुर्रियत नेतृत्व ने अंतिम यात्रा को अलगाववादी सोच फैलाने, भारत सरकार के खिलाफ जनता को भड़काने, अशांति फैलाने और पुलिस पर हमला करवाने के लिए मंच बनाया था।

यह है 1996 का पूरा मामला

एनआईए के अनुसार, 17 जुलाई 1996 को श्रीनगर के नाज़ क्रॉसिंग पर मारे गए आतंकी हिलाल अहमद बेग की अंतिम यात्रा निकाली गई थी। आरोप है कि इस जुलूस की अगुवाई हुर्रियत नेताओं ने की थी। जुलूस में हथियारबंद आतंकी भीड़ में घुल-मिल गए थे। उन्होंने पुलिस पर अंधाधुंध फायरिंग की। भारी पत्थरबाजी में कई पुलिसकर्मी घायल हुए और सरकारी गाड़ियों को नुकसान पहुंचा। हिंसा के दिन ही श्रीनगर के शेरगढ़ी थाने में एफआईआर दर्ज हुई थी। गृह मंत्रालय के आदेश पर एनआईए ने अप्रैल 2026 में मामले की जांच अपने हाथ में ली थी और आगे की जांच जारी है।

खबर संक्षेप

नीरव शाह अमेरिकी सीनेट चुनाव लड़ेंगे

वॉशिंगटन। भारतीय मूल के महामारी विशेषज्ञ नीरव डी. शाह ने अमेरिकी सीनेट का चुनाव लड़ने का ऐलान किया।

डेमोक्रेटिक उम्मीदवार ग्राहम प्लैटनर ने यौन उत्पीड़न के आरोपों के बीच अपनी उम्मीदवारी वापस ले ली जिसके बाद नीरव ने यह घोषणा की। विस्कॉन्सिन में भारतीय प्रवासी माता-पिता के घर जन्मे नीरव शाह कोविड-19 महामारी के दौरान मेन के रोग नियंत्रण केंद्र के निदेशक रहे थे। इसके अलावा, वह मेन के गवर्नर पद के लिए हुए डेमोक्रेटिक प्राइमरी चुनाव के अंतिम चरण में दूसरे स्थान पर रहे थे।

स्पेन के जंगल में लगी आग, 11 लोगों की मौत

मैड्रिड। स्पेन के अधिकांश हिस्सों में तापमान बढ़ने के बीच जंगल में आग लगने से 11 लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

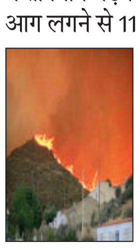

जंगल में लगी आग के कई पीड़ितों के शव जले हुए वाहनों के अंदर मिले। आग पर काबू पाने के अभियान में 150 दमकलकर्मी और स्पेन की सैन्य आपातकालीन इकाई के 220 जवान जुटे हुए हैं। यह आग सिएरा दे लॉस फिलाब्रेस पहाड़ियों के पास एक छोटे से गांव में लगी। आग लगने के कारण की पुष्टि नहीं की लेकिन स्थानीय लोगों ने बताया कि आग बिजली के जमीन पर गिरे तार से भड़की थी।

रूस में दो रोबोट ने किया प्रतीकात्मक विवाह

मॉस्को। रूस की राजधानी मॉस्को में दो ह्यूमनॉइड रोबोट ने आपस में प्रतीकात्मक विवाह कर लिया। दो एआई ह्यूमनॉइड रोबोट (रॉबर्ट और मटिल्डा) को आधिकारिक रूप से जीवनसाथी घोषित किया गया।

एक रोबोडॉग ने वेडिंग रिंग पहुंचाई। ह्यूमनॉइड रोबोट रॉबर्ट को ऑफिस कर्मचारी और ब्लॉगिंग के लिए डिजाइन किया गया है। जबकि मटिल्डा को एक बैलेरिना के रूप में बनाया गया है। दोनों ह्यूमन रोबोट्स एआई की मदद से बातें कर सकते हैं। मॉस्को की पुश्किन लाइब्रेरी में यह विवाह आयोजित किया गया।

चार दशकों में किसी भारतीय पीएम का न्यूजीलैंड का यह पहला दौरा

व्यापार, निवेश और रक्षा क्षेत्रों में हुए संबंधों की व्यापक समीक्षा करेंगे

पीएम मोदी पहुंचे ऑकलैंड, एयरपोर्ट पर पीएम लक्सन ने किया स्वागत

पीएम मोदी ने मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर के साथ ही भारत और न्यूजीलैंड ने द्विपक्षीय व्यापार और वाणिज्यिक संबंधों को मजबूत करने की प्रतिबद्धता जताई है। उन्होंने कहा कि हमारे द्विपक्षीय संबंधों में भारतीय प्रवासी समुदाय का महत्वपूर्ण योगदान रहा है

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

पीएम नरेंद्र मोदी अपने तीन देशों के दौरे के आखिरी चरण के लिए शुक्रवार को ऑकलैंड पहुंचे। पीएम मोदी के यहां पहुंचने पर न्यूजीलैंड के पीएम क्रिस्टोफ़र लक्सन ने उन्हें गले लगाकर उनका स्वागत किया। इस दौरान न्यूजीलैंड में भारत की उच्चायुक्त मुआनपुई सैयावी समेत कई अधिकारी मौजूद थे। पीएम मोदी ने 'एक्स' पर इसकी जानकारी देते हुए कहा कि एयरपोर्ट पर स्वागत के लिए पीएम लक्सन का आभारी हूं। पीएम मोदी ने इस दौरे को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि चार दशकों में किसी पीएम का न्यूजीलैंड का यह पहला दौरा है। मैं पीएम लक्सन के साथ बातचीत करने और भारत-न्यूजीलैंड दोस्ती के सभी पहलुओं पर चर्चा करने के लिए उत्सुक हूं। बता दें, दोनों नेता व्यापार, निवेश, रक्षा और अन्य अहम क्षेत्रों में दोनों देशों के संबंधों की व्यापक समीक्षा करेंगे। पिछले दो वर्षों में भारत और न्यूजीलैंड के बीच व्यापार और रक्षा सहयोग में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। पीएम मोदी का एयरपोर्ट पर भारतीय समुदाय के लोगों ने स्वागत किया।

भारतीय समुदाय से मिले पीएम मोदी

पीएम मोदी का स्वागत करते न्यूजीलैंड के पीएम लक्सन

आर्थिक और व्यापारिक संबंध मजबूत होंगे

पीएम मोदी ने कहा कि मेरी यह यात्रा मार्च 2025 में पीएम लक्सन की भारत यात्रा के बाद हमारे द्विपक्षीय संबंधों में आई मजबूती को और आगे बढ़ाएगी। इस यात्रा के दौरान, मैं पीएम लक्सन के साथ आर्थिक, व्यापारिक और वाणिज्यिक संबंधों को और मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा करूंगा। मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर हस्ताक्षर के साथ ही भारत और न्यूजीलैंड ने द्विपक्षीय व्यापार और वाणिज्यिक संबंधों को मजबूत करने की प्रतिबद्धता जताई है।

भारत आर्थिक महाशक्तिः ट्वायफोर्ड

न्यूजीलैंड के सांसद फिल ट्वायफोर्ड ने कहा कि भारत एशिया में एक राजनीतिक और आर्थिक महाशक्ति के तौर पर उभरा है और न्यूजीलैंड को भारत के साथ गहरी साझेदारी से फायदा होगा। अब हम एक बहुपक्षीय अंतरराष्ट्रीय माहौल में रहते हैं। अब सिर्फ एक सुपरपावर नहीं है; कई हैं। भारत के साथ मुक्त व्यापार समझौता इस मामले में बहुत सही समय पर हुआ है।

दोनों देशों की अर्थव्यवस्था बढ़ेगीः मैक्ले

न्यूजीलैंड व्यापार और निवेश मंत्री टॉड मैक्ले ने कहा कि भारत-न्यूजीलैंड एफटीए दोनों देशों को आर्थिक साझेदारी को गहरा करने के लिए एक मजबूत मंच देता है। इस समझौते के बाद भारत के साझेदार के रूप में न्यूजीलैंड अर्थव्यवस्था के विकास में मदद करेगा। खेती, इनोवेशन और एग्री-टेक्नोलॉजी में न्यूजीलैंड की विशेषज्ञता भारत के विकास में, खासकर खेती की उत्पादकता और ग्रामीण आय बढ़ाने में, अहम योगदान दे सकती है।

12 दिसंबर को चेन्नई में होगा बिग बैश लीग का पहला मैच

शुक्रवार को ऑस्ट्रेलियाई पीएम एंथनी अल्बानीज ने घोषणा की कि 2026-27 बिग बैश लीग सीजन भारत में शुरू होगा। चेन्नई का एमए चिदंबरम स्टेडियम दिसंबर में शुरुआती मैच की मेजबानी करेगा। यह घोषणा पीएम मोदी के साथ एक संयुक्त बयान में की गई। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने बाद में पुष्टि की कि मेलबर्न रेनेगेड्स 12 दिसंबर को ऐतिहासिक सीजन के पहले मैच में पर्थ स्कॉचर्स का सामना करेगा। यह मैच ऑस्ट्रेलिया के बाहर खेला जाने वाला पहला बिग बैश लीग मैच होगा। पीएम मोदी ने कहा कि भारत 2030 राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी करेगा। देश 2036 ओलंपिक के लिए भी अपनी दावेदारी पेश कर रहा है।

स्टीव वॉ और लीसा से मिले पीएम

एमसीजी दौरे के दौरान पीएम ने पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान स्टीव वॉ को लगभग दो दशक पुरानी एक तस्वीर भेंट की। यह तस्वीर उस समय की थी जब नरेंद्र मोदी गुजरात के मुख्यमंत्री थे और उनकी स्टीव वॉ से मुलाकात हुई थी। पूर्व महिला कप्तान लीसा स्थालेकर के आग्रह पर पीएम मोदी ने बैट पर अपने हस्ताक्षर दिए।

देश की मिट्टी में मरने की चाहत

दिसंबर में बांग्लादेश लौटेंगी पूर्व पीएम शेख हसीना, कोर्ट में करेंगी 'सरेंडर'

पूर्व पीएम शेख हसीना

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

बांग्लादेश की पूर्व पीएम शेख हसीना ने कहा है कि वह दिसंबर में भारत से बांग्लादेश देश लौटेंगी और कोर्ट में सरेंडर करेंगी। उन्होंने कहा कि उनके साथ अवामी लीग के कई सीनियर नेता भी बांग्लादेश लौटकर आत्मसमर्पण करेंगे। उन्होंने कहा कि अवामी लीग के नेताओं और कार्यकर्ताओं पर लगातार कार्रवाई हो रही है।

लगभग सभी बड़े नेताओं और कार्यकर्ताओं पर मुकदमे दर्ज किए गए हैं और कई लोग छिपकर रहने को मजबूर हैं। बता दें, हसीना 2024 में सरकार विरोधी आंदोलन के बाद बांग्लादेश छोड़कर भारत आ गई थीं। इसके बाद उन्हें छात्र आंदोलन पर कार्रवाई से जुड़े मामले में मौत की सजा सुनाई गई। वह इन आरोपों से इनकार करती रही हैं।

सरकार से वापसी पर कोई बातचीत नहीं

शेख हसीना ने कहा कि उन्होंने बांग्लादेश लौटने को लेकर सरकार से कोई बातचीत नहीं की है। उनका कहना है कि लोकतंत्र, चुनाव, अवामी लीग के राजनीतिक अधिकार और न्याय जैसे मुद्दों पर पर्दे के पीछे बातचीत नहीं हो सकती। उन्होंने दावा किया कि बांग्लादेश सरकार उन्हें वापस भेजने के लिए भारत को लगातार पत्र लिख रही है। मुझे वापस लाने की जरूरत नहीं पड़ेगी, मैं खुद ही लौटूंगी। हालांकि, हसीना के इस दावे पर बांग्लादेश सरकार की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। वहीं भारत ने भी फिलहाल कोई टिप्पणी नहीं की। इससे पहले अप्रैल में भारत ने कहा था कि वह बांग्लादेश के प्रत्यर्पण अनुरोध पर विचार कर रहा है और नई सरकार के साथ संबंध मजबूत करने की दिशा में काम कर रहा है।

गलती की है तो फैसला जनता करे

शेख हसीना ने कहा कि उन्हें जेल जाने का डर नहीं है, क्योंकि वह पहले भी कई बार गिरफ्तार हो चुकी हैं। उन्होंने कहा कि सत्ता में लंबे समय तक रहने वाली किसी भी सरकार से गलतियां हो सकती हैं, लेकिन उसका फैसला अदालत नहीं, जनता को करना चाहिए। अगर हमारी सरकार से गलतियां हुई हैं, तो जनता फैसला करेगी।

संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट में 2024 के छात्र आंदोलन पर कार्रवाई में करीब 1,400 लोगों की मौत होने की बात कही गई है। इसी मामले में शेख हसीना को अनुपस्थिति में मौत की सजा सुनाई गई थी। हसीना ने कहा कि उन्हें भरोसा है कि अदालत की सुनवाई शुरू होने पर सच्चाई सामने आ जाएगी।

यूएन में संघर्ष संबंधी यौन हिंसा की निंदा

भारत बोला- यह एक जघन्य कृत्य राजनीतिक दमन का बड़ा हथियार

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

भारत ने संघर्ष-संबंधी यौन हिंसा (सीआरएसवी) की कड़ी निंदा करते हुए इसे युद्ध, आतंकवाद, यातना और राजनीतिक दमन का एक हथियार बताया है, जिसका प्रयोग समुदायों को अधीन करने, असहमति को दबाने और मानवीय पीड़ा पहुंचाने के लिए किया जाता है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में संघर्ष-संबंधी यौन हिंसा पर खुली बहस में बोलते हुए, संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि, राजदूत पी. हरीश ने कहा कि इस तरह की हिंसा दण्ड मुक्ति की प्रचलित संस्कृति के बीच

जारी है। उन्होंने कहा कि भारत ऐसे जघन्य कृत्यों की कड़ी निंदा करता है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव की रिपोर्ट का संदर्भ देते हुए उन्होंने कहा कि 2025 में सत्यापित मामलों में हुई तीव्र वृद्धि सामूहिक कार्रवाई की तत्काल आवश्यकता को रेखांकित करती है। संयुक्त राष्ट्र शांतिरक्षा में भारत के महत्वपूर्ण योगदानों पर प्रकाश डाला।

ओमान पहुंचे विदेश मंत्री एस. जयशंकर

रक्षा, व्यापार, साइबर, समुद्री सुरक्षा समेत कई मुद्दों पर हुई अहम चर्चा

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

विदेश मंत्री डॉ. सुब्रह्मण्यम जयशंकर ओमान पहुंचे। उनके आगमन पर ओमान के विदेश मंत्रालय के महानिदेशक शेख अहमद अल मस्कारी ने उनका स्वागत किया। जयशंकर ने ओमान की राजधानी मस्कट में ओमान के विदेश मंत्री सय्यद बदर बिन हमद अल बुसैदी से मिले। उन्होंने एक्स पर इस मुलाकात की जानकारी देते हुए लिखा कि हमारे सहयोग के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा करके खुशी हुई। बातचीत मुख्य रूप से व्यापार, निवेश, कनेक्टिविटी,

जयशंकर और बदर अल बुसैदी

समुद्री मामलों, टेक्नोलॉजी, रक्षा और साइबर व एआई के क्षेत्रों पर केंद्रित रही। खाड़ी क्षेत्र में हो रहे घटनाक्रमों और शांति व स्थिरता सुनिश्चित करने के प्रयासों पर विस्तार से विचारों का आदान-प्रदान हुआ। हमारी बातचीत हमारी रणनीतिक साझेदारी के भरोसे और मजबूती को दर्शाती है।

नेतन्याहू की ईरान को चेतावनी, युद्ध अभी खत्म नहीं हुआ

समझौता हो या न हो, तेहरान के पास नहीं होंगे परमाणु हथियार

एजेंसी ▶▶ तेल अवीव/वॉशिंगटन

अमेरिका और ईरान के बीच युद्धविराम के टूटने के बाद पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ गया है। इस बीच इजराइली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने ईरान को धमकी देते हुए कहा है कि युद्ध अभी खत्म नहीं हुआ है और इजराइल हर स्थिति से निपटने की तैयारी कर रहा है। नेतन्याहू ने कहा कि देश की हवाई श्रेष्ठता बनाए रखना उसकी राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति का आधार है। उन्होंने कहा कि हमारी नीति साफ है कि ईरान के पास परमाणु हथियार नहीं होंगे, चाहे कोई समझौता हो या न हो। अगर हमने कार्रवाई नहीं की होती तो ईरान परमाणु हथियार हासिल कर चुका होता। युद्ध अभी खत्म नहीं हुआ है और हमारे सामने नई चुनौतियां उभर रही हैं।

ईरानी विदेश मंत्री ने भी की बातचीत

ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने के विदेश मंत्री सैय्यद बद्र बिन हमद अल बुसैदी और तुर्किए के विदेश मंत्री हकन फिदान के साथ फोन पर बातचीत की।

राष्ट्रपति ट्रंप से फोन पर की बात

पीएम नेतन्याहू ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से फोन पर बातचीत की। दोनों नेताओं ने अपने देशों के बीच विभिन्न मोर्चों पर समन्वय और तालमेल बनाए रखने पर सहमति जताई। ट्रंप ने नेतन्याहू को खाड़ी क्षेत्र में अमेरिका की हालिया गतिविधियों और कार्रवाइयों की विस्तृत जानकारी दी। पीएम नेतन्याहू ने तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन और उनके सहयोगियों की इजराइल-विरोधी टिप्पणियों की गंभीरता का मुद्दा उठाया।

8 माह तक चिकित्सा से जुड़े कई वैज्ञानिक प्रयोग करेंगे

भारतीय मूल के नासा अंतरिक्ष यात्री अनिल मेनन 14 जुलाई को स्पेस के लिए होंगे रवाना

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा के भारतीय मूल के अंतरिक्ष यात्री अनिल मेनन 14 जुलाई को कजाखस्तान स्थित बैकानूर कॉस्मोड्रोम (अंतरिक्ष प्रक्षेपण स्थल) से अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के लिए आठ महीने के मिशन पर रवाना होंगे।

अनिल मेनन

मिनियापोलिस में यूक्रेनी और भारतीय प्रवासी माता-पिता के घर जन्मे मेनन आपातकालीन चिकित्सा के चिकित्सक और अमेरिकी अंतरिक्ष बल में कर्नल हैं।

सेमीकंडक्टर क्रिस्टल के शोध को आगे बढ़ाएंगे

मेनन कई वैज्ञानिक प्रयोग करेंगे। इनमें लंबे समय तक अंतरिक्ष में रहने का मानव शरीर पर पड़ने वाले शारीरिक प्रभावों का अध्ययन तथा यह जांच शामिल होगी कि सूक्ष्म गुरुत्वाकर्षण अंतरिक्ष यात्रियों के रक्त प्रवाह, नसों की संरचना और रक्त की संरचना को किस प्रकार प्रभावित करता है। वह अंतरिक्ष स्टेशन की पेयजल प्रणाली का उपयोग करके अंतःशिरा द्रव तैयार करने की तकनीक का भी परीक्षण करेंगे। वे सेमीकंडक्टर क्रिस्टल के उत्पादन को बेहतर बनाने से जुड़े शोध को भी आगे बढ़ाएंगे, ताकि उच्च प्रदर्शन वाले कंप्यूटरों, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और उन्नत चिकित्सा उपकरणों के लिए आवश्यक पुर्जों का बड़े पैमाने पर निर्माण संभव हो सके।

पत्नी भी अंतरिक्ष यात्री

अमेरिकी वायुसेना में अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने 'ऑपरेशन एंड्यूरिंग फ्रीडम' के तहत अफगानिस्तान में अग्रिम मोर्चे पर सेवा दी। उन्होंने 'हिमालयन रेस्क्यू एसोसिएशन' के साथ भी काम किया, जहां वह माउंट एवरेस्ट पर पर्वतारोहियों का इलाज करते थे। 49 वर्षीय मेनन वह रूस की अंतरिक्ष एजेंसी रोस्कोस्मोस के सोयुज एमएस-29 अंतरिक्ष यान से अंतरिक्ष की यात्रा करेंगे।

26 जून को वायुसेना के दो सी-17 विमानों को भेजकर हुई थी मदद की शुरुआत

सफलतापूर्वक संपन्न हुआ वेनेजुएला में चलाया गया भारत का 'अमिस्ताद' अभियान

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

पिछले महीने वेनेजुएला में आए विनाशकारी भूकंप के बाद तत्काल आधार पर सहायता प्रदान करने के लिए भारत द्वारा शुरू किया गया मानवीय सहायता और आपदा राहत (एचएडीआर) अभियान 'अमिस्ताद' समाप्त हो गया है। विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को इसकी आधिकारिक रूप से घोषणा करते हुए बताया कि वेनेजुएला से 10 जुलाई को भारतीय राहत दल के नई दिल्ली लौटने के बाद 'अमिस्ताद' अभियान अब सफलता के साथ पूरी तरह से खत्म हो गया है। जिसके लिए वेनेजुएला की वर्तमान में कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज ने प्राकृतिक आपदा के दौरान समय पर की गई भारत की मदद, सहयोग और सद्भावना के लिए पीएम नरेंद्र मोदी के प्रति आभार जताया है।

फील्ड अस्पताल से पहुंचाई मदद

26 जून को भारत ने इस अभियान की शुरुआत वायुसेना के 2 सी-17 ग्लोबमास्टर-तीन विमानों को वेनेजुएला के लिए रवाना कर की थी। भारतीय सेना के 60 पैरा फील्ड अस्पताल का 41 सदस्यीय चिकित्सा दल भी दक्षिण अमेरिकी देश भेजा गया था। जिसमें सर्जन, एनेस्थेसियोलॉजिस्ट, हड्डी रोग सर्जन, डेंटल व अन्य फिजिशियन, पैरामेडिकल और सपोर्ट स्टाफ शामिल थे। विमानों के साथ 2 भीष्म क्यूब भी वेनेजुएला भेजी गई थीं। इन्हें स्टेट ऑफ द आर्ट मॉड्यूलर-पोर्टेबल मोबाइल मिनी अस्पताल के लिए डिजाइन किया गया है।

फील्ड अस्पताल में हुई 20 बड़ी सर्जरी

भारत ने अपने अमिस्ताद अभियान को वेनेजुएला की सरकार, स्थानीय एजेंसियों के साथ निकट समन्वय स्थापित कर संचालित किया। यह उनका ही सहयोग था, जिसकी मदद से सेना ने बड़ी तेजी के साथ भूकंप प्रभावित इलाके में अपना फील्ड अस्पताल खड़ा किया और फिर तेजी के साथ मरीजों का उपचार कार्य शुरू किया। अस्पताल में भूकंप से प्रभावित सैकड़ों लोगों को तुरंत आधार पर जरूरी चिकित्सा सहायता प्रदान की गई। 26 जून से भारत पहुंचने से पहले फील्ड अस्पताल में सेना के डॉक्टरों ने 8 हजार से अधिक मेडिकल प्रोसिजर और प्रयोगशाला जांच की। जिसमें 20 बड़ी सर्जरी भी शामिल हैं।

अभियान दोस्ती और सद्भावना का प्रतीक

भारत सरकार ने अमिस्ताद अभियान के दौरान भारतीय दल को दी गई सहायता और सहयोग के लिए वेनेजुएला की सरकार की सराहना की है। यह अभियान भारत और वेनेजुएला के बीच मौजूद मजबूत दोस्ती और सद्भावना का प्रतीक है। इसके अलावा यह नई दिल्ली द्वारा अपने तमाम भागीदार देशों को मुश्किल वक्त में हर संभव सहायता प्रदान करने को लेकर बनी हुई प्रतिबद्धता को भी प्रदर्शित करता है। जिसके पीछे भारत के वसुधैव कुटुंबकम (द वर्ल्ड इज वन फैमिली) की सोच और सिद्धांत प्रमुख रूप से शामिल रहा है।

फ्रांस ने क्वार्टर फाइनल में मोरक्को को 2-0 से हराया

एमबाप्पे का मैजिक, फ्रांस ने लगातार तीसरी बार सेमीफाइनल में मारी एंट्री

एजेंसी ▶▶| फॉक्सबोरो

काइलियन एमबाप्पे ने पहले हाफ में पेनल्टी किक चूकने के बाद शानदार वापसी करके एक गोल किया और एक गोल करने में मदद की, जिससे फ्रांस ने विश्व कप फुटबॉल के पहले क्वार्टर फाइनल में मोरक्को को 2-0 से हराकर लगातार तीसरी बार सेमीफाइनल में जगह बनाई। फ्रांस की तरफ से ओस्मान डेम्बेले ने दूसरा गोल किया। अब सेमीफाइनल में उसका मुकाबला मंगलवार को डलास में स्पेन या बेल्जियम में से किसी एक से होगा।

जीत नहीं जाते, तब तक चैन से नहीं बैठेंगे : एमबाप्पे

एमबाप्पे ने कहा, 'आराम करने का सिर्फ एक ही तरीका है और वो है जीत हासिल करना। जब तक हम जीत नहीं जाते, हम चैन से नहीं बैठेंगे। हम सेमीफाइनल में पहुंच गए हैं और बहुत खुश हैं, लेकिन अभी लंबा सफर तय करना बाकी है।' एमबाप्पे ने कहा, 'मेरे टखने में चोट लगी थी, लेकिन मैं ठीक हूं।'

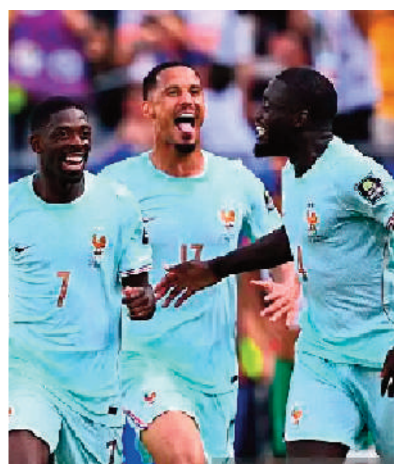

एमबाप्पे का मनोबल अविश्वसनीय : डेम्बेले

डेम्बेले ने कहा, ' एमबाप्पे हमारे कप्तान हैं और उनका मनोबल अविश्वसनीय है। हम उनसे और भी अधिक गोल की उम्मीद कर रहे हैं।'

एमबाप्पे के विश्व कप में 20 गोल पूरे

एमबाप्पे का 60वें मिनट में किया गया गोल उनके विश्व कप करियर का 20वां गोल था, जिससे वह अर्जेंटीना के कप्तान लियोनेल मेस्सी से सिर्फ एक गोल पीछे रह गए। डेम्बेले ने 66वें मिनट में टूर्नामेंट का अपना पांचवां गोल किया। कतर में 2022 में खेले गए सेमीफाइनल में फ्रांस ने मोरक्को को इसी स्कोर से हराया था। फ्रांस अब लगातार तीन विश्व कप के फाइनल में खेलने वाला तीसरा देश बनने की राह पर है। एमबाप्पे ने इस साल के विश्व कप में अपना आठवां गोल करने के बाद अपनी बाहें फैलाकर चारों ओर चक्कर लगाया।

'गोल्डन बूट' की दौड़ मेस्सी की बराबरी पर एमबाप्पे

फॉक्सबोरो। काइलियन एमबाप्पे फ्रांस की विश्व कप क्वार्टर फाइनल में मोरक्को पर 2-0 की जीत से 'गोल्डन बूट' की दौड़ में अर्जेंटीना के कप्तान लियोनेल मेस्सी की बराबरी पर पहुंच गए हैं।इन दोनों खिलाड़ियों ने मौजूदा टूर्नामेंट में अभी तक 8- 8 गोल किए हैं। वह टूर्नामेंट में सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ी को मिलने वाले 'गोल्डन बूट' की दौड़ में सबसे आगे हैं। एमबाप्पे ने हालांकि तीन गोल करने में मदद की है, जबकि मेस्सी ने एक बार ही ऐसा किया है। 'गोल्डन बूट' हासिल करने की दौड़ में इन दोनों को नॉर्वे के स्टार स्ट्राइकर एर्लिंग हालैंड (सात गोल), इंग्लैंड के हेरी केन (छह) और फ्रांस के ओस्मान डेम्बले (पांच) से कड़ी चुनौती मिल रही है।

मोरक्को के डिफेंडर ने एमबाप्पे को गिराया

मैच का पहला शॉट भी एमबाप्पे ने ही चौथे मिनट में लगाया था, जो गोल के दाहिनी ओर से थोड़ा बाहर चला गया। फिर 25वें मिनट में जब वह बाई ओर से आगे बढ़ रहे थे तो बॉक्स के अंदर मोरक्को के डिफेंडर नौसेर मजराउई ने उन्हें गिरा दिया। इससे फ्रांस को पेनल्टी मिल गई। लेकिन एमबाप्पे का दाहिने कोने की ओर मारा गया शॉट गोलकीपर यासीन बोनू ने सही दिशा का अनुमान लगाकर रोक लिया। मोरक्को को गोल करने का सबसे अच्छा मौका हाफ टाइम की सीटी बजने से ठीक पहले मिला जब अशरफ हकीमी ने बॉक्स के बाहर से एक फ्री किक मारी जो दाहिने पोस्ट के पास से निकल गई। फ्रांस के पास अब ब्राजील और पश्चिम जर्मनी की तरह लगातार तीन विश्व कप फाइनल में पहुंचने का मौका है।

विंबलडन : ओस्टापेंको-अरेवालो ने जीता मिक्स्ड डबल्स का खिताब

एजेंसी ▶▶| लंदन

जेलेना ओस्टापेंको और मार्सेलो अरेवालो की जोड़ी ने शानदार वापसी करते हुए विंबलडन का मिक्स्ड डबल्स खिताब अपने नाम किया। फाइनल मुकाबले में उन्होंने ऑस्ट्रेलिया की स्टॉर्म हंटर और मार्क पोलमैन्स की जोड़ी को 4-6, 7-5, 6-2 से हराया। फाइनल की शुरुआत ऑस्ट्रेलियाई जोड़ी ने शानदार अंदाज में की। हंटर और पोलमैन्स ने पहला सेट 6-4 से जीत लिया।

दूसरे सेट में भी उन्होंने जल्दी सर्विस ब्रेक हासिल कर 3-1 की बढ़त बना ली थी। ऐसा लग रहा था कि मुकाबला सीधे सेटों में खत्म हो जाएगा, लेकिन ओस्टापेंको और अरेवालो ने इसके बाद शानदार वापसी की। दोनों खिलाड़ियों ने बेहतरीन तालमेल दिखाया और अगले आठ में से छह गेम जीतकर दूसरा सेट 7-5 से अपने नाम कर लिया।

इसके साथ ही मैच निर्णायक तीसरे सेट में पहुंच गया। तीसरे सेट से पहले सेंटर कोर्ट की छत बंद कर दी गई। इसके बाद ओस्टापेंको और अरेवालो ने अपनी लय बरकरार रखी। उन्होंने चौथे और आठवें गेम में विरोधी टीम की सर्विस तोड़ी और तीसरा सेट 6-2 से जीतकर 1 घंटा 56 मिनट में मैच और खिताब को अपने नाम कर लिया।

विंबलडन जीतना खास एहसास - ओस्टापेंको

जीत के बाद ओस्टापेंको ने कहा कि यह उनके लिए शानदार सप्ताह रहा। उन्होंने कहा कि अब वह सिंगल्स, डबल्स और मिक्स्ड डबल्स, तीनों वर्गों में ग्रैंड स्लैम चैंपियन बन चुकी हैं। उन्होंने बताया कि मार्सेलो अरेवालो के साथ खेलना उन्हें बहुत पसंद है और दोनों कोर्ट पर खेल का पूरा आनंद लेते हैं। उनके अनुसार, विंबलडन जीतना हमेशा खास एहसास होता है।

विंबलडन में खेलना सपना सच होने जैसा - अरेवालो

अरेवालो ने कहा कि एल साल्वाडोर जैसे छोटे देश से आकर विंबलडन के सेंटर कोर्ट पर खेलना उनके लिए किसी सपने के सच होने जैसा है। उन्होंने कहा कि वह अपने देश के बच्चों को प्रेरित करना चाहते हैं और उन्हें यह विश्वास दिलाना चाहते हैं कि मेहनत और अपने सपनों पर भरोसा करके बड़ी सफलता हासिल की जा सकती है। उन्होंने अपनी जोड़ीदार ओस्टापेंको की भी तारीफ करते हुए कहा कि उनके साथ खेलना उनके लिए गर्व की बात है।

अरेवालो ने जीता करियर का तीसरा ग्रैंड स्लैम खिताब

मार्सेलो अरेवालो के लिए भी यह उपलब्धि ऐतिहासिक रही। वह विंबलडन का खिताब जीतने वाले एल साल्वाडोर के पहले खिलाड़ी बन गए हैं। यह उनके करियर का तीसरा ग्रैंड स्लैम खिताब है। इससे पहले वह 2022 और 2024 में रोलैंड गैरोस (फ्रेंच ओपन) पुरुष डबल्स का खिताब जीत चुके हैं।

खबर संक्षेप

अमुंडी एवियन चैंपियनशिप अदिति संयुक्त 35वें स्थान पर

एवियन-लेस-बैंस। भारतीय गोल्फर अदिति अशोक ने अमुंडी एवियन चैंपियनशिप के पहले दौर में एक अंडर 70 का स्कोर बनाया, जिससे वह संयुक्त 35वें स्थान पर चल रही हैं। लेडीज यूरोपियन टूर में पांच बार की विजेता और 2016 में हीरो महिला इंडियन ओपन की चैंपियन अदिति नौवीं बार इस टूर्नामेंट में खेल रही हैं, लेकिन वह केवल एक बार ही शीर्ष 25 में जगह बना पाई। वह शीर्ष पर काबिज जापान की अकी इवाई से सात शॉट पीछे हैं। अदिति ने पहले नौ होल में दो बर्डी लगाई लेकिन इस बीच वह दो बोगी भी कर गई। इसके बाद उन्होंने एक बोगी करने के बाद 14वें और 15वें होल पर लगातार दो बर्डी हासिल की।

नगारवा जिम्बाब्वे वनडे और टेस्ट टीम के कप्तान

हरारे। जिम्बाब्वे क्रिकेट ने अपनी पुरुष और महिला राष्ट्रीय टीमों के कप्तानों की आधिकारिक घोषणा कर दी है। बोर्ड ने बताया कि तेज गेंदबाज रिचर्ड नगारवा पुरुषों की टेस्ट और वनडे टीम के कप्तान बने रहेंगे, जबकि अनुभवी ऑलराउंडर सिकंदर रजा टी20 फॉर्मेट में कप्तानी करते रहेंगे। महिला टीम की कमान अनुभवी ऑलराउंडर जोसेफिन नकोमो को दी गई है। नगारवा ने हाल ही में हरारे स्पोर्ट्स क्लब में बांग्लादेश के खिलाफ एकमात्र टेस्ट मैच में कप्तानी की शुरुआत की थी और वनडे टीम का भी नेतृत्व कर रहे हैं। टेस्ट टीम में युवा बल्लेबाज ब्रायन बेनेट को उपकप्तान बनाया गया है। वनडे प्रारुप में सिकंदर रजा उपकप्तान रहेंगे। महिला टीम में लेफ्ट-आर्म तेज गेंदबाज नोमवेलो सिबांडा को उपकप्तान नियुक्त किया गया है।

साउथम्प्टन में आज साख बचाने उतरेगी इंडिया

भारत को 'क्लीन स्वीप' से बचने के लिए करना होगा अच्छा प्रदर्शन

एजेंसी ▶▶| साउथम्प्टन

ब्रिटेन के दौरे में अब तक निराशाजनक प्रदर्शन करने वाली भारतीय टीम को अगर इंग्लैंड के खिलाफ 'क्लीन स्वीप' से बचना है तो उसे शनिवार 11 जुलाई को होने वाले पांचवें टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में खेल के हर विभाग में अच्छा प्रदर्शन करना होगा।

दक्षिणी शहर साउथम्प्टन में पांच मैचों की श्रृंखला का आखिरी मैच खेलेगी। इस श्रृंखला का पहला मैच बारिश के कारण रद्द कर दिया गया था। कप्तान बनने के बाद उन्हें अब भी अपनी पहली जीत की तलाश है। भारतीय टीम के 2006 में पहली बार टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने के बाद से यह सबसे लंबा अंतराल है जबकि वह कोई मैच नहीं जीत पाई।

नॉटिंघम में भारत ने की सबसे खराब बल्लेबाजी

ओल्ड ट्रैफर्ड में खेले गए दूसरे मैच को छोड़कर भारतीय टीम ने खेल के हर विभाग में लचर प्रदर्शन किया। दूसरे मैच में भारत अच्छी स्थिति में दिख रहा था लेकिन रवि बिश्नोई के 17वें ओवर ने भारत को जीत से दूर कर दिया। नॉटिंघम में भारत ने अब तक का सबसे खराब बल्लेबाजी प्रदर्शन किया और टीम 76 रन पर आउट हो गई। ब्रिस्टल में खेले गए चौथे मैच में टीम प्रत्येक विभाग में नाकाम रही। अब भारतीय टीम प्रतिष्ठा बचाने के लिए मैदान पर उतरेगी। अय्यर का कट्टर प्रशंसक उनकी कप्तानी के शुरुआती दिनों में 0-4 की शर्मनाक हार से बेहतर 1-3 की हार को ही स्वीकार कर लेगा।

महिला विंबलडन : ऑल इंग्लैंड क्लब में चेक गणराज्य की बनेंगी चैंपियन

एजेंसी ▶▶| लंदन

लिंडा नोस्कोवा ने बचपन में टेनिस पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया था, जब तक कि उन्होंने 2011 में चेक गणराज्य की अपनी हमवतन पेट्रा क्वितोवा को विंबलडन फाइनल जीतते हुए नहीं देखा।

ऑल इंग्लैंड क्लब के सेंटर कोर्ट पर पहली बार खेलने वाली 21 वर्षीय नोस्कोवा ने कहा, 'शायद यही वह पहला क्षण था जब मुझे अहसास हुआ कि टेनिस जैसा कोई खेल भी होता है।' लेकिन अब वह विंबलडन के महिला एकल फाइनल में हैं, जहां उनका सामना चेक गणराज्य की एक अन्य खिलाड़ी कैरोलिना मुचोवा से होगा। विंबलडन महिला एकल का फाइनल शनिवार को खेला जाएगा। नोस्कोवा ने सेमीफाइनल में मार्टा कोस्त्युक को सीधे सेटों में 6-4, 6-4 से हराया जबकि मुचोवा ने कोको गॉफ को 6-2 1-6 7-6(10) से पराजित किया। इसका मतलब यह है कि 2023 में मार्केटा वोंद्रोसोवा और 2024 में बारबोरा क्रेज्सिकोवा के बाद चार साल में ऑल इंग्लैंड क्लब में तीसरी चेक महिला चैंपियन होगी।

19 सितंबर से 4 अक्टूबर तक होगा टूर्नामेंट

एशियाई खेल : महिला हॉकी टीम का ऐलान, सलीमा संभालेंगी कप्तानी

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

अनुभवी मिडफील्डर सलीमा टेटे 19 सितंबर से 4 अक्टूबर तक होने वाले एशियाई खेलों के दौरान भारत की 20 सदस्यीय महिला हॉकी टीम की कमान संभालेंगी।

सलीमा की कप्तानी में ही भारत ने पिछले महीने न्यूजीलैंड में एफआईएच नेशंस कप में अपराजेय रहकर खिताब जीतने के साथ प्रो लीग में वापसी की थी। भारत के मुख्य कोच शोर्ड मारिन ने कहा,' हमारे पास ऐसी टीम में, जिसमें जूनियर, अनुभवी

खिलाड़ियों और सीनियर खिलाड़ियों का अच्छा मिश्रण है, जो लगातार एक दूसरे के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए प्रयास करते हैं।'

सविता, बिछू देवी होंगी गोलकीपर

सविता और बिछू देवी खारीबम टीम में दो गोलकीपर होंगी। वहीं डिफेंस में सुशीला चाजू, इशिका चौधरी और ज्योति के साथ लालथांटलुआंगी और शिल्पी डबास को मौका दिया गया है। मिडफील्ड का जिम्मा सलीमा के साथ निक्की प्रधान, साक्षी राणा, सुनेलिटा टोप्पो, नेहा और दीपिका सोरेंग पर रहेगी। फॉरवर्ड पंक्ति में लालरेम्सियामी, रूतुजा पिसाल, नवनीत कौर, बलजीत कौर और नेशंस कप में सर्वाधिक छह गोल करने वाली दीपिका हैं। मारिन ने कहा ,' इस समूह ने साबित कर दिया है कि वे फॉर्म में हैं और फिट भी। हमें यकीन है कि यह टीम एशियाई खेलों की चुनौती के लिए तैयार है।'

राष्ट्रमंडल खेलों से हटी तैराक मैककेओन

सिडनी। पांच बार की ओलंपिक तैराकी स्वर्ण पदक विजेता केली मैककेओन बीमार होने के कारण राष्ट्रमंडल खेलों और उसके बाद होने वाली पैन पैसिफिक चैंपियनशिप से हट हो गई हैं। इस बैकस्ट्रोक तैराक ने तोक्यो ओलंपिक में 100 और 200 मीटर दोनों स्पर्धाओं में जीत हासिल की और 2024 में पेरिस खेलों में भी इस उपलब्धि को दोहराया। उन्होंने पिछले साल सिंगापुर में आयोजित विश्व चैंपियनशिप में भी दोनों स्पर्धाओं में जीत दर्ज की थी। मैककेओन ने कहा, 'अस्वस्थ होने के कारण नाम वापस लेने से मैं बेहद दुखी हूं। कुछ दिन पहले मुझे जुकाम हो गया था लेकिन बाद में पता चला कि असल में मुझे 'ग्लैंडुलर फीवर' हो गया था।' उन्होंने कहा, 'ट्रायल्स से पहले मैं बीमार थी और मेरी तबीयत में कोई सुधार नहीं हुआ है।

बिग बैश लीग

बीबीएल का पहला मैच चेन्नई में क्रिकेट के नए चैप्टर की शुरुआत

12 दिसंबर को बिग बैश लीग के 16वें सीजन का मुकाबला

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और ऑस्ट्रेलियाई पीएम एंथनी अल्बानीज ने मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) में हुए खास कार्यक्रम में बड़ा ऐलान किया। उन्होंने बताया कि ऑस्ट्रेलिया की घरेलू टी20 लीग बिग बैश लीग (बीबीएल) के 16वें सीजन का पहला मुकाबला चेन्नई के एमए चिदंबरम क्रिकेट स्टेडियम में 12 दिसंबर को खेला जाएगा। दोनों देशों द्वारा मिलकर शुरू की गई इस नई पहल को भारत में क्रिकेट के नए चैप्टर की शुरुआत भी माना जा रहा है।

बीबीएल की लोकप्रियता में होगा इजाफा

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया का भी यही कहना है कि भारत में मैच होने से बिग बैश लीग की लोकप्रियता में कई गुना इजाफा होगा। माना जा रहा है कि बीबीएल के इस मैच को देखने फैंस भारी तादाद में पहुंच सकते हैं। हालांकि, बिग बैश लीग के इस कदम को महज एक शुरुआत माना जा रहा है। भारत में क्रिकेट की लोकप्रियता और सजे हुए बाजार को देखते हुए भविष्य में अन्य देश भी अपनी लीगों के मुकाबले भारत में करवाने की पेशकश कर सकते हैं।

पहली बार होगा बीबीएल का मैच विदेशी धरती पर

ऑस्ट्रेलिया के क्रिकेट इतिहास में यह पहला मौका होगा जब बिग बैश लीग का कोई मैच विदेशी धरती पर खेला जाएगा। हालांकि, चुनावों की वजह से भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) कई बार आईपीएल का आयोजन घर से बाहर कर चुका है। मगर ऐसा पहली बार होगा जब किसी विदेशी टी20 लीग का मैच भारत में होगा। इसकी वजह यह भी है कि भारत में क्रिकेट को काफी महत्व दिया जाता है। देश में क्रिकेट को लेकर खास तरह का जुनून भी देखने को मिलता है। भारत में क्रिकेट का बाजार भी काफी बड़ा है और स्टेडियम में लाखों की संख्या में फैंस पहुंचते हैं।

ब्रुक की नजरें टी20 रैंकिंग में इंग्लैंड को शीर्ष पर पहुंचाना

'क्लीन स्वीप' की तैयारी में इंग्लैंड, खतरे में भारत की बादशाहत

एजेंसी ▶▶| ब्रिस्टल

भारत के खिलाफ पांच मैचों की श्रृंखला में 3-0 की अजेय बढ़त हासिल करने के बाद इंग्लैंड के कप्तान हैरी ब्रूक ने स्वीकार किया कि उन्हें इस टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के इतने एकतरफा होने की उम्मीद नहीं थी, ऐसे में उसका लक्ष्य अंतिम मुकाबला जीतकर 'क्लीन स्वीप' करने के साथ मौजूदा विश्व चैंपियन को इस प्रारुप की रैंकिंग के शीर्ष स्थान से हटाना है। इंग्लैंड अगर इसमें भी जीत दर्ज करता है तो वह भारत को पछाड़कर आईसीसी टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में शीर्ष स्थान हासिल कर लेगा।

जीतना हमारा बड़ा लक्ष्य

ब्रूक ने कहा, ' अगर हम दुनिया की नंबर एक टीम बन जाते हैं और इंग्लैंड (फुटबॉल विश्व कप में) सेमीफाइनल तक पहुंचता है, तो यह हमारे लिए बेहद शानदार उपलब्धि होगी।' उन्होंने कहा, ' हमें बताया गया है कि अगला मैच जीतते ही हम शीर्ष रैंकिंग पर पहुंच जाएंगे और यह निश्चित रूप से हमारा बड़ा लक्ष्य है।' ब्रूक ने कहा, 'भारत बेहद मजबूत टीम है। पिछले कुछ वर्षों की तुलना में इस श्रृंखला में यह टीम अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन से थोड़ा पीछे रही है, लेकिन हमें खुशी है कि हमने अपनी योजनाओं को शानदार ढंग से अमल में उतारा।'

भारत को हराना विशेष उपलब्धि : ब्रूक

इंग्लैंड के कप्तान ने कहा, ' ईमानदारी से कहूं तो भारत जैसी टीम को 4-0 से हराना बेहद विशेष उपलब्धि होगी और इसके साथ दुनिया की शीर्ष रैंकिंग की टीम बनना इसे और भी यादगार बना देगा।''इंग्लैंड के कप्तान ने माना कि उन्हें भारत के खिलाफ इतनी आसान सफलता की उम्मीद नहीं थी। ब्रूक ने कहा, 'हमारी सीमित ओवरों की टीम सही दिशा में आगे बढ़ रही है। हमने लगातार बेहतरीन क्रिकेट खेली है और विभिन्न परिस्थितियों तथा पिचों के अनुरूप खुद को अच्छी तरह ढाला है। विश्व कप में भी हमारा प्रदर्शन शानदार रहा था।

स्वर, साधना और अध्यात्म का अद्भुत संगम बनी ध्रुपद संध्या

मेघ राग की स्वर-वर्षा से सराबोर हुआ प्रशासन अकादमी का सभागार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

प्रशासन अकादमी और स्पिक मैके द्वारा अकादमी के स्वर्ण जयंती सभागार में आयोजित ध्रुपद संध्या में भारतीय शास्त्रीय संगीत की प्राचीनतम परंपरा का अद्भुत रसास्वादन हुआ। दरभंगा घराने की 13वीं पीढ़ी के प्रतिनिधि कलाकार, सुप्रसिद्ध मल्लिक बंधु पंडित प्रशांत मल्लिक एवं पंडित निशांत मल्लिक ने अपनी ओजस्वी और भावपूर्ण प्रस्तुति से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। पखावज पर पंडित रविशंकर उपाध्याय की सशक्त संगत ने कार्यक्रम को और अधिक गरिमा प्रदान की।

सावन के बदरा छाये.... से हुआ शुभारंभ

कार्यक्रम का शुभारंभ मानसून को समर्पित राग मेघ मल्हार की चौताल में निबद्ध बंदिश सावन के बदरा छाये.... से हुआ। इसके बाद राग मेघ मल्हार में ही सुलताल की रचना उमड़े री बादल.... प्रस्तुत की गई। गंभीर आलाप, सशक्त गमकों और पखावज की गूंजती थाप के साथ सभागार में ऐसा वातावरण निर्मित हुआ मानो वर्षा ऋतु स्वयं संगीत के रूप में अवतरित हो गई हो। प्रस्तुति धीरे-धीरे एक आध्यात्मिक और ध्यानमय अनुभव में परिवर्तित हो गई, जिसमें श्रोता पूरी तरह डूब गए।

मानसून को समर्पित रागों की प्रस्तुति देते मल्लिक बंधु।

शहनाई, घंटी, डमरू और शंख का बताया महत्त्व

मल्लिक बंधुओं ने श्रोताओं को भारतीय संगीत परंपरा में वर्णित पांच मंगल वाद्यों मृदंग (पखावज), शहनाई, घंटी, डमरू और शंख के महत्त्व से भी परिचित कराया। उन्होंने बताया कि ध्रुपद की जड़ें सामवेद तक जाती हैं और भारतीय संगीत की प्राचीन वैदिक परंपरा से इसका गहरा संबंध है। नाट्यशास्त्र में वर्णित ध्रुव पदों की परंपरा से विकसित होकर ध्रुपद ने भारतीय संगीत को एक विशिष्ट और स्थायी स्वरूप प्रदान किया है।

मेरे पेरेंट्स चाहते थे कि मैं पीएससी करूं...पर मैं थिएटर करना चाहता था, जब सफल हुआ तो हुए खुश

'ठुकरा के मेरा प्यार में' में लीड एक्टर के दोस्त का रोल निभाने वाले रोहन शर्मा ने कहा...

हरिभूमि चर्चा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मेरे पेरेंट्स चाहते थे कि मैं पीएससी करूं, क्योंकि 12वीं में मेरे परसेंटेज बहुत अच्छे आए थे और जब मैंने उन्हें बताया कि मैं थिएटर करना चाहता हूं या एक्टिंग की दुनिया में जाना चाहता हूं तो वह काफी उदास हुए कि इतनी अच्छे नंबर लाने वाला ऐसा क्यों सोच रहा है और उन्होंने मुझे काफी समझाया भी लेकिन मैं नहीं माना और मुंबई आकर मैंने काफी ऑडिशन दिए, फिर कहीं जाकर वर्ल्ड कप के एक ऐड में काम मिला, इसके बाद गुल्लक सीजन 2 में काम मिला, लेकिन सबसे बड़ा रोल जियो हॉटस्टार की सीरीज 'ठुकरा के मेरा प्यार में' में मिला..... यह कहना है ठुकरा के मेरा प्यार में लीड कास्ट धवल ठाकुर उर्फ कुलदीप के दोस्त का रोल निभाने वाले भोपाल के रोहन शर्मा उर्फ पिंटू का।

केजी चच्चा से ली एक्टिंग की सीख

रोहन ने कहा कि अब मेरे पेरेंट्स काफी खुश हैं और उन्हें लगता है कि मैंने ठीक-ठाक ही डिसीजन लिया है, लेकिन इसमें मेरी मेहनत और सब्र का भी हाथ है। उन्होंने बताया कि केजी चच्चा से जब बच्चों की एक्टिंग क्लास लेते थे तो मैंने उनसे एक्टिंग की बारीकियां सीखी और उनकी दी सीख आज भी मैं रोल निभाते समय अपनाता हूं।

ओटीटी साधारण से दिखने वाले एक्टर के लिए वरदान

थिएटर में एम.ए. करने वाले रोहन ने कहा कि आज साधारण सा दिखने वाले एक्टर को बढ़िया रोल दिलाने में ओटीटी की महत्तवपूर्ण भूमिका है। ओटीटी एक ऐसा प्लेटफॉर्म है जो रियल कैरेक्टर को उभार कर प्रस्तुत करता है, यह वाकई में कमर्शियल सिनेमा से अलग हटकर रियलिज्म को सामने लाता है।

आज से 19 जुलाई तक होंगे आयोजन

पहली बार 'द क्रिएटर्स कप' 140 कंटेंट क्रिएटर्स खेलेंगे क्रिकेट

भोपाल। शहर में पहली बार कंटेंट क्रिएटर्स के लिए खेल आधारित स्पोर्ट्स लीग 'द क्रिएटर्स कप 2026' का आयोजन 11, 12, 18 और 19 जुलाई को इको एक्सपीरिया, बावड़िया कलां में होगा। चौपाल आर्टग्राउंड द्वारा आयोजित इस प्रतियोगिता में 140 कंटेंट क्रिएटर्स क्रिकेट और 32 महिला कंटेंट क्रिएटर्स बैडमिंटन में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगी। क्रिकेट प्रतियोगिता के लिए 14 फ्रेंचाइजी टीमों का गठन किया गया है, जबकि महिला वर्ग में डबल्स नॉकआउट बैडमिंटन प्रतियोगिता होगी। आयोजकों आयुष खरे और मोहित सक्सेना के अनुसार, इस आयोजन का उद्देश्य केवल प्रतियोगिता कराना नहीं, बल्कि भोपाल के डिजिटल क्रिएटर समुदाय को एक मंच पर लाकर नेटवर्किंग, सहयोग और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देना है। 19 जुलाई को फाइनल मुकाबलों के साथ टूनार्मेंट का समापन होगा।

विश्व जनसंख्या दिवस विशेष »

विश्व जनसंख्या दिवस पर हरिभूमि ने तलाशे ऐसे संयुक्त परिवार, जिनकी परम्पराओं ने उन्हें ताउम्र जोड़े रखा

संख्या नहीं, संस्कारों से समृद्ध हैं संयुक्त परिवार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

विश्व जनसंख्या दिवस केवल बढ़ती आबादी के आंकड़ों तक सीमित नहीं है। यह दिन हमें यह सोचने का अवसर भी देता है कि परिवारों की संरचना समाज को कैसे प्रभावित करती है। शहरों में संयुक्त परिवार भले कम हो रहे हों, लेकिन जो परिवार आज भी साथ रह रहे हैं, वे भारतीय संस्कृति और पारिवारिक मूल्यों को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण काम कर रहे हैं।

आज विश्व जनसंख्या दिवस पर हरिभूमि ने शहर के कुछ ऐसे ही संयुक्त परिवारों को तलाशा, जिनके लिए उनकी संख्या मायने नहीं रखती बल्कि घर के बुजुर्गों के दिए संस्कार मायने रखते हैं।

मां की सीख ने 30 सदस्यों को जोड़े रखा

आज परिवारों के बदलते स्वरूप में दुबे परिवार संयुक्त परिवार की जीवंत मिसाल है। लगभग 25 से 30 सदस्यों वाला यह परिवार आज भी एक ही छत के नीचे प्रेम, विश्वास और आपसी सहयोग के साथ रह रहा है। परिवार के मुखिया मुकेश दुबे बताते हैं कि उनके परिवार में पांच भाई और एक बहन हैं। बड़े भाई के निधन के बाद अब वे परिवार के बड़े सदस्य की जिम्मेदारी निभा रहे हैं। मुकेश कहते हैं, इतने बड़े परिवार को संभालने का राज जिम्मेदारियों का बंटवारा है। किसी एक भाई की जिम्मेदारी सभी को घुमाने की है, कोई

राशन-पानी की व्यवस्था देखता है, तो कोई दवा और स्वास्थ्य संबंधी जरूरतों का ध्यान रखता है। घर की बहुओं के बीच भी काम बंटे हुए हैं। जब हर व्यक्ति अपनी जिम्मेदारी समझता है, तो विवाद की गुंजाइश अपने आप खत्म हो जाती है।

लड़ लेना, लेकिन बिछड़ना मत

वे बताते हैं कि इस परिवार की सबसे बड़ी पूंजी उनकी मां गौरा के दिए संस्कार हैं। मां हमेशा कहती थीं अपनी रोटी मिल-बांटकर खाना, लड़ लेना लेकिन बिछड़ना मत। अगर परिवार का कोई सदस्य कमजोर है, तो उसे पीछे छोड़ने के बजाय आगे बढ़ाने का प्रयास करो। मां की दी यही सीख हमारे परिवार की सबसे बड़ी ताकत है और हम सब भाई मां के सम्मान में परिवार का पूरा कारोबार भी उनके नाम गौरा से ही संचालित करते है।

125 साल से एक छत के नीचे घोलप परिवार, आज भी निभा रहा परम्परा

पुराने शहर के काजीपुरा स्थित घोलप परिवार पिछले 125 वर्षों से संयुक्त परिवार की परंपरा को जीवंत बनाए हुए हैं। वर्ष 1901 से एक ही पुश्तैनी मकान में रह रहा यह महाराष्ट्रीयन परिवार आज चौथी पीढ़ी तक एकजुटता की मिसाल बना हुआ है। वर्तमान में परिवार के 18 सदस्य एक ही छत के नीचे रहते हैं। परिवार के वरिष्ठ सदस्य उमेश घोलप बताते हैं कि परिवार की परंपरा की नींव दो भाईयों सीताराम राव घोलप और रामचंद्र राव घोलप ने रखी थी। उनके बाद अब इस परम्परा को उन दोनों के बेटे उमेश राव और राजेश सहित परिवार के अन्य सदस्य निभा रहे हैं। उमेश कहते हैं कि आज परिवार के सभी सदस्य हर निर्णय सामूहिक रूप से लेते हैं। सबसे बुजुर्ग सदस्य 80 वर्षीय काकी हैं, जिनका मार्गदर्शन सभी के लिए प्रेरणा है। उमेश के अनुसार, घर के बेटों और बहुओं के बीच जिम्मेदारियां बंटी हुई हैं और सभी परिवार की परंपराओं को आगे बढ़ा रहे हैं। उनका कहना है कि संयुक्त परिवार की असली ताकत आपसी सम्मान, सहयोग और साथ रहने की भावना में है, जिसने हमें 125 वर्षों से एकजुट रखा है।

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय में कुडियाट्टम कार्यशाला आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

केन्द्रीय संस्कृत विवि परिसर के नाट्यशास्त्र अध्ययन एवं अनुसंधान केन्द्र द्वारा आयोजित 21 दिवसीय संस्कृत रूपक निर्देशन राष्ट्रीय कार्यशाला के चौथे दिन केरल के प्रख्यात कुडियाट्टम विशेषज्ञ वी. गिरिशन ने प्रतिभागियों को प्राचीन अभिनय परंपरा का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया। उन्होंने आंगिक अभिनय, नेत्राभिनय, हस्तमुद्राओं, देह-संचालन और मंचीय प्रस्तुति की तकनीकों का प्रदर्शन करते हुए प्रतिभागियों से अभिनय अभ्यास भी कराया। इस दौरान उन्होंने कहा कि कुडियाट्टम केवल रंगमंचीय प्रस्तुति नहीं, बल्कि साधना, अनुशासन और उत्कृष्ट अभिनय का समन्वय है।

अभिनय की बारीकियों से रूबरू हुए प्रतिभागी

निर्मोही का 700 दुर्लभ पुस्तकों का संग्रह सप्रे संग्रहालय को भेंट

भोपाल। सुप्रसिद्ध साहित्यकार एवं वीणा पत्रिका के पूर्व संपादक कीर्तिशेष मोहनलाल उपाध्याय निर्मोही की स्मृति में उनके परिवार ने माधवराव सप्रे समाचारपत्र संग्रहालय को 700 दुर्लभ पुस्तकें भेंट की हैं। निर्मोही के पुत्र सेवानिवृत्त प्राचार्य डॉ. प्रकाश उपाध्याय और वरिष्ठ पत्रकार गिरीश उपाध्याय ने यह संग्रह संग्रहालय के विजयदत्त श्रीधर को सौंपा। करीब 90 वर्ष पुरानी इन पुस्तकों में हिंदी, संस्कृत, अंग्रेजी, फ्रेंच, गुजराती और राजस्थानी भाषाओं के साहित्य, इतिहास, आलोचना और अन्य विषयों की कई दुर्लभ पुस्तकें शामिल हैं। श्रीधर ने कहा, यह संग्रह शोधार्थियों के लिए संदर्भ सामग्री सिद्ध होगा, वहीं डॉ. प्रकाश उपाध्याय ने विश्वास जताया कि यह अमूल्य धरोहर अब सुरक्षित रहकर आने वाली पीढ़ियों के लिए ज्ञान का स्रोत बनेगी।

कलाव्योम फाउंडेशन के मंच पर जीवंत हुई भारतीय संत परंपरा

संत साहित्य और भक्ति संगीत का अनुपम संगम बना 'संतवाणी'

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

कलाव्योम फाउंडेशन की मासिक सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला 'संतवाणी' के अंतर्गत शुक्रवार की शाम भारतीय संत परंपरा, भक्ति संगीत और आध्यात्मिक चेतना को समर्पित रही।

इस आयोजन ने संत साहित्य की अमूल्य धरोहर को संगीत के माध्यम से जीवंत करते हुए श्रोताओं को आध्यात्मिक आनंद और सांस्कृतिक चेतना से सराबोर कर दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ दिवंगत पद्म विभूषण सुप्रसिद्ध पंडवानी गायिका तीजन बाई को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

तीजन बाई को दी श्रद्धांजलि

संतों की वाणी से गूंजा भक्तिमय वातावरण

कार्यक्रम में संत कबीर दास, संत रविदास, गुरु नानक देव, मीराबाई, सूरदास, तुलसीदास एवं अमीर खुसरो सहित अनेक संत कवियों की रचनाओं पर आधारित भक्ति संगीत की मनमोहक प्रस्तुतियां दी गईं। स्वर निषाद संगीत संस्था के विद्यार्थियों ने भारतीय शास्त्रीय संगीत की विभिन्न रागों में संत साहित्य को प्रस्तुत कर श्रोताओं को भावविभोर कर दिया।

आरएनटीयू की राष्ट्रीय संगोष्ठी में साहित्य, संस्कृति और विज्ञान पत्रकारिता पर हुए चार महत्वपूर्ण सत्र

हिन्दी पत्रकारिता का भविष्य साहित्य, संवेदनशीलता और विश्वसनीयता से होगा तय

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय (आरएनटीयू) में हिन्दी पत्रकारिता के 200 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के दूसरे दिन शुक्रवार को कार्यक्रम की शुरूआत अनिरुद्ध जोशी के सितार वादन से हुई। समकालीन हिंदी पत्रकारिता : परंपरा, परिवर्तन और भविष्य विषय पर आयोजित इस सत्र में देश के वरिष्ठ पत्रकारों, साहित्यकारों और शिक्षाविदों ने पत्रकारिता की गौरवशाली परंपरा, वर्तमान चुनौतियों और भविष्य की संभावनाओं पर विस्तार से विचार रखे।

हिंदी पत्रकारिता के 200 वर्ष पूरे होने पर कार्यक्रम

कार्यक्रम में पुस्तक का विमोचन करते अतिथि।

डिजिटल दौर की चुनौतियों पर की चिंता व्यक्त

एमसीयू के कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने कहा कि स्वतंत्रता आंदोलन में समाचार पत्रों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। उन्होंने फेक न्यूज, मोबाइल आधारित पत्रकारिता और डिजिटल दौर की चुनौतियों पर चिंता व्यक्त की।

पत्रकारिता के सामने नई चुनौतियां हैं खड़ी

वरिष्ठ पत्रकार विजयदत्त श्रीधर ने कहा कि स्वतंत्रता पूर्व की पत्रकारिता राष्ट्रनिर्माण के संकल्प से प्रेरित थी, जबकि आज बाजारवाद और संसाधनों का बढ़ता प्रभाव पत्रकारिता के सामने नई चुनौतियां खड़ी कर रहा है।

कला और संस्कृति मनुष्य को मानवीय मूल्यों से जोड़ते हैं

साहित्यकार संतोष चौबे ने कहा कि साहित्य, कला और संस्कृति मनुष्य को मानवीय मूल्यों से जोड़ते हैं। उन्होंने विज्ञान और साहित्य के संतुलन, पत्रकारिता में विज्ञान लेखन के घटते स्थान, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) की चुनौतियों तथा बदलते वैश्विक परिदृश्य पर विचार व्यक्त किए।

एजुकेट गर्ल्स की पहल

किशोरियों को 10वीं बोर्ड परीक्षा में देने के लिए किया सहयोग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

एजुकेट गर्ल्स ने 2,654 किशोरियों एवं युवा महिलाओं को मध्य प्रदेश राज्य मुक्त स्कूल शिक्षा बोर्ड (एमपीएसओएस) की कक्षा 10वीं की बोर्ड परीक्षाओं में शामिल होने के लिए सहयोग प्रदान कर रही है। ये परीक्षाएं 6 से 15 जुलाई तक आयोजित की जा रही हैं। एजुकेट गर्ल्स का प्रगति कार्यक्रम 15 से 29 वर्ष आयु वर्ग की उन किशोरियों एवं युवा महिलाओं की पहचान करता है जिन्होंने किसी कारणवश अपनी पढ़ाई बीच में छोड़ दी थी। वर्तमान में यह कार्यक्रम धार, बड़वानी, खरगोन और उज्जैन जिलों में संचालित किया जा रहा है। इन चारों जिलों से 2,654 शिक्षार्थियों की पहचान कर उनका एमपीएसओएस में नामांकन कराया गया है और वे वर्तमान में कक्षा 10वीं की बोर्ड परीक्षाएं दे रही हैं।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन प्राइवेट लिमिटेड के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक अचिंत महेश्वरी द्वारा प्लॉट नं.160 न्यू एच-सेक्टर इंडस्ट्रियल एस्टेट, गोविंदपुरा, भोपाल (म.प्र.) 462023 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, पीबी-2, चतुर्थ तल, मानसरोवर कॉम्प्लैक्स, वार्ड नं. 50, शिवाजी नगर, निकट रानी कमलापति रेलवे स्टेशन, होशंगाबाद रोड, भोपाल, (म.प्र.) 462016 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी। स्थानीय संपादकः प्रमोद भारद्वाज। RNI No. MPHIN/2014/55906, फोन 0755-4049930